नई दिल्ली

रविवार, 20 अप्रैल 2025

वैशाख मास कृष्ण पक्ष, सप्तमी वर्ष : 29, अंक : 05

पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

मौसम

अधि. 40
न्यून. 24

11 कृष्णा का 'चौका', बटलर के नाबाद अर्धशतक से शीर्ष पर पहुंचा गुजरात

अब तक 10,000 करोड़ रुपए का हार्डवेअर उत्पादन हो चुका है, 18 माह में 3,900 नई नौकरियां मिलीं

'मेड इन इंडिया' टैबलेट पर खड़े हो गए अश्विनी वैष्णव, कहा- नहीं टूटेगा

वीडियो में अश्विनी वैष्णव खुद उस टैबलेट की मजबूती की जांच करते नजर आए। कभी उसे जमीन पर फेंकते हुए, कभी ऊंचाई से गिराते हुए और यहां तक कि टैबलेट के ऊपर खड़े होकर भी इसकी ताकत का प्रदर्शन किया। यह वीडियो भारत के 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत स्वदेशी, उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के निर्माण की ओर बढ़ते आत्मनिर्भर प्रयासों का प्रतीक है।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय रेल, इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक ऐसा टैबलेट दिखाया, जो न केवल भारत में डिजाइन और निर्मित किया गया है, बल्कि अपनी मजबूती के लिए भी खास पहचान बना रहा है। उन्होंने वीवीडीएन टेक्नोलॉजीस की मैन्युफैक्चरिंग यूनिट से एक वीडियो शेयर करते हुए लिखा, नहीं टूटेगा। 'डिजाइन इन इंडिया, मेड इन इंडिया'। वीडियो में अश्विनी वैष्णव खुद उस टैबलेट की मजबूती की जांच करते नजर आए। कभी उसे जमीन पर फेंकते हुए, कभी ऊंचाई से गिराते हुए और यहां तक कि टैबलेट ▶▶ शेष पेज 5 पर

देश को वैश्विक हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का लक्ष्य

'डिजाइंड एंड मेड इन इंडिया' लैपटॉप भी पहले पेश कर चुके

वीवीडीएन टेक्नोलोजीस भारत के ग्लोबल हार्डवेयर ड्रीम की नई पहचान

वीवीडीएन टेक्नोलोजीस एक घरेलू कंपनी है जो एंड-टू-एंड इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट डेवलपमेंट में विशेषज्ञता रखती है। यह भारत के उस सपने को साकार करने की दिशा में अहम भूमिका निभा रही है, जिसमें देश को एक वैश्विक हार्डवेयर मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का लक्ष्य है। भारत में तकनीक और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने के लिए प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना एक बड़ी भूमिका निभा रही है।

सरकार दे रही वित्तीय सहायता

सरकार कंपनियों को देश में इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण के लिए वित्तीय सहायता दे रही है। जनवरी 2025 में सरकार ने बताया कि आईटी ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत की एआई सर्वर टेक्नोलॉजी की पेश

इसी यूनिट से साझा किए गए एक और वीडियो में मंत्री ने भारत में विकसित की गई एआई सर्वर टेक्नोलॉजी की झलक भी दिखाई। उन्होंने वीडियो में लिखा, 'इंडियाज एआई सर्वर एडिपोली ऐट वीवीडीएन टेक्नोलोजीस'। इस दौरान मंत्री जी ने फैक्ट्री में कर्मचारियों से बातचीत की और निर्माण प्रक्रिया को लेकर जानकारियां लीं। यह पहल उनकी उस फरवरी वाली पोस्ट की याद दिलाती है, जब उन्होंने वीवीडीएन टेक्नोलोजीस द्वारा बनाया गया एक 'डिजाइंड एंड मेड इन इंडिया' लैपटॉप भी देश के सामने पेश किया था।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला

पंजाब – बेंगलुरु
दोपहर 3.30 बजे से

मुंबई – चेन्नई
शाम 7.30 बजे से

खबर संक्षेप

ईस्टर के मौके पर युद्धविराम की घोषणा

मॉस्को। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ईस्टर के मौके पर बड़ा ऐलान करते हुए यूक्रेन में एक दिन के युद्धविराम की घोषणा की है।

रूस की तरफ से इस एकतरफा युद्ध विराम की घोषणा करते हुए पुतिन ने रूसी सैनिकों को स्थानीय समयानुसार शनिवार शाम 6 बजे से रविवार के अंत तक किसी भी तरह का हमला ना करने का आदेश दिया है। इस दौरान पुतिन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि यूक्रेन भी रूस के फैसले का सम्मान करेगा और ईस्टर के मौके इस युद्धविराम में सहयोग करेगा।

जम्मू-कश्मीर से दिल्ली एनसीआर तक झटके

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में आए 5.9 तीव्रता के भूकंप का असर जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिला। जम्मू-कश्मीर में भूकंप से लोगों में

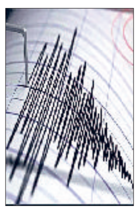

अफरातफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल भागे। इसका असर दिल्ली-एनसीआर तक महसूस किया गया। हालांकि जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। जानकारी के मुताबिक भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान-तजाकिस्तान बॉर्डर पर था। भूकंप की गहराई धरती के नीचे 86 किमी पर थी। भूकंप से नुकसान नहीं हुआ है।

जायसवाल बोले, यूनुस सरकार बिना किसी बहाने, भेदभाव के अल्पसंख्यकों की सुरक्षा का अपना दायित्व निभाए

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता के अपहरण, हत्या की भारत ने की कड़ी निंदा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारत ने शनिवार को बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यक नेता भाबेश चंद्र रॉय के अपहरण और क्रूर ढंग से की गई हत्या की कड़ी निंदा की है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि हम एक बार फिर से अंतरिम सरकार को याद दिलाते हैं कि वह बिना किसी बहाने और भेदभाव के हिंदुओं सहित अन्य सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा की अपनी जिम्मेदारी निभाए। जायसवाल के मुताबिक, यह हत्या अंतरिम सरकार के तहत हिंदू अल्पसंख्यकों के व्यवस्थित उत्पीड़न की एक प्रवृत्ति का अनुसरण करती है। जबकि बांग्लादेश में पिछली ऐसी घटनाओं के अपराधी दंड से मुक्त होकर खुलेआम घूम रहे हैं। उल्लेखनीय है कि पिछले साल 2024 में बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के तख्तापलट और भारत में शरण लेने के बाद दोनों देशों के संबंधों में काफी गिरावट देखने को मिली है। उसके बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस अल्पसंख्यकों और खासकर हिंदुओं पर हो रहे हमलों को रोकने में नाकाम रहे हैं। ▶▶ शेष पेज 5 पर

हिंदू प्रधानाध्यापक को बनाया बंधक त्यागपत्र देने के लिए किया मजबूर

वहीं, एक अन्य घटना में हिंदू प्रधानाध्यापक कांतिलाल आचार्य को बंधक बनाकर उन्हें अपने पद से त्यागपत्र देने के लिए मजबूर कर दिया गया। चटगांव के भटियारी हाजी तोबारक अली चौधरी हाई स्कूल के कार्यवाहक प्रधानाध्यापक कांतिलाल आचार्य को बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी और उसके सहयोगी संगठनों के सदस्यों ने भ्रष्टाचार के झूठे आरोप लगाकर पीटा और अपने पद से त्यागपत्र देने के लिए मजबूर कर दिया।

हिंदू नेता का अपहरण कर की हत्या

बांग्लादेश के दिनाजपुर जिले में गुरुवार को हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता भाबेश चंद्र रॉय का उनके घर से अपहरण कर लिया गया और बेरहमी से पीट-पीटकर उनकी हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ढाका से लगभग 330 किलोमीटर उत्तर-पश्चिम में दिनाजपुर के बसुदेबपुर गांव के निवासी भाबेश चंद्र रॉय (58) का शव गुरुवार देर रात बरामद किया गया। रॉय की पत्नी शांतना ने बताया कि उन्हें शाम करीब 4:30 बजे एक फोन आया था। उन्होंने दावा किया कि अपराधियों ने घर ▶▶ शेष पेज 5 पर

हमलावरों ने वैन में लाकर घर छोड़ा

रॉय को उसी दिन हमलावरों ने एक वैन में लाकर उनके घर पर छोड़ दिया। उस समय वह बेहोश थे। उन्हें तुरंत बिराल उपजिला स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। इसके बाद उन्हें दिनाजपुर मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। रॉय बांग्लादेश पूजा उत्सव परिषद की बिराल इकाई के उपाध्यक्ष और क्षेत्र में हिंदू समुदाय के एक प्रमुख नेता थे। मामले में बिराल पुलिस स्टेशन के अधिकारी अब्दुस सबूर ने बताया कि मामला दर्ज करने की प्रक्रिया चल रही है और पुलिस आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए प्रयास कर रही है।

कांग्रेस का तंज

पीएम मोदी, यूनुस की मुस्कुराने वाली बैठक विफल रही

कांग्रेस पार्टी ने बांग्लादेश में हिंदू नेता भाबेश चंद्र रॉय की निर्मम हत्या की कड़ी निंदा की है। राज्यसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि हिंदू समुदाय के एक बड़े नेता भाबेश चंद्र रॉय की क्रूरतापूर्ण हत्या इस बात का सबूत है कि नरेंद्र मोदी जी की बांग्लादेश के चीफ एडवाइजर के साथ मुस्कुराने वाली बैठक विफल रही।

बांग्लादेश एक खतरनाक देशः अमेरिका

अमेरिकी विदेश विभाग ने बांग्लादेश को खतरनाक देशों की श्रेणी में डालते हुए अपने नागरिकों के लिए नई ट्रैवेल एडवाइजरी जारी की है। इसमें अमेरिकी नागरिकों से बांग्लादेश में नागरिक अशांति, अपराध और आतंकवाद के खतरे का हवाला देते हुए यात्रा पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया गया है। यात्रा सलाह में बांग्लादेश के अधिकांश हिस्सों के लिए 'स्तर 3ः यात्रा पर पुनर्विचार करें' बरकरार रखा गया है। वहीं, चटगांव हिल ट्रैक्ट्स को स्तर 4 (यात्रा न करें) की श्रेणी में रखा गया है। इसमें खगराचारी, रंगमती और बंदरबन जिले शामिल हैं। यात्रा सलाह में क्षेत्र में सांप्रदायिक हिंसा, आतंकवाद, अपहरण और राजनीतिक अशांति के निरंतर जोखिम का हवाला दिया गया है। विदेश विभाग ने चेतावनी दी है कि शांतिपूर्ण कार्यक्रम भी जल्दी ही हिंसा में बदल सकते हैं। बांग्लादेश की यात्रा करने वाले अमेरिकी नागरिकों से सभी राजनीतिक कार्यक्रमों और बड़ी सार्वजनिक सभाओं से बचने की सलाह दी है।

हादसे में 11 लोगों की मौत, डेढ़ दर्जन घायल

ताश के पत्तों की तरह ढह गई चार मंजिला आवासीय इमारत

दयालपुर क्षेत्र के शक्ति नगर में हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर-पूर्वी दिल्ली के शक्ति विहार में शनिवार तड़के एक चार मंजिला आवासीय इमारत ढहने से 11 लोगों की मौत हो गई और करीब डेढ़ दर्जन अन्य घायल है। एनडीआरएफ, अग्निशमन सेवा, दिल्ली पुलिस और अन्य बचाव दल 15 घंटों से ज्यादा समय तक रेस्क्यू ऑपरेशन में जुटे रहे। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि किस तरह इमारत गिरने से गलियों में अफरातफरी मच गई। खबर लिखे जाने तक कई अन्य लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही थी। दमकल प्रमुख अतुल गर्ग ने बताया कि मुस्तफाबाद विधानसभा क्षेत्र के दयालपुर थाना अंतर्गत शक्ति नगर की गली नंबर 1 स्थित मकान नंबर डी 26 नंबर की चार मंजिला इमारत गिरने की सूचना दमकल विभाग को तड़के 2 बजकर 50 मिनट पर मिली थी। दमकलकर्मी नौ गाड़ियों के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस के अलावा एनडीआरएफ की टीमें भी मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। इसमें सैंकड़ों स्थानीय लोगों ने भी रेस्क्यू दलों की मदद के लिये हाथ बढ़ाया। बताया गया है कि 60 गज में चार मंजिला इमारत बनी थी। उसमें निचले फ्लोर पर दुकानों में निर्माण कार्य चल रहा था। इमारत करीब 20 साल पुरानी बताई गई है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि भूतल पर दो-तीन दुकानों में हो रहे निर्माण कार्य और शुक्रवार रात खराब हुये मौसम के कारण इमारत ढह गई।

शत-प्रतिशत पर्सेंटाइल वाले छात्रों में सर्वाधिक सात राजस्थान के हैं

जेईई मेन परीक्षा के सत्र-2 के परिणाम घोषित, 24 छात्रों को मिले 100 पर्सेंटाइल

दिल्ली के दो छात्र दक्ष और हर्ष झा भी हुए 100 पर्सेंटाइल वाले छात्रों की सूची में शामिल।

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने बीते शुक्रवार देर-रात इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षाओं से जुड़ी हुई जॉइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन (जेईई) मेन-2025 के दूसरे सत्र के परिणाम घोषित कर दिए हैं। जिसमें 24 छात्रों को 100 पर्सेंटाइल मिले हैं। परीक्षा से जुड़े सभी छात्र, एजेंसी की वेबसाइट jeemain.nta.nic.in पर जाकर अपना परिणाम और स्कोरकार्ड देख सकते हैं। यहां बता दें कि एनटीए ने अभी फिलहाल परीक्षा के दूसरे सत्र के पेपर-1 बीई, बीटेक का परिणाम ही जारी किया है। जबकि दूसरे पेपर-2-ए (बी-आर्क), 2-बी (बी-प्लानिंग) का परिणाम आना अभी बाकी है। एनटीए ने एक बयान जारी

कर यह जानकारी दी। जिसमें बताया कि इस परीक्षा परिणाम के साथ ही एजेंसी ने जेईई-एडवांस के लिए क्वालीफाइंग कट ऑफ भी घोषित कर दी है। जिसमें सामान्य श्रेणी के छात्रों के लिए 93.10 पर्सेंटाइल की आवश्यकता होगी। इसके ▶▶ शेष पेज 5 पर

100 पर्सेंटाइल वाले टॉपरों में राजस्थान के 7 छात्र

एनटीए ने बताया कि 100 पर्सेंटाइल वाले 24 छात्रों में 22 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं। 24 में से राजस्थान के सर्वाधिक 7 छात्रों को शत-प्रतिशत पर्सेंटाइल मिले हैं। इसके बाद दिल्ली के 2, महाराष्ट्र के 3, तेलंगाना के 3 और उत्तर प्रदेश के 3, पश्चिम बंगाल के 2, गुजरात के 2, आंध्र प्रदेश के 1, कर्नाटक के 1 छात्र को 100 पर्सेंटाइल मिले हैं। दिल्ली के 100 पर्सेंटाइल वाले छात्रों में दक्ष और हर्ष झा शामिल हैं।

सोशल मीडिया में एक्टर के परिवार को मिल रही रेप और जान से मारने की धमकी

फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप ने की ब्राह्मणों पर विवादित टिप्पणी, विरोध के बाद मांगी माफी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

फिल्म निर्देशक और एक्टर अनुराग कश्यप एक बार फिर विवादों में घिर गए हैं। इस बार मामला जाति विशेष को

लेकर की गई अभद्र टिप्पणी से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर उनकी कथित टिप्पणी के खिलाफ हाल ही में कानूनी कार्रवाई की मांग की गई। जबकि सोशल मीडिया पर उनकी फैमिली को रेप और जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। इसका जिक्र उन्होंने नए पोस्ट में माफी मांगते हुए किया है। जो लोग नहीं जानते उन्हें बता दें कि 'फुले' फिल्म को ▶▶ शेष पेज 5 पर

पलासिया थाने में शिकायत दर्ज

इधर, इंदौर में भी विरोध प्रदर्शन

इंदौर। श्री परशुराम सेना ने अनुराग कश्यप के खिलाफ जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के सदस्यों ने निर्देशक का पुतला बनाकर कान्ह नदी में बहा दिया। परशुराम सेना के प्रदेश अध्यक्ष अनूप शुक्ला ने इस मौके पर कहा कि अनुराग कश्यप की ब्राह्मण समाज के खिलाफ की गई टिप्पणी उनकी 'गंदी मानसिकता' को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि ऐसा व्यक्ति गंदे नाले के पानी में ही बहाने योग्य है। साथ ही, शुक्ला ने पुलिस से अनुराग कश्यप के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनकी जल्द गिरफ्तारी की मांग की। वहीं, इंदौर के नीरज याग्निक ने मशहूर फिल्म निर्देशक अनुराग कश्यप के खिलाफ ▶▶ शेष पेज 5 पर

सऊदी अरब के प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के निमंत्रण पर हो रही है यह यात्रा

अगले सप्ताह मंगलवार से सऊदी अरब के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे प्रधानमंत्री

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अगले सप्ताह मंगलवार से सऊदी अरब की दो दिवसीय (22 से 23 अप्रैल) आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे।

जिसके लिए उन्हें सऊदी क्राउन प्रिंस और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान ने विशेष रूप से आमंत्रित किया है। सऊदी शहर जेद्दा में क्राउन प्रिंस द्वारा पीएम का परंपरागत अंदाज में भव्य स्वागत किया जाएगा और फिर दोनों शीर्ष नेताओं के बीच अहम द्विपक्षीय और

प्रतिनिधिमंडल स्तर की बैठक होगी। जिसमें आपसी संबंधों के हर पहलू के अलावा साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा। साथ ही दोनों नेता भारत-सऊदी अरब ▶▶ शेष पेज 5 पर

भारत का अहम रणनीतिक भागीदार

उधर विदेश मंत्रालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि सऊदी अरब भारत का एक महत्वपूर्ण रणनीतिक भागीदार देश है। पीएम की सऊदी अरब की यह तीसरी यात्रा है। इससे पहले उन्होंने 2016 और 2019 में खाड़ी देश का दौरा किया था। उसके बाद 2023 में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने नई दिल्ली में आयोजित किए गए जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की ▶▶ शेष पेज 5 पर

सेना ने सियाचिन और लद्दाख क्षेत्र में स्थापित की भरोसेमंद हाई स्पीड मोबाइल कनेक्टिविटी

अब सियाचिन ग्लेशियर से भी गूंजेगी सैनिकों के घरों में फोन की घंटी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

छोड़ो कल की बातें, कल की बात पुरानी...जी हां हिंदी फिल्मों का ये गीत अपनी दुर्गम ऊंचाई और विषम भौगोलिक परिस्थितियों से वजह से बाकी देश से अलग-थलग दिखाई पड़ने वाले सियाचिन ग्लेशियर और पूर्वी लद्दाख के गलवान घाटी के इलाकों पर बिलकुल सटीक बैठता हुआ नजर आ रहा है। क्योंकि अब यह दोनों इलाके सेना द्वारा स्थापित की गई भरोसेमंद हाईस्पीड मोबाइल कनेक्टिविटी से जुड़ गए हैं और उसी के साथ तकनीकी विकास की अपनी नई कहानी लिखने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। मोबाइल कनेक्टिविटी की वजह से यहां तैनात सेना के जवान अपने परिवारों के साथ लगातार संपर्क में बने रहेंगे। सेना के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यहां बता दें कि पहले सियाचिन या लेह-लद्दाख के अन्य ऊंचाई वाले इलाकों में सेना द्वारा अत्यधिक आवश्यकता पड़ने पर सैटेलाइट फोन का इस्तेमाल चलन में रहा है। जबकि मोबाइल के साथ नेटवर्क की समस्या बनी रहती थी।

जवानों का मनोबल बढ़ेगा

इस कदम के जरिए चुनौतीपूर्ण जगहों पर तैनात रहने वाले सेना के जवानों का मनोबल बढ़ेगा। आमतौर पर सर्दियों की तैनाती के दौरान अत्यधिक ऊंचाई और जानलेवा मौसम के बीच इनका संपर्क बाकी देश से कट जाता था। लेकिन अब ये सभी अपने परिवारजनों से संपर्क में बने रहेंगे। अधिकारियों ने कहा कि उसका यह महत्वपूर्ण प्रयास सरकार के एक सहयोगी फ्रेमवर्क से जुड़ा हुआ है। जिसके तहत सेना सीमाई इलाकों में अपने ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर ▶▶ शेष पेज 5 पर

ग्लेशियर में लगाया गया मोबाइल टावर

उन्होंने बताया कि इस कदम के तहत ऐतिहासिक रूप से सियाचिन ग्लेशियर पर सफलतापूर्वक 5जी मोबाइल टावर स्थापित किया गया है। जिसे हम दुनिया के सबसे ऊंचे रणक्षेत्र के रूप में जानते हैं। भारत की तकनीक क्षमता को मजबूती से प्रदर्शित करने की प्रतिबद्धता इससे जाहिर होती है। स्थानीय जनता ने भी सेना के इस प्रयास की सराहना की है। मोबाइल कनेक्टिविटी केवल संचार की सुविधा नहीं देती है। बल्कि ये आज के समय में सुदूर इलाकों की लाइफ लाइन बन गई है। भारतीय सेना इसके जरिए केंद्र सरकार के 2047 के विकसित भारत के मिशन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित कर रही है।

दयालपुर क्षेत्र के शक्ति नगर में गिरी इमारत

हादसे के समय इमारत में मौजूद थे 22 लोग

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पुलिस के अनुसार हादसे के समय इमारत में 22 लोग थे, जिनमें से ज्यादातर कुछ परिवारों के सदस्य थे। इमारत के मालिक तहसीन और उनके परिवार के छह सदस्य इमारत ढहने से मरने वाले 11 लोगों में शामिल हैं। मलबे से बाहर निकाले जाने के बाद घायलों को जीटीबी अस्पताल ले जाया गया। राहत दल के सदस्यों का कहना था कि चूंकि यह अत्यधिक भीड़भाड़ वाला क्षेत्र है, इसलिए मलबा हटाने का काम धीरे-धीरे किया गया, जिससे बचाव कार्य चुनौतीपूर्ण हो गया। उन्होंने कहा कि जगह की कमी के कारण भारी मशीनरी के उपयोग में दिक्कतें आई। मृतकों में इमारत के मालिक तहसीन (60), उनका बेटा नाजिम (30), नाजिम की पत्नी शाहिना (28) और उनके तीन बच्चे अनस (6), आफरीन (2) और अफान (2) तथा मालिक की छोटी बहू चांदनी (23) शामिल हैं। दो भाइयों दानिश (23) और नावेद (17) तथा रेशमा (38) एवं इशाक (75) की भी इस घटना में मौत हो गई। छह लोगों को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, जिनमें तहसीन का बेटा चांद (25) भी शामिल है, जबकि तहसीन की पत्नी समेत नौ लोग भर्ती हैं।

वर्षों से दीवारों में रिस रहा था सीवर का पानी

स्थानीय लोगों ने कहा कि दुकान में हो रहे निर्माण कार्य के कारण यह इमारत गिरी है। इलाके के ही रहने वाले सलीम अली ने कहा कि सीवर का गंदा पानी वर्षों से इमारतों की दीवारों में रिस रहा है। समय के साथ नमी के कारण ढांचे कमजोर होने से दीवारों में दरारें आ गई हैं। उधर दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने एक बयान में कहा कि यह इमारत लगभग 20 साल पुरानी थी।

पड़ोसियों को लगा जैसे भूकंप आ गया

शनिवार तड़के ढही इमारत के बगल में रहने वाले रयान ने कहा कि ऐसा लगा जैसे भूकंप आ गया हो। हमारे नीचे से फर्श हिल गया और इससे पहले कि हम कुछ समझ पाते, सब कुछ धूल से ढक गया। मलबे में दबे कुछ लोगों को जीवित बचा लिया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अब तक बचाव दल ने करीब 11 लोगों को जीवित बाहर निकाल लिया है। पुलिस को 2 बजकर 39 मिनट पर सूचना प्राप्त हुई थी। बचाव दल अब भी घटनास्थल पर काम कर रहा है। 11 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया है, जबकि कई लोग अब भी फंसे हुए हैं और बचाव अभियान जारी है।

निगम आयुक्त को घटना की जांच कराने के दिए निर्देश : महापौर

नई दिल्ली। मुस्तफाबाद क्षेत्र के दयालपुर में इमारत गिरने की हुई दुःखद घटना के दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के महापौर महेश कुमार ने निगम आयुक्त को घटना की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। महापौर ने बताया कि इस घटना के लिए जो भी ज़म्मिेदार हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाए। महापौर ने बताया कि खबर मिलते ही मौके पर पहुंचकर रेस्क्यू ऑपरेशन टीमों से जानकारी ली। हादसे में जिन लोगों ने अपनी जान गंवाई है, उनके परिजनों से मुलाकात की और उनके इस दुःख को साझा किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस, एमसीडी, फायर विभाग और एनडीआरएफ की टीमें मौके पर राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। एमसीडी प्रशासन से मिली जानकारी के अनुसार निगम आयुक्त अश्विनी कुमार ने जोन के उपायुक्त और अन्य अधिकारियों के साथ घटनास्थल का दौरा किया। रखरखाव, भवन और स्वच्छता विभागों के फील्ड स्टाफ वर्तमान में सुरक्षा सुनिश्चित करने और चल रहे बचाव कार्यों का समर्थन करने के लिए साइट के साथ-साथ आसपास की संपत्तियों से मलबा साफ करने में लगे हुए हैं। ये प्रयास पुलिस और बचाव दलों के साथ घनिष्ठ समन्वय में किए जा रहे हैं। एमसीडी ने बताया कि इस घटना को देखते हुए, एमसीडी क्षेत्र में सर्वेक्षण करेगी ताकि ऐसी इमारतों की पहचान की जा सके जिनमें पांचवीं और छठी मंजिलें हैं और जिनमें पर्याप्त भार वहन करने वाले तत्व नहीं हैं और इसके बाद उन्हें सील करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

मृतक के परिजनों को दिया जाएगा उचित मुआवजा : मोहन बिष्ट

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट ने आज घोषणा की कि मृतक के परिवार को उचित मुआवजा दिया जाएगा। मुस्तफाबाद से विधायक बिष्ट ने मीडिया को बताया कि इस तरह की घटनाओं ने दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) की पोल खोल दी है और दावा किया कि उन्होंने हाल ही में इलाके के अपने दौरे के दौरान दुर्घटना की संभावना के बारे में चेतावनी दी थी। घटनास्थल का दौरा करने के बाद उन्होंने कहा, ₹तीन महीने पहले, जब मैं चुनाव जीता था, मैं इसी इलाके में था। मैंने उस समय कहा था कि यह इमारत दुर्घटना का कारण बन सकती है। मैंने दिल्ली के एलजी (वीके सक्सेना) और एमसीडी कमिश्नर से कहा है कि लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि मुस्तफाबाद में कई दुर्घटना संभावित इमारतें हैं और बिजली कंपनियां गरीबों को बिजली नहीं दे रही हैं।

किसी ने बेटा तो किसी ने खोया रिश्तेदार

नई दिल्ली। इस हादसे में मकान मालिक तहसीन की पत्नी जीनत 10 घंटे तक मलबे में दबी रही। आखिर में उसे जिंदा बाहर निकालकर अस्पताल भिजवाया गया। जबकि तहसीन के बेटे नाजिम (30) की हादसे में मौत हो गई। स्थानीय निवासी शहजाद अहमद ने अपने दो भांजों दानिश और नावेद को खो दिया। वह अपने माता-पिता यानि अहमद की बहन और बहनोई के साथ तीसरी मंजिल के मकान में रहते थे। अहमद ने कहा कि मेरे दोनों भांजे परिवार के कमाने वाले सदस्य थे। वे पूरे घर का खर्च चलाते थे। अब वे चले गए। उनकी बहन और बहनोई की हालत गंभीर है। उसने बताया कि मुझे सुबह चार बजे के आसपास फोन आया और मैं तुरंत घटनास्थल पर पहुंचा। एक अन्य निवासी सोनू अब्बास ने बताया कि उनकी बहन की मौत हो गई है, जिनका परिवार इमारत की चौथी मंजिल पर रहता था। उसने बताया कि जब उन्हें मलबे से निकाला गया तो वह जीवित थीं। वह उठी, उसने देखा कि उसके पति और बच्चे सुरक्षित हैं और उसने उन्हें मलबे से बाहर निकालने में मदद की। अब्बास ने कहा कि इसके बाद ही वह बेहोश हो गई और उसकी मौत हो गई। उसके दोनों बच्चे घायल हैं, जबकि पति की हालत गंभीर बनी हुई है। कुछ निवासियों ने दावा किया कि भूतल पर चल रहे निर्माण कार्य के कारण ही इमारत ढह गई, जहां कथित तौर पर एक नयी दुकान बनाई जा रही थी। उन्होंने आस-पास की इमारतों की संरचनात्मक स्थिति के बारे में भी चिंता व्यक्त की। सलीम अली ने कहा कि करीब चार से पांच इमारतें आसपास के इलाके में ऐसी ही नाजुक स्थिति में हैं।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 Cr. P.C/ 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया नामः **समीर मलिक, पुत्रः बाबू मलिक, निवासीः मकान नंबर 197, गली नंबर 2, मंडोली, बुध विहार, दिल्ली** और **इंशा एंटरप्राइजेज, ए–16, मुख्य 100 फुटा रोड, कबीर नगर, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह हैं) **No. 2242/2019 U/S 138 NI Act** के तहत एक मामला **थाना भजनपुरा, दिल्ली** में दर्ज किया गया है किया है (या किए जाने का संदेह हैं) और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया कि अभियुक्त **समीर मलिक** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि आरोपी **समीर मलिक** फरार हो गया है (या उक्त वारंट कि तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा कि **No. 2242/2019 U/S 138 NI Act, थाना भजनपुरा, दिल्ली** के आरोपी उक्त **समीर मलिक** को उक्त शिकायत का जवाब देने के लिए दिनांक **13.08.2025** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार पंकज राय
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–01,
उत्तर पूर्व जिला, कमरा नं. 73, पाँचवी मंज़िल,
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4785/NE/2025
(अदालती मामला)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **विनोद** पुत्र **कैलाश निवासी ए–275, गली नं. 7, श्री राम कॉलोनी, दिल्ली** ने case **FIR No. 427/2007 U/s 454/380/411 IPC, थाना खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है **विनोद** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **विनोद** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है।)

इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि case **FIR No. 427/2007 U/s 454/380/411 IPC, थाना खजूरी खास, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **विनोद** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **13.06.2025** को या उससे पूर्व हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री इसरा जैदी
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–04
कमरा नं. 04, चौथा तल, उत्तर पूर्वी जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/4768/NE/2025(Court Matter)

दयालपुर क्षेत्र में हुई मौतें चिंताजनक : सचदेवा

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने मुस्तफाबाद विधानसभा के दयालपुर क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक 5 मंजिला बिल्डिंग के आकस्मिक रूप से ढह जाने पर गहरा दुख एवं चिंता प्रकट की है। सचदेवा ने कहा है कि मानवीय जीवन का इस तरह अंत होना दुखद है पर मुस्लिम बहुल इलाकों में ऐसे अनेक ज्वलंत बम खड़े हैं और दिल्ली नगर निगम को ऐसी पांचवी छठी मंजिल खाली करवा कर सील करने एवं तोड़ने का आदेश दें ताकि भविष्य में ऐसे हादसे रूक सकें। सचदेवा ने आरोप लगाते हुए कहा है कि गत 10 साल में इन मुस्लिम बहुल विधानसभाओं से चुने गए आम आदमी पार्टी के विधायक एवं पार्षदों अपने वोट बैंक एवं आय दोनों को बढ़ाने के लिए अपने राजनीतिक सहयोगियों को आगे कर चौथी, पांचवी एवं छठी मंजिल बनावा कर उसमें छोटे छोटे किरायेदारों को बसाया।

सीएम ने मुस्तफाबाद घटना के दिए जांच के आदेश, दोषियों के खिलाफ होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को मुस्तफाबाद में इमारत गिरने की दर्दनाक घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा कि मुस्तफाबाद में इमारत गिरने की दर्दनाक घटना से मन अत्यंत व्यथित है। घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं और दोषियों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। राहत एवं बचाव कार्यों में डीडीएमए, एनडीआरएफ, डीएफएस और अन्य एजेंसियां सतत रूप से जुटी हैं। सभी घायलों के समुचित उपचार की व्यवस्था की गई है। इस दुर्भाग्यपूर्ण हादसे में जिनकी मृत्यु हुई है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस अपूरणीय क्षति को सहने की शक्ति दें।

केजरीवाल ने हादसे में मृतकों के प्रति जताया दुख

नई दिल्ली। मुस्तफाबाद इलाके में शनिवार को तड़के चार मंजिला बिल्डिंग गिरने से मलबे में दबकर कई लोगों की हुईं दुखद मौतों पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और नेता विपक्ष आतिशी अन्य नेताओं ने अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की है। केजरीवाल के आह्वान पर आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए और राहत व बचाव कार्य में प्रशासन की मदद में जुट गए। अरविंद केजरीवाल ने मुस्तफाबाद में इमारत गिरने की घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए एक्स पर कहा कि मुस्तफाबाद में बिल्डिंग गिरने की ये घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में जिन परिवारों ने अपनों को खोया, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं से मेरी अपील है कि राहत और बचाव कार्यों में प्रशासन का पूरा सहयोग करें।

बिल्डिंग गिरने की घटना बेहद दुखद : आतिशी

नेता विपक्ष आतिशी ने एक्स पर कहा कि मुस्तफाबाद में बिल्डिंग गिरने की घटना बेहद दुखद है। इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं है। मुस्तफाबाद के सभी 'आप' कार्यकर्ताओं से मेरा निवेदन है कि राहत और बचाव कार्य में प्रशासन की मदद करें।

कांग्रेस ने जताया दुख

नई दिल्ली। यमुनापार के मुस्तफाबाद क्षेत्र में इमारत गिरने के हादसे पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने गहरा दुख प्रकट करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए कामना की है। उन्होंने कहा कि मुस्तफाबाद विधानसभा में तीन मंजिला इमारत ढहने और उसमें 12 लोगों की जान जाने की खबर बेहद दुखद है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्माओं को शांति और घायलों को शीघ्र स्वास्थ्य लाभ प्रदान करें। यादव ने दिल्ली सरकार से मांग की है कि इस हादसे की गहराई से जांच होनी चाहिए।

हेरोइन के साथ 10 ड्रग्स सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली। क्राइम ब्रांच की एएनटीएफ ने सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ करते हुये 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से कुल 1667 ग्राम हेरोइन, 130 ग्राम रासायनिक पदार्थ जब्त किया गया है। यह गिरोह पंजाब, जम्मू-कश्मीर, मेवात और दिल्ली एनसीआर में फैला हुआ था। आगे की वित्तीय जांच के दौरान 10 करोड़ रुपये मूल्य की आरोपियों की पांच संपत्तियों की पहचान की है। स्पेशल सीपी देवेश चंद्र श्रीवास्तव के अनुसार क्राइम ब्रांच ने भारत और पड़ोसी देशों के बीच संचालित सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को सफलतापूर्वक ध्वस्त कर दिया है। इस ऑपरेशन के परिणामस्वरूप कई गिरफ्तारियां हुईं और बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ, मोबाइल फोन, महत्वपूर्ण सबूत और अवैध आय जब्त की गई। ऑपरेशन में सरगना समेत अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी आरोपियों की पहले भी आपराधिक संलिप्तता रही है। इनके परिवार का भी आपराधिक इतिहास रहा है। ड्रग सप्लाई में इस्तेमाल की जाने वाली दो मोटरसाइकिलें भी जब्त कर ली गई हैं और फ्रीजिंग ऑर्डर जारी किए जा रहे हैं। पुलिस ने सबसे पहले फहीम को पकड़ा। 37 वर्षीय फहीम फारूक अमर कॉलोनी, लाल बाजार, श्रीनगर का निवासी है। इसके पास से 996 ग्राम उच्च श्रेणी की अफगानी हेरोइन बरामद की गई। दिल्ली के भोगल में उसके किराए के घर पर तलाशी ली गई, जहां 1,65,000 रुपये की नकदी बरामद की गई। उसने अपने सप्लायर का नाम शाजिया बताया। उसे भी अरेस्ट कर लिया गया। मूलरूप से श्रीनगर की रहने वाली शाजिया पिछले 2-3 वर्षों से मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त थी। उसने अफगानिस्तान, अमेरिका, ब्रिटेन और पंजाब में सोहराब, हाफिज और हैरी सहित सहयोगियों के साथ मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले नेटवर्क का हिस्सा होना स्वीकार किया।

कपिल मिश्रा ने आस पास की जर्जर इमारतों को तत्काल खाली कराने के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा ने इमारत गिरने के घटना स्थल का दौरा करने के दौरान अधिकारियों को जर्जर इमारतों को चिन्हित कर तत्काल खाली कराने के निर्देश दिए। सीलमपुर, मुस्तफाबाद, जाफराबाद जैसे क्षेत्रों में अवैध निर्माण कार्यों की भरमार है, और यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि बिना सरकारी अनुमति और वैध नक्शे के किसी भी प्रकार के निर्माण कार्य की अनुमति न दी जाए। मंत्री कपिल मिश्रा ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया और प्रभावित परिवारों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह दुर्घटना मात्र एक हादसा नहीं, बल्कि गंभीर आपराधिक लापरवाही का परिणाम है, और दोषियों को किसी भी स्थिति में बख्शा नहीं जाएगा। इस अवसर पर स्थानीय विधायक मोहन सिंह बिष्ट भी मौजूद रहे।

हाई रिटर्न का झांसा देकर 48 लाख की ठगी, तीन अरेस्ट

नई दिल्ली। दक्षिण पश्चिम जिले की साइबर पुलिस ने तीन जालसाजों को गिरफ्तार करते हुये डिजिटल अरेस्टिंग और निवेश पर हाई रिटर्न का झांसा देकर साढ़े 48 लाख की ठगी का मामला सुलझाया है। जालसाजों के बैंक खातों का संचालन चीनी नागरिक कर रहा था। आरोपी शेल कंपनी खोलने और उसके बाद विभिन्न बैंक खाते खोलने में शामिल रहे हैं। आरोपी लोग विदेशों से सिंडिकेट चलाने वाले जालसाजों को चालू बैंक खाते उपलब्ध कराते थे। इनसे तीन स्मार्टफोन और अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया है।

सिपेट CIPET

केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट)
Central Institute of Petrochemicals Engineering & Technology
(Dept. of Chemicals & Petrochemicals, Ministry of Chemicals & Fertilizers, Govt. of India)
50वां माइल स्टोन, डीसीआरयूएसटी कैम्पस, मुरथल, सोनीपत, हरियाणा– 131039

एआईसीटीई स्वीकृत AICTE Approved

फोन : 0130–2203000, ईमेल : murthal@cipet.gov.in, वैबसाईट : www.cipet.gov.in
Telephone No.: 0130–2203000, E-Mail ID: murthal@cipet.gov.in, website: www.cipet.gov.in

उत्कृष्ट प्लेसमेंट रिकॉर्ड Excellent Placement Record

सिपेट : डिप्लोमा स्तर के पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2025–26 के लिए प्रवेश
CIPET - Admission in Diploma Level Programmes for the academic year 2025-26

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) 2025, CIPET ADMISSION TEST-2025
Apply Online: https://cipet25.onlineregistrationform.org/CIPET/ ऑनलाइन आवेदन करें: https://cipet25.onlineregistrationform.org/CIPET/

क्रम. संख्या Sl.No.	पाठ्यक्रम का नाम Name of Course	पाठ्यक्रम की अवधि Course Duration	प्रवेश योग्यता Entry Qualification
01.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी (डी.पी.एम.टी) Diploma in Plastics Mould Technology (DPMT)	3 वर्ष 3 year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
02.	डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजी (डी.पी.टी) Diploma in Plastics Technology (DPT)	3 वर्ष 3 year	कक्षा 10 उत्तीर्ण 10th Std.
03.	पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स प्रोसेसिंग एंड टेस्टिंग (पीजीडी–पीपीटी) Post Graduate Diploma in Plastics Processing & Testing (PGD-PPT)	2 वर्ष 2 year	विज्ञान में 3 वर्ष की डिग्री 3 year Degree in Science
04.	पोस्ट डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड डिजाईन विथ कैड/कैम (पीडी – पीएमडी विथ कैड/कैम) Post Diploma in Plastics Mould Design with CAD/CAM (PD-PMD with CAD/CAM)	$1\frac{1}{2}$ वर्ष $1\frac{1}{2}$ year	मैकेनिकल/प्लास्टिक्स/पॉलीमर/टूल/टूल एवं डाई मेकिंग/ उत्पादन/ मेकाट्रोनिक्स/ ऑटोमोबाईल/ पेट्रोकेमिकल्स/ औद्योगिक/ इंस्ट्रूमेन्टेशन इंजीनियरिंग/ प्रौद्योगिकी में डिप्लोमा या डी.पी.एम.टी./ डी.पी.टी. या समकक्ष Diploma in Mechanical/Plastics/Polymer/Tool/Tool & Die Making/Production/Mechatronics/Automobile/ Petrochemicals / Industrial/ Instrumentation Engg./ Technology or DPMT/DPT or Equivalent

प्रवेश योग्यता परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार भी उपरोक्त सभी पाठ्यक्रमों के लिए आवेदन करने योग्य हैं।
Candidates appearing for the entry qualification examination are also eligible to apply for all the above courses

कोई उम्र सीमा नहीं। छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग–अलग छात्रवास
No Age Bar | Separate Hostel Accommodation for Boys & Girls

सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की महत्वपूर्ण तिथियां CIPET ADMISSION TEST (CAT)		
	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की शुरुआत तिथि Date of opening for CAT Online application submission	07.02.2025
	ऑनलाइन आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि Date of closure for CAT application submission	29.05.2025
	सिपेट प्रवेश परीक्षा (CAT) की तिथि Date of CAT all over India	08.06.2025
	पाठ्यक्रम शुरू करने की तिथि Commencement of courses	14.07.2025

संपर्क सूत्र : 9466146015, 9066356322, 9896380485, 8950050008, 9888446869
विज्ञापन क्रमांक :–2025–26/04 www.cipet.gov.in निदेशक एवं प्रमुख

दिल्ली में किया जाएगा आईएलबीएस के केंद्रों का विस्तार : रेखा गुप्ता

खानपान, नींद व नियमित व्यायाम पर ध्यान देकर अपने स्वास्थ्य में देखा बहुत बड़ा बदलाव : शाह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

युवा अच्छे स्वास्थ्य के लिए दो घंटे शारीरिक व्यायाम और छह घंटे की नींद जरूर लें। यह अपील शनिवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विश्व यकृत दिवस पर दिल्ली के बसंत कुंज इलाके में स्थित यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान (आईएलबीएस) में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होकर अपने संबोधन में कही। इस अवसर पर दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता ने इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली भर में आईएलबीएस के केंद्रों का विस्तार किया जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में उन्होंने समुचित नींद, खान-पान पर ध्यान देकर तथा नियमित व्यायाम सुनिश्चित करके अपने स्वास्थ्य और कार्य करने की क्षमता में बहुत बड़ा बदलाव देखा है। उन्होंने अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि मई 2019 से अब तक मैंने अपने अंदर बहुत बड़ा बदलाव देखा है। सही मात्रा में नींद, शुद्ध पानी, भोजन और व्यायाम से मैंने जीवन में बहुत कुछ हासिल किया है। पिछले 4.5 वर्षों में मैं सभी एलोपैथिक दवाओं से मुक्त हो गया हूं। शाह ने कहा कि इससे उनकी काम करने, सोचने और निर्णय लेने की क्षमता में सुधार हुआ है। शाह ने आईएलबीएस में एकीकृत लिवर पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन किया और संस्थान में यकृत स्वास्थ्य विषय पर आयोजित 'कार्टून गैलरी' का अवलोकन भी किया। वहीं संस्थान के हेल्ड पहल की शुरूआत की। आईएलबीएस के स्वस्थ यकृत शिक्षा, शराब का दुरुपयोग और शराब से होने वाली यकृत रोग (हेल्ड) मिशन की प्रशंसा करते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि विशेष लिवर देखभाल तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली भर में आईएलबीएस केंद्रों का विस्तार करने की योजना की घोषणा की। उन्होंने भावुकतापूर्वक लिवर की तुलना एक मां से की-चुपचाप दर्द सहना और दूसरों को ठीक करना और अंग दान को एक सामाजिक गुण के रूप में बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता पर बल दिया। वहीं आईएलबीएस के निदेशक प्रो. एस.के. सरीन ने इस आंदोलन के लिए वैज्ञानिक मामले को मजबूत करते हुए कहा कि लिवर का स्वास्थ्य सार्वजनिक स्वास्थ्य से अलग नहीं है, यह इसके मूल में है।

फैटी लिवर मधुमेह, उच्च रक्तचाप और हृदय रोग से पहले होता है। हेल्ड भविष्य के लिए हमारा रोडमैप है, जहां रोकथाम को इलाज से अधिक प्राथमिकता दी जाती है। उन्होंने जीवनशैली शिक्षा के माध्यम से प्राथमिक रोकथाम की आवश्यकता पर जोर दिया, साथ ही पहले से ही प्रभावित लोगों के लिए उन्नत उपचार भी।

निगम ने दोहरे भुगतान के चार मामलों में शुरू की सतर्कता जांच

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने शाहदरा उत्तरी जोन में 9 लाख,14 हजार, 267 रुपये के संभावित दोहरे भुगतान के चार मामलों में सतर्कता जांच शुरू कर दी है। निगम के सतर्कता विभाग के वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि ई-ऑफिस पर अभिलेखों के डिजिटलीकरण और लीगल केस मॉनिटरिंग सिस्टम पोर्टल के कार्यान्वयन के दौरान, दिल्ली नगर निगम के वित्त विभाग को शाहदरा उत्तरी जोन के इंजीनियरिंग, एम-3 के एमटीएस कैडर संभावित दोहरे भुगतान के चार मामलों का पता लगा है। सभी चार मामलों में पर्याप्त दस्तावेजी साक्ष्य एकत्र किए गए हैं और उनका सत्यापन किया गया है। अधिकारी ने बताया कि पिछले 10 वर्षों में डबल पेमेंट के सभी संभावित मामलों की गहन जांच करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी किए गए हैं। वहीं इस मामले में, सतर्कता जांच रिपोर्ट के आधार पर भारतीय न्याय संहिता के तहत विभागीय और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। यह भी आशंका है कि सतर्कता जांच में शाहदरा उत्तरी जोन और अन्य जोन के विभागों में भी इसी तरह के मामले सामने आएंगे। निगम अब किसी न किसी रूप में गबन के ऐसे सभी मामलों का पता लगाने के लिए सतर्क है। निगम ऐसे कार्यों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति अपना रहा है।

मणिपुरी महिला ने की आत्महत्या

नई दिल्ली। मणिपुर की 20 वर्षीय एक युवती ने शनिवार सुबह सनलाइट कॉलोनी इलाके में एक इमारत की छत से कूदकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को सुबह करीब छह बजकर 22 मिनट पर घटना की जानकारी मिली। पुलिस महारानी पार्क के पास पहुंची और शव को कब्जे में लेकर मोर्चरी भिजवाया। मृतका की पहचान मणिपुर के बिष्णुपुर की रहने वाली प्रियलक्ष्मी देवी खांगेबाम के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार प्रियलक्ष्मी अपनी रूममेट के साथ किलोकरी में एक घर की तीसरी मंजिल पर रहती थी। वह अक्टूबर 2024 से दिल्ली में रह रही थी।

प्रदेश संगठन को मजबूत करने के लिए यादव ने की लोकसभा और जिला ऑब्जर्वरों को नियुक्ति

नई दिल्ली। लोकसभा और विधानसभा में बुरी तरह हार के बाद अब प्रदेश कांग्रेस संगठन को मजबूत करने के लिए हरकत में आई है। प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने पार्टी के फ्लैगशिप कार्यक्रम संगठन सृजन अभियान के तहत संगठन को पुनर्जीवित करने के लिए लोकसभा आब्र्जवर और जिला ऑब्जर्वरों की नियुक्ति की है। इस बारे में यादव ने स्पष्ट किया कि लोकसभा ऑब्र्जवर ब्लाक स्तर तक के स्थानीय कार्यकर्ताओं से मिलकर ब्लाक व जिला कांग्रेस समितियों की कार्यप्रणाली की समस्त जानकारी लेंगे। लोकसभा आब्र्जवर एक महीने के अंदर ब्लाक और जिला पर बूथ स्तर तक संगठन को कैसे मजबूत बनाना है इस पर अपनी रिपोर्ट प्रदेश कांग्रेस को देंगे। जबकि जिला ऑब्र्जवर पहले की भांति अपना कार्य करते रहेंगे। उन्होंने बताया कि संगठन कार्यकर्ता की बैठकें आयोजित करने, महीने भर की राजनीतिक गतिविधियों सहित, प्रदेश, जिला व ब्लॉक स्तर पर कैसे कार्यान्वित की जा सकती है, इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान देंगे। जिला आब्र्जवर प्रदेश स्तर, ब्लॉक स्तर और जिला स्तर पर होने वाली गतिविधियां और बैठकों के आयोजन को कार्यान्वित करने में अपना सहयोग देते रहेंगे।

गुरुद्वारा कमेटी ने लाल किला पर मनाया दिल्ली फतेह दिवस, दो दिन चलेगा समारोह

नई दिल्ली। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में शनिवार को लाल किला परिसर में दो दिवसीय दिल्ली फतेह कार्यक्रम की शुरुआत हुई। कार्यक्रम में सिख इतिहास की जीवंत झलक देखने को मिली। कमेटी की तरफ से बताया गया कि हर साल बाबा बघेल सिंह, बाबा जस्सा सिंह आहलूवालिया और बाबा जस्सा सिंह रामगढ़िया के नेतृत्व में 1783 में लाल किले पर खालसा सेना की ऐतिहासिक जीत और केसरी निशान साहिब को फहराने की याद को ताजा करने के लिए दिल्ली फतेह दिवस का आयोजन करती है। इस साल फतेह दिवस 19 और 20 अप्रैल को लाल किले पर मनाया जा रहा है। जिसमें पहले दिन शनिवार को शाम 7 बजे से देर रात तक कीर्तन समागम (भक्ति संगीत कार्यक्रम) आयोजित किया गया।

विधायक ने किया 'धन्यवाद नरेला' कार्यक्रम का आयोजन

नई दिल्ली। दिल्ली देहात के नरेला विधानसभा से चुनाव जीतने के बाद भाजपा विधायक राजकरण खत्री ने शनिवार को सिंघोला गांव के निकट माता मंशा देवी के प्रांगण में नरेला वासियों के लिए 'धन्यवाद नरेला' कार्यक्रम और भंडारे के आयोजन किया। कार्यक्रम से पहले विधायक ने माता मंशा देवी मंदिर में हवन किया और इसके बाद नरेला विधानसभा क्षेत्र से यहां पहुंचे आम से खास और गणमान्य लोगों का स्वागत किया तो वहीं, ग्रामीणों ने भी विधायक राजकरण खत्री का फूल मालाओं व नोटों की माला पहनाकर स्वागत किया। इस मौके पर विधायक राजकरण खत्री ने क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएं दी और कहा कि वह देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों का अनुसरण करते हुए दिल्ली को विकसित राजधानी बनाने में दिन रात कार्य करते हुए दिल्ली सरकार के नेतृत्व में ग्रामीण क्षेत्र का विकास करेंगे।

जेएनयू चुनाव प्रक्रिया में धांधली के आरोप

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित कर जेएनयू में चल रही छात्रसंघ चुनाव प्रक्रिया को लेकर गहरी चिंता व्यक्त की। एबीवीपी का स्पष्ट मानना है कि जेएनयू इलेक्शन कमिटी अब निष्पक्षता छोड़कर लेफ्ट संगठनों की 'टीम-बी' के रूप में कार्य कर रही है। जेएनयू छात्रसंघ चुनाव के नामांकन की अंतिम तिथि 15 अप्रैल निर्धारित थी और नामांकन वापस लेने की अंतिम तिथि 16 अप्रैल थी, लेकिन लेफ्ट संगठनों के दबाव में इलेक्शन कमिटी ने नाम वापसी की तिथि अलोकतांत्रिक रूप से 17 अप्रैल तक बढ़ा दी।

दिल्ली में दूसरे दिन हल्की बूंदाबांदी

नई दिल्ली। दिल्ली लगातार दूसरे दिन शनिवार को हल्की बूंदाबांदी दर्ज हुई, जबकि शुक्रवार को झमाझम बरसात देखने को मिली थी। बावजूद इसके राजधानी में गर्मी कम होने का नाम नहीं ले रही है। शनिवार को दिन में सूरज की तपिश में कोई कमी नहीं दिखी, यही कारण रहा कि अधिकतम तापमान 40 डिग्री पहुंच गया। जबकि कयास लगाए गए कि अच्छी बारिश के बाद तय है कि तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) ने बताया कि दिनभर सूरज चमकता रहा। हवाएं चली लेकिन अधिकतम तापमान 39.5 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जो सामान्य से 2.7 डिग्री अधिक है। वहीं न्यूनतम तापमान 25.8 दर्ज हुआ जो सामान्य से 4.2 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। यानी दिन के बाद अब रात भी गर्मी की चपेट में आ रही है। आईएमडी ने बताया कि रविवार से पारे में कुछ गिरावट देखने को मिल सकती है। अनुमान है अगले तीन चार दिन अधिकतम तापमान 37 डिग्री के करीब रह सकता है, यानी 2-3 डिग्री की गिरावट देखने को मिल सकती है।

गरीब और वंचित वर्ग को आत्मनिर्भर बनाकर, विकसित दिल्ली का लक्ष्य करेंगे पूरा : इंद्राज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार 'विकसित दिल्ली' संकल्प की दिशा में गरीब और वंचित वर्ग के लोगों को आत्मनिर्भर बनाने की योजनाओं पर काम कर रही है। 'सहकारिता से आत्मनिर्भरता' की दिशा में दिल्ली की हाउसिंग सोसायटी में स्व सहायता समूह के उत्पादों के स्टोर खोले जाएंगे। यह बातें समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह ने शनिवार का मोइरांग दिवस पर नेताजी सुभाष बोस आईएनए ट्रस्ट एवं फिक्की की ओर से आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कही। मंत्री इंद्राज ने कहा कि 14 अप्रैल 1944 को नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नेतृत्व में आजाद हिंद फौज ने मणिपुर के मोइरांग में पहली बार स्वतंत्र भारत का तिरंगा फहराया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के लिए अपना सर्वस्व बलिदान करने वाले महापुरुषों को सम्मान देने और उनके संदेशों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का काम लगातार हो रहा है। केंद्र सरकार ने नेताजी की स्मृति में इंडिया गेट के नजदीक भव्य प्रतिमा स्थापित की है, लाल किला में संग्रहालय बनवाया है और अंडमान निकोबार में आइलैंड का नाम नेताजी के नाम पर रखकर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मंत्री इन्द्राज ने कहा कि हाल ही में दिल्ली सरकार ने बाबा साहब भीमराव आंबेडकर का जयंती सप्ताह मनाया गया। नेताजी सुभाष चंद्र बोस और बाबा साहब जैसे महापुरुषों का सपना था कि गरीब और वंचित वर्ग के लोग मुख्यधारा में अहम योगदान दें और आत्मनिर्भर बनें। मोदी के नेतृत्व में यह सपना साकार हो रहा है।

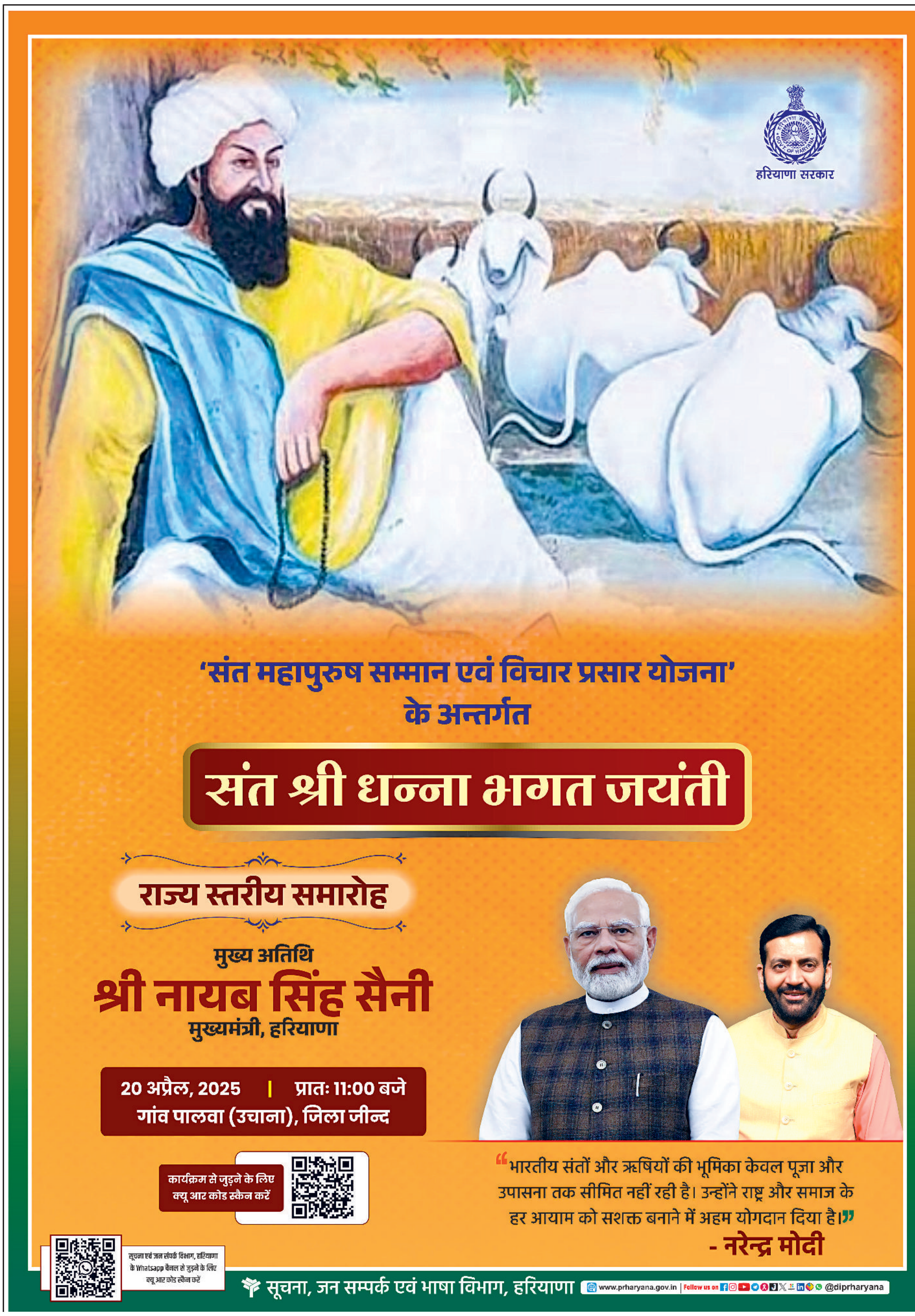

खबर संक्षेप

चोरी की मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच एनआईटी की टीम ने आरोपी राकेश को चोरी की मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है। मनोज कुमार निवासी पर्वतीय कालोनी ने पुलिस चौकी पर्वतीय कालोनी में दी अपनी शिकायत में बताया कि 26 अप्रेल 2023 रात के समय उसके घर के बाहर खड़ी मोटरसाइकिल को कोई चोरी करके ले गया। आरोपी राकेश निवासी समस्तीपुर बिहार हाल बाईपास रोड सेक्टर-3 से मोटरसाइकिल सहित गिरफ्तार किया है।

अलग-अलग मामलों में चार आरोपी पकड़ाए

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच की टीमों ने 4 आरोपियों को 3 देसी कट्टा, 1 देसी पिस्तोल व 2 कारतूस सहित गिरफ्तार किया हैं। 18 अप्रैल को क्राइम ब्रांच सेन्ट्रल की टीम ने रोहित निवासी गांव मुझेडी बल्लभगढ़ को एक देसी पिस्तोल व 1 कारतूस के साथ प्वाइंट सेक्टर 68 से, क्राइम ब्रांच सेक्टर-85 की टीम ने झुग्गी को नया पल्ला पुल एरिया से एक देसी कट्टा ब्रांच डीएलएफ की टीम ने मनोज निवासी डबुआ कालोनी को देसी कट्टा सहित पकड़ा गया।

ठगी के मामले में आरोपी धराया

फरीदाबाद। शेयर मार्केट में निवेश करा ठगी करने के मामले में खाता और सिम उपलब्ध करवाने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। साइबर थाना सेंट्रल में सेक्टर-19 निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि ठगों द्वारा उसे 182 स्टॉक मार्केट वेल्थ क्रिएशन ग्रुप नाम के एक वाट्सएप ग्रुप से जोड़ा गया। जहां स्टॉक और ट्रेडिंग को बारे में जानकारी सांझा की जाती थी।

आजाद हिंद फौज के कर्नल मलिक ने मोइरंग में भारतीय तिरंगा फहराया था

मोइरंग दिवस पर नेताजी सुभाष चंद्र बोस को दी श्रद्धांजलि

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

नेताजी सुभाष चंद्र बोस की 129वीं जयंती पर आईएनए ट्रस्ट ने मोइरंग दिवस को श्रद्धापूर्वक एवं गरिमापूर्ण ढंग से फिक्की भवन में मनाया। मोइरंग दिवस भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का एक गौरवशाली अध्याय है, जब 14 अप्रैल 1944 को आजाद हिंद फौज के कर्नल शौकत मलिक ने मणिपुर के मोइरंग में भारतीय तिरंगा फहराया था। यह वह ऐतिहासिक क्षण था जब नेताजी द्वारा स्थापित आजाद हिंद सरकार ने पहली बार स्वतंत्र भारतीय भूभाग पर शासन का अधिकार स्थापित किया था।

राज्यमंत्री साहू ने कहा- भारत केवल आजाद नहीं आत्मनिर्भर और सशक्त होना चाहिए

इस कार्यक्रम में टोकन साहू, राज्य मंत्री, आवास एवं शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार (मुख्य अतिथि), रविंद्र इंद्राज सिंह, कैबिनेट मंत्री, दिल्ली सरकार (सामाजिक कल्याण, अनुसूचित जाति/जनजाति कल्याण एवं सहकारी चुनाव), तथा कुंवर शेखर विजेंद्र, कुलाधिपति, शोभित विश्वविद्यालय एवं चेयरमेन, एसोचैम राष्ट्रीय शिक्षा परिषद की विशिष्ट अतिथियों के रूप में उपस्थिति रही। समारोह में रविंद्र इंद्राज सिंह ने कहा कि नेताजी की संघर्षगाथा केवल राजनीतिक स्वतंत्रता की नहीं थी, बल्कि सामाजिक न्याय और आत्मसम्मान की भी थी। मोइरंग केवल सैन्य विजय नहीं था, वह नैतिक घोषणा थी कि भारतवासी स्वयं शासन करने में सक्षम हैं। आज हमारी समावेशी नीतियाँ उसी चेतना को जीवित रखने का प्रयास हैं। मुख्य अतिथि टोकन साहू ने कहा, नेताजी का भारत केवल आजाद नहीं, आत्मनिर्भर और सशक्त होना चाहिए। हमारी शहरी विकास योजनाएं चाहे वह स्मार्ट शहर हों या किफायती आवास उसी आत्मनिर्भर भारत की दिशा में कदम हैं जिसे नेताजी ने देखा था।

मोइरंग केवल एक रणभूमि नहीं, भारत की आत्मा का उद्घोष था

वहीं कुंवर शेखर विजेंद्र ने मोइरंग को एक नागरिक पुनर्जागरण का क्षण बताते हुए कहा कि मोइरंग केवल एक रणभूमि नहीं थी। वह भारत की आत्मा का उद्घोष था। नेताजी ने स्वतंत्रता को अनुग्रह नहीं, बल्कि धर्म और जन्मसिद्ध अधिकार के रूप में प्राप्त किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह माध्यम है जिसके द्वारा नेताजी की विरासत को अगली पीढ़ी तक पहुँचाया जा सकता है। हमें अपने युवाओं को यह सिखाना चाहिए कि स्वतंत्रता कोई उपहार नहीं थी। वह तप, त्याग और रणनीति का परिणाम थी। उन्होंने नेताजी के विचारों को नीति निर्माण, प्रशासनिक प्रशिक्षण और नेतृत्व विकास में पुनः शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। आईएनए ट्रस्ट के अध्यक्ष ब्रिगेडियर आरएस छिकारा ने कहा कि नेताजी का जीवन अतीत नहीं, बल्कि भविष्य का मार्गदर्शन है। राष्ट्रीय आईएनए स्मारक, नेताजी सुभाष मिलिट्री स्कूलों और युवाओं के लिए देशभक्ति कार्यक्रमों के माध्यम से हम उनके विचारों को जीवंत रखने के लिए कटिबद्ध हैं।

एडिशनल कमिश्नर पाटिल बोले- सभी के वेतन से काटे जाएंगे पांच-पांच हजार रुपए

प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित कार्य में बरती लापरवाही 1 जेडटीओ, 4 इंस्पेक्टर, 10 क्लर्क पर हुई कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद\

हरियाणा सरकार के दिशा निर्देशों के अनुसार अपने कर्तव्य का पालन ना करने और प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित कार्य में लापरवाही बरतने और लोगों को कार्यालय के चक्कर कटवाने पर नगर निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास के दिशा निर्देशों पर नगर निगम फरीदाबाद के एक जेडटीओ, 4 इंस्पेक्टर और 10 क्लर्क पर विभागीय कार्रवाई करते हुए सभी के मासिक वेतन से पांच-पांच हजार रुपए काटने के निर्देश दिए गए हैं। निगम के एडिशनल कमिश्नर स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने जानकारी दी है कि हाल ही में समीक्षा के दौरान पाया गया है कि प्रॉपर्टी आईडी का कार्य करने वाले निगम के कुछ निगम के कर्मचारी सरकारी दिशा निर्देशों अनुसार कार्य न करते हुए लापरवाही कर रहे हैं।

संबंधित कार्य को बेहतर ढंग से करने की दी हिदायत

पाटिल ने बताया कि कर्मचारी अपने कार्य के प्रति गंभीर नहीं है इसलिए यह कार्रवाई की गई है। उन्होंने बताया कि शहरवासियों को प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित कार्यों के लिए निगम कार्यालय के बार-बार चक्कर कटवाना और उन्हें परेशान करने के इस मामले में उपरोक्त कार्रवाई की गई है उन्होंने हिदायत दी है कि भविष्य में भी सभी अधिकारी और कर्मचारी नगर निगम से संबंधित अथवा प्रॉपर्टी आईडी से संबंधित कार्य को बेहतर ढंग से करें अन्यथा अन्य विभागीय कार्रवाई के लिए भी तैयार रहे। उपरोक्त कार्रवाई जेड़टीओ दीपा, निरीक्षक रामकिशन, निरीक्षक मीनाक्षी, निरीक्षक पंकज, निरीक्षक अनूप के अलावा क्लर्क रवि, क्लर्क अमन, क्लर्क नरेंद्र, क्लर्क तुषार मित्तल, मनजीत क्लर्क, महेश क्लर्क, क्लर्क मोनू, क्लर्क सत्येंद्र और क्लर्क जिले सिंह पर यह कार्रवाई की गई है। उपरोक्त मामले में वेतन से यह राशि को काटने के लिए वित्तीय नियंत्रक नगर निगम फरीदाबाद को चिट्ठी जारी कर दी गई है।

हार्डवेयर-प्याली रोड पर डबुआ मंडी की तरफ से आ रहे अप्रोच रोड के गड्ढों भरने का कार्य शुरू

फरीदाबाद। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के आदेशों की अनुपालन फरीदाबाद नगर निगम द्वारा शुरू की जा चुकी है। नगर निगम के कार्यकारी अभियंता पदम भूषण ने जानकारी देते हुए बताया कि निगम कमिश्नर ए मोना श्रीनिवास के दिशा निर्देशों अनुसार शहर की सड़कों में दिखाई देने वाले गड्ढों को भरने का काम शुरू कर दिया है। एनआईटी क्षेत्र में भी सड़कों में दिखाई दे रहे गड्ढों को भरा जा रहा है, हार्डवेयर-प्याली रोड पर डबुआ मंडी की तरफ से आ रहे अप्रोच रोड से गड्ढों को भरे जाने का कार्य शुरू हो गया है। इससे पूर्व भी बल्लभगढ़ में सड़कों की मरम्मत का कार्य शुरू हो चुका था और वह भी जारी है। निगम कमिश्नर ए मोना श्री निवास के मार्गदर्शन में नगर निगम की इंजीनियरिंग ब्रांच सडक़ के गड्ढों को जल्द से जल्द भरवाने के लिए प्रयासरत है।

पूछताछ के लिए रिमांड पर लिया

पैसे व फोन छीनने के मामले में पुलिस ने आरोपी को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

ऑटो में बैठाकर जबरन पैसे व फोन छीनने के मामले मे क्राइम ब्रांच उंचा गांव की टीम ने आरोपी अमन खान को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बतलाया कि उपेंद्र सिंह निवासी संजय कालोनी सेक्टर 23 ने थाना सेक्टर 8 में दी अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि वह सेक्टर 12 मे एक क्लब में वेटर की नौकरी करता है, 5 अप्रैल की रात को 12 बजे अपनी शिफ्ट खत्म करके उसने अपने घर संजय कालोनी जाने के लिए बाटा चौक से ऑटो पकड़ा था ऑटो में पहले से ही दो व्यक्ति बैठे हुए थे तथा पुल के नजदीक पहुंचने पर उनमे से एक व्यक्ति ने उसके गले पर पेचकश रखकर फोन व पैसे छीन लिए तथा ऑटो में ही बैठाकर पलवल ले गए, जिसके बाद उसके क्रेडिट कार्ड को एटीएम में डाल 20000 रुपए निकलवा लिए तथा उसे अलावलपुर चौक फ्लाईओवर पलवल पर नीचे उतारकर भाग गए। जिस संबंध में थाना सेक्टर 8 में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। उन्होंने आगे बताया कि क्राइम ब्रांच उंचा गांव की टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी अमन खान निवासी फकीर मोहल्ला गांव तिगांव को बाईपास रोड सेक्टर-3 से गिरफ्तार किया है।

आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह ऑटो ड्राइवर है, वारदात की रात आरोपी अपने अन्य साथियों के साथ ऑटो मे बैठे थे। तीनों ने मिलकर वारदात को अंजाम देने की प्लानिंग की। शिकायतकर्ता को ऑटो में बिठाकर वारदात को अंजाम दिया और वारदात के बाद उसको पलवल में छोड़ दिया। आरोपी से शिकायतकर्ता का छीना हुआ फोन बरामद हुआ है। अन्य आरोपियों की तलाश क्राइम ब्रांच द्वारा कि जा रही है। आरोपी से अधिक पूछताछ के लिए अदालत में पेश कर 3 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

कंपनी सुपवाइजर को पीटने के तीन और आरोपियों को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

कंपनी सुपवाइजर को पीटने के मामले में थाना सेंट्रल की टीम ने 3 आरोपियों को काबू किया है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि मूलचंद निवासी गांव अटाली, एस्कोर्ट कंपनी में सुपवाइजर के पद पर है उसने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि 11-12 अप्रैल की रात को जब वह डयूटी करके घर जाने के लिए निकला तो कंपनी के गेट पर ही कुछ कर्मचारियों ने उसे रोक लिया। जिनके हाथ में लाठी-डंडे, सरिया और कुल्हाड़ी थी। जहां पर उन्होंने उसके साथ मार पिटाई की। जिसकी शिकायत थाना सैंट्रल में संबंधित धाराओं में मामला दर्ज किया गया। उन्होने अधिक जानकारी देते हुए बताया कि थाना सैंट्रल की टीम ने आरोपी कमल निवासी गांव मिर्जापुर जिला उन्नाव हाल सेक्टर-4, प्रकाश निवासी गांव सलेमपुर जिला सिवान बिहार हाल सेक्टर-8 व शिवम निवासी गांव सिही को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में सामने आया कि तीनों आरोपी एस्कोर्ट कम्पनी में काम करते थे और उनकी काफी बार सुपरवाइजर से काम को लेकर बहस हो चुकी थी। जिसकी रंजिश रखते हुए तीनों ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसको पीटने की योजना बनाकर पीटा था।

सरकारी जमीन पर निर्माण को लेकर हुआ विवाद

बारातघर को लेकर दो पक्षों में पथराव, एक युवक घायल

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

शनिवार सुबह बारात घर निर्माण को लेकर मुस्लिम समाज के दो पक्षों में झड़प हो गई। दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव हुआ, जिसमें एक युवक घायल हो गया। इस घटना का वीडियो भी सामने आया है। मामला गोच्छी गांव का है।

पीड़ित पक्ष के बल्लन खान ने बताया कि तालाब के पास की सरकारी जमीन पर बारातघर बनाने की योजना थी। इसके लिए वार्ड नंबर-1 के पार्षद मुकेश डागर जेई के साथ जमीन की पैमाइश करने पहुंचे थे। दूसरा पक्ष इस निर्माण का विरोध कर रहा था। विरोध का कारण था कि उनके मकान का गेट इसी जमीन की तरफ खुलता है और वे इस जमीन का उपयोग कर रहे थे।

शिकायत मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी

शनिवार सुबह विरोधी पक्ष के लोग बल्लन खान के घर पहुंचे और गाली-गलौज करने लगे। उन्होंने आरोप लगाया कि बारातघर उनके कहने पर बनाया जा रहा है। बल्लन खान ने स्पष्ट किया कि यह सरकारी जमीन है और सरकार इसका निर्माण करवा रही है। शुरुआत में आसपास के लोगों ने दोनों पक्षों को समझा-बुझाकर अलग कर दिया। लेकिन कुछ देर बाद विरोधी पक्ष ने पथराव शुरू कर दिया। जिसके बाद दूसरे पक्ष ने भी पत्थर फेंके। इस दौरान बल्लन खान के बेटे भोलू के सिर पर पत्थर लगा और वह लहूलुहान होकर बेहोश हो गया। घायल युवक को बादशाह खान सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी थी इसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची थी। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

बंगाल में हो रही घटनाओं को लेकर विश्व हिंदू परिषद ने उपायुक्त को सौंपा ज्ञापन

फरीदाबाद। विश्व हिंदू परिषद फरीदाबाद की तरफ से मुर्शिदाबाद में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार एवं पलायन को रोकने तथा पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने का ज्ञापन डिप्टी कमिश्नर फरीदाबाद को दिया। सभी पदाधिकारी सैक्टर-12 स्थित स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स पर एकत्र हुए और वहां से चलकर डीसी ऑफिस तक एक जुलूस की शक्ल में गए। ज्ञापन देने वालों में प्रेमचंद गोयल विभाग अध्यक्ष, कालिदास गर्ग प्रांत कार्यकारणी, रास बिहारी जी, गुलशन सिंघल, राजकुमार मदान, दिनेश बरेजा, हरगोविंद त्यागी, यशपाल भागरी, ओम प्रकाश यादव, सत्यदेव पराशर, संजय अरोड़ा, अशोक, सुरेंद्र कटारिया, सुनील, राम किशोर त्यागी एवं अनेक धार्मिक व सामाजिक संस्थाओं के कार्यकर्ताओं शामिल थे।

आरोपियों को 4 दिन की पुलिस रिमांड पर लिया

टेलीग्राम टास्क के जरिए पैसे कमाने का लालच दिया, ठगी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

टेलीग्राम टास्क के जरिये पैसे कमाने का लालच देकर ठगी करने के 2 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। सेक्टर-17 फरीदाबाद निवासी एक व्यक्ति ने साइबर थाना सैंट्रल में दी शिकायत में आरोप लगाया कि टेलिग्राम के माध्यम से उसका सम्पर्क ठगों से हुआ था। जिन्होंने उसे टास्क पूरा कर पैसे कमाने के बारे में बताया। फिर ठगों ने उसे हर टास्क के बदले पहले पैसे भेजने बारे कहा और शिकायतकर्ता ने लालच में आकर ठगों के खाता में विभिन्न ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 1,04,020 रुपए भेजे। जब ठगों ने बार बार शिकायतकर्ता से पैसे की डिमांड तो अहसास हुआ कि उसके साथ फ्रॉड हुआ है। जिस शिकायत पर साइबर थाना सेंट्रल में संबंधित धाराओं के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि साइबर थाना सेंट्रल ने कार्रवाई करते हुए आरोपी विकास निवासी गांव विष्णु व रामप्रकाश वासी गांव कानावासिया जिला जोधपुर राजस्थान को जोधपुर से गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि विकाश खाताधारक है जिसका खाता रामप्रकाश ने लेकर आगे ठगों को दिया था। विकाश जोधपुर में गाडी चलाने का काम करता है तथा रामप्रकाश दारू के ठेके पर सेल्समेन का काम करता है। आरोपी विकाश से मोबाइल फोन व खाता में प्रयोग की गई सिम को बरामद किया गया है। विकाश को पुछताछ के बाद जेल भेजा गया तथा वहीं रामप्रकाश को अधिक जानकारी के लिए 4 दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

अस्पताल में एडमिट एयर होस्टेस से यौन उत्पीड़न करने के आरोपी ने कबूला गुनाह

बरामद किए गए मोबाइल से सर्च हिस्ट्री से हुई पुष्ट आरोपी को भेजा जेल

पोर्न वीडियो देखने के बाद किया था एयर होस्टेस का यौन-उत्पीड़न

गुरुग्राम, ⏭ (धर्मेंद्र कौशिक)

मेदांता हॉस्पिटल में एडमिट एयर होस्टेस के साथ यौन उत्पीड़न करने से पहले आरोपी ने पोर्न वीडियो देखी थी। आरोपी आदतन पोर्न वीडियो देखा करता था। उससे बरामद किए गए मोबाइल फोन की सर्च हिस्ट्री से इसकी पुष्टि हुई है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार किए गए आरोपी ने यौन उत्पीड़न करने के मामले में अपना गुनाह कबूल कर लिया। वहीं पुलिस ने शनिवार को आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मामला इस प्रकार है

एक एयरलाइंस कंपनी की एयर होस्टेस ने बीती 14 अप्रैल को लीगल एडवाइजर की उपस्थिति में सदर थाना पुलिस में दी शिकायत में बताया था कि वह कंपनी की तरफ से गुरुग्राम में ट्रेनिंग के लिए आई हुई थी। पानी में डूबने से तबीयत खराब होने पर उसे मेदांता अस्पताल में एक सप्ताह इलाज कराना पड़ा था। गत 13 अप्रैल को उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया। एयर होस्टेस का आरोप है कि इलाज के दौरान 6 अप्रैल को वह वेंटीलेटर पर थी तो हॉस्पिटल के मेल स्टाफ ने उसके साथ यौन उत्पीड़न किया था। महिला की शिकायत के बाद पुलिस कमिश्नरी में हड़कंप मच गया और मामले में डीसीपी हेडक्वार्टर डॉ. अर्पित जैन की सुपरविजन में एसआईटी गठित की गई। आठ पुलिस टीमों ने जांच करते हुए अस्पताल में लगे 800 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चैक की थी। अस्पताल के स्टॉफ के 60 कर्मचारियों से पूछताछ की गई, जिसके बाद यौन-उत्पीड़न की वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

निजी संस्थान से की थी बीएससी

आरोपी ने पुलिस पूछताछ में बताया कि उसने वर्ष 2019-2022 के दौरान एक निजी संस्थान से बीएससी (ओटी) की डिग्री की थी। यह पढ़ाई में एक औसत छात्र था। पिछले पांच महीनों से हॉस्पिटल में आईसीयू में उपचार मशीन टेक्नीशियन के पद पर कार्य कर रहा है। आरोपी ने वारदात को अंजाम देना कबूल किया है और घटना के समय पीड़ित के पास जाने की पुष्टि अस्पताल में लगे सीसीटीवी कैमरों से हुई है। साथ ही आरोपी ने पूछताछ में बताया कि वह पॉर्न वीडियो देखने का आदि है। इसने वारदात से पहले और वारदात को अंजाम देने के बाद भी पॉर्न वीडियो देखी थी। जिसकी पुष्टि आरोपी के मोबाइल फोन की सर्च हिस्ट्री से भी हो रही है।

95 लाख की ठगी के मामले में खाताधारक पकड़ाया

फरीदाबाद। क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर बनकर डिजिटल अरेस्ट कर 95 लाख रुपए की ठगी करने के मामले में आरोपी खाताधारक को साईबर थाना सेंट्रल टीम ने गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर-17 फरीदाबाद में रहने वाले एक व्यक्ति ने साइबर थाना सैंट्रल में शिकायत दी, जिसमें आरोप लगाया कि 3 जनवरी को उसके पास कॉल आया और उसको कहा गया कि उसका खाता मनी लांडरिंग के लिए प्रयोग किया गया है। इसके बाद कॉल को कथित क्राइम ब्रांच इंस्पेक्टर के पास ट्रांसफर किया गया। जिसने शिकायतकर्ता को अरेस्ट वारंट दिखा कर 10 दिन तक डिजिटल अरेस्ट किया गया और इस दौरान शिकायतकर्ता की सारी निजी और सभी अकांउट की जानकारी ली गई। ठगों ने कहा गया कि अगर वह केस की गोपनीयता को भंग करता है तो जिन अपराधियों से उसका नाम जुड़ा है।

लाठी-डंडों से पीटकर कोमा में भेजा

प्रेमी का दूल्हे पर जानलेवा हमला होने वाली दुल्हन ने भेजी फोटो

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

एक युवती ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर होने वाले पति पर जानलेवा हमला करवा दिया। घटना आईएमटी इलाके की है। मामले की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है। जानकारी के अनुसार पीड़ित युवक गौरव की शादी 19 अप्रैल को होनी थी। 15 अप्रैल को उसकी लग्न सगाई हुई थी। शादी से दो दिन पहले होने वाली दुल्हन ने अपने प्रेमी को गौरव की फोटो और पता भेज दिया। इसके बाद प्रेमी गौरव नागर ने अपने 4 साथियों के साथ मिलकर युवक पर हमला कर दिया। हमलावरों ने लाठी-डंडों से पीड़ित के हाथ-पैर तोड़ दिए।

आसपास मौजूद लोगों ने घायल गौरव को निजी अस्पताल में भर्ती कराया, वह अभी कोमा में है। पीड़ित के परिवार ने बताया कि आरोपी प्रेमी तिगांव गांव का रहने वाला है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत पर दो नामजद समेत 5 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों में प्रेमी गौरव नागर, उसका साथी सोनू और तीन अन्य शामिल हैं। पुलिस सभी आरोपियों की तलाश कर रही है। करीब 1 महीने पहले भी पीड़ित को सौरव को जान से मारने की धमकी दे चुका था।

लेकिन अब जब 15 अप्रैल को गौरव और प्रिया की सगाई हो चुकी थी और 19 अप्रैल को शादी होनी थी। परिजनों के मुताबिक प्रिया उत्तरप्रदेश के बहादुरपुर की रहने वाली थी और वही बारात जानी थी, लेकिन शादी से 2 दिन पहले अपने प्रेमी के साथ षड्यंत्र रच कर उसने वारदात को अंजाम दिया है। घायल युवक गौरव ने उन्हें बेहोश होने से पहले आरोपियों सौरव नागर, सोनू और अन्य 3 अज्ञात युवकों द्वारा हमले के बारे में और प्रिया द्वारा दी गई तस्वीर और पते के बारे में बताया था। पीड़ित युवक के मुताबिक जाने से पहले आरोपियों ने उसके गले से सोने की चैन और अंगूठी भी अपनी बताते हुए छीन ली।

खबर संक्षेप

खरगे के बिहार दौरे के कार्यक्रम में बदलाव

पटना। बिहार दौरे पर 20 अप्रैल को आ रहे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के कार्यक्रम में बदलाव हुआ है। उनके पटना आने का कार्यक्रम रद्द हो गया है। मीडिया विभाग के प्रमुख राजेश राठौड़ ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष का बक्सर में 20 अप्रैल को कार्यक्रम है। इससे पहले बक्सर के दलसागर मैदान में आयोजित 'जय बापू-जय भीम-जय संविधान' कार्यक्रम में शामिल होने और फिर पटना आने जानकारी थी।

साल में 52 जुमे,होली 1 बार बयान पर आरोप खारिज

मुरादाबाद। साल में 52 जुमे और होली एक बार... वाला बयान देने वाले संभल के सीओ अनुज चौधरी को इस मामले की जांच बाद क्लीन चिट मिल गई है। पूर्व आईपीएस एवं आजाद अधिकार सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमिताभ ठाकुर ने बयान को पुलिस सेवा नियमावलियों का उल्लंघन बताया था। शासन स्तर पर शिकायत की थी। आला अफसरों की जांच में शिकायत सही नहीं पाई गई।

देवरिया को जल्द मिलेगी दो नई रेल लाइन

देवरिया। जिले के गौरीबाजार पश्चिमी आउटर से लेकर बनकटा पूर्वी आउटर तक लगभग 60 किलोमीटर तक तीसरी रेल लाइन के साथ चौथी रेल लाइन बनाने की तैयारी में विभाग लगा हुआ है।इसके लिए सदर व भटनी रेल पथ निरीक्षक से भूमि के बारे में जानकारी मांगी गई है, जिससे आने वाले दिनों में एक साथ दो और रेल लाइन बिछाई जा सके। अभी तक जिले में दो रेलवे ट्रैक है, जिससे ट्रेनों का संचालन किया जाता है।

रांची में भारतीय वायुसेना का अद्भुत एयर शो

रांचीवासियों ने शनिवार की सुबह आसमान में भारतीय वायु सेना के फाइटर पायलटों की जांबाजी देखी। उनके शौर्य और पराक्रम का हर कोई गवाह बना। इस दौरान एयफोर्स के पायलटों ने आसमान में कई फीट ऊपर करतब दिखाए।

सूर्यकिरण एरोबैटिक्स टीम ने किया रोमांचक प्रदर्शन

एक घंटे तक हैरतअंग्रेज करतब दिखाकर दर्शकों को रोमांचित किया

एजेंसी ▶▶ रांची

झारखंड की राजधानी रांची में पहली बार भारतीय वायुसेना ने अपना दमखम दिखाया। शनिवार को नामकुम के खोजाटोली स्थित आर्मी ग्राउंड में सूर्यकिरण एरोबैटिक्स टीमने हैरतअंगेज एयर शो किया। वायुसेना के पायलटों ने हॉक विमानों से एक घंटे तक आसमान में करतब दिखाए। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और एयर चीफ मार्शल एपी सिंह इस कार्यक्रम में मौजूद थे। रविवार को भी यह शानदार आयोजन जारी रहेगा।

रांची में शनिवार को लोग भारतीय वायुसेना के शौर्य के गवाह बने। नामकुम के खोजाटोली स्थित आर्मी ग्राउंड में वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबैटिक्स टीम ने शानदार प्रदर्शन किया। हॉक विमानों से पायलटों ने एक घंटे तक दर्शकों को रोमांचित किया। आसमान में अद्भुत करतब देखकर लोग मंत्रमुग्ध हो गए। कार्यक्रम की शुरुआत रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने की। रांची के डीसी मंजूनाथ भजन्त्री, एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा और कई बड़े अधिकारी भी वहां मौजूद थे। एयर शो को दो भागों में बांटा गया था। पहले भाग में 9 हॉक विमान एक साथ, केवल 5 मीटर की दूरी पर उड़ते हुए अलग-अलग आकार बनाते दिखे. यह नजारा देखने लायक था।

लूप-डीएनए मनोहर और क्रॉस जैसे खतरनाक फॉर्मेशन

दूसरे भाग में विमानों ने अलग-अलग दिशाओं से उड़ान भरी। उन्होंने लूप, डीएनए मनोहर और क्रॉस जैसे खतरनाक फॉर्मेशन दिखाए। सबसे खास पल वह था जब पायलटों ने फॉग का इस्तेमाल करके आसमान में तिरंगा बनाया। यह देखकर लोग खुशी से झूम उठे।

टीम के सदस्यों ने छह महीने कड़ी मेहनत की

पायलट अजय दशरथी, जशदीप सिंह, कुलदीप हुड्डा, सिद्धेश कार्तिक, विष्णु, अंकित वशिष्ठ, गौरव पटेल, अर्जुन पटेल और दिवाकर शर्मा ने इस शो को सफल बनाया। उन्होंने छह महीने तक कड़ी मेहनत की, तब जाकर यह शानदार प्रदर्शन कर पाए।

गोरखपुर में सीएम योगी ने कहा- षडयंत्र रचने वालों से बचें

सपा-कांग्रेस दलितों की दुश्मन, इनके नेता बाबर-औरंगजेब का करते हैं गुणगान

एजेंसी ▶▶ गोरखपुर

गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी ने डॉ भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में कहा कि एक्पोज होने के डर से विपक्ष जाति के नाम पर लड़ाना चाहता है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत में ही हर जाति और समुदाय का हित है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भीमराव आंबेडकर ने अभाव अपमान में अपना रास्ता बनाकर सामाजिक बंधनों को तोड़ते हुए सम्मान दिलाया। विपक्ष के लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ाना चाहते हैं। इसके लिए महापुरुषों के नाम का इस्तेमाल कर रहे हैं।

भारत ने संविधान निर्माण के साथ ही 1952 में अनुसूचित जाति जनजाति अति पिछड़ी जाति और महिलाओं को मत देने का अधिकार दिया। यह बाबा साहेब के कारण ही हो पाया। सीएम डॉ. भीमराव आंबेडकर सम्मान अभियान के तहत आयोजित संगोष्ठी में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

सीएम ने कहा आखिर वो कौन से कारण थे जिनके कारण बाबा साहेब पीड़ित थे। बाबा साहेब ने संविधान तैयार किया, लेकिन कांग्रेस ने उसमें संशोधन किए। इससे बाबा साहेब परेशान हुए। कांग्रेस उनको संविधान सभा में नहीं भेजना चाहती थी। लेकिन उनकी लोकप्रियता के कारण उन्हें शामिल किया गया और ड्राफ्टिंग कमेटी के अध्यक्ष बने। लेकिन बाबा साहेब ने ऐसा संविधान दिया जो भारत को दुनिया में सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में स्थापित करता है।

खास बातें

- 65 वर्षों में बाबा साहब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया
- पीएम स्वामित्व योजना में यूपी में एक करोड़ लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित

कांग्रेस ने 1952 के आम चुनाव में बाबा साहब को हरवाया था

कांग्रेस ने तो 1952 के पहले आम चुनाव में बाबा साहब को हरवाया था। उनके 78 हजार वोट को रद्द करवा दिया। 1954 के उपचुनाव में कांग्रेस ने बाबा साहब के निजी सचिव को तोड़कर चुनाव लड़वा दिया। इसमें भी वह हार गए। आज कांग्रेस के नेतृत्व करने वाले राहुल गांधी को संविधान की प्रति लेकर घूमता देखता हु तो लगता है यही कांग्रेस थी जो उनका विरोध करती थी। अपने 65 वर्षों में बाबा साहब ने जो कर दिया वो और कोई नहीं कर पाया। कांग्रेस ने ज्यादातर समय यूपी और देश में शासन किया लेकिन एक भी स्मारक नहीं बनाया।

वोट बैंक के लिए करते इस्तेमाल

सीएम योगी ने कहा कि ये लोग केवल वोट बैंक के रूप में अनुसूचित जाति को इस्तेमाल करना चाहते हैं। इन्होंने चार बार के शासन के गरीबों को मकान और राशन तक नहीं दिलवाया। अनुसूचित जाति को छात्रवृत्ति रोक दी। ये कार्य करते थे कि विकास हो लेकिन मेरा हो परिवार का हो। परिवार के आगे नहीं निकल पाए। आज ये लोग एक्पोज न हो इसके लिए जाति के नाम पर फिर से लड़ना चाहते है।

जिन्ना का महिमामंडन कर रही सपा

महर्षि वाल्मीकि की जन्मस्थली लालापुर का विकास सपा ने रोक दिया। इंडी गठबंधन के तहत आने वाले दल गुमराह कर रहे थे। ये जातीय संघर्ष करवाना चाहते हैं। सपा का एक संसद महाराणा सांगा का अपमान करता है। जिन्ना का महिमामंडन समाजवादी पार्टी कर रही है। सबका साथ सबका विकास अभियान को आगे नहीं बढ़ने देना चाहती। समाज को जाति आधार पर बांटने नहीं देना है।

बाबा साहब के आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा

बाबा साहब के नाम पर भाषण देने वाले अनेक आएंगे लेकिन उनके आदर्शों पर चलने वाली केवल भाजपा है। उन्होंने कहा था अपने अनुयायियों से की शिक्षित बनो, अन्याय के खिलाफ संगठित रहो। हैदराबाद में हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा था लेकिन बाबा साहेब ने पत्र लिख कहा था कि निजाम के सामने झुकना नहीं, किसी भी हाल में इस्लाम को न स्वीकारना।

लोग भूख से मरते थे कोई ध्यान नहीं देता था

कुशीनगर में मुसहर जाति के लोग भूख से मरते थे, कोई ध्यान नहीं देता था। पीएम स्वामित्व योजना में यूपी में एक करोड़ लोगों को जमीन के पट्टे आवंटित कर दिए। ये काम सपा, बसपा और कांग्रेस ने क्यों नहीं किया।

सांसद रामजीलाल सुमन से मिले अखिलेश, बोले-

जिसने सपा सांसद के घर किया हमला, वो करणी नहीं योगी सेना

एजेंसी ▶▶ आगरा

राणा सांगा पर राज्यसभा में दिए बयान के बाद छिड़े सियासी घमासान के बीच शनिवार को सपा मुखिया एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव राज्यसभा सांसद रामजीलाल सुमन से मिलने संजय प्लेस स्थित उनके आवास पहुंचे।

इस दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि करणी सेना नहीं ये योगी सेना है, जिसके लिए सरकार से फंडिंग हो रही है। सीएम के स्वजातीय लोगों ने जिस तरह तलवारें लहराईं, वो पिछड़ा, दलित अल्पसंख्यकों को डराना चाहते हैं। जिस तरह हिटलर सेना रखता था, लोगों की आवाज दबाने के लिए उसी तरह ये योगी सेना लोगों को डरा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि जिस समय सांसद सुमन के यहां आने का फैसला लिया, तभी साफ किया कोई प्रदर्शन नहीं करना है। कोई ताकत नहीं दिखाई है। अपनी पार्टी के नेता के घर जाना है, जो जा रहा हूं।

पीडीए को डराने की कोशिश

अखिलेश यादव ने सपा के राज्यसभा सांसद राजीलाल सुमन के आवास पर करणी सेना द्वारा किए गए हमले को लेकर कहा कि ये पीडीए को डराने की कोशिश की गई है। सांसद के आवास पर अचानक हमला नहीं हुआ। ये हमला साजिश के तहत हुआ है। ये एक सोची समझी चाल है। हमलावरों का इरादा जान लेने का था। दलितों-अल्पसंख्यकों को डराने कोशिश पूरी कोशिश की गई।

सामाजिक न्याय की लड़ाई का ऐलान

अखिलेश ने आगरा से सामाजिक न्याय की लड़ाई का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि समाजिक न्याय का राज स्थापित करने की दलितों की राजधानी से घोषणा करते हैं। आगरा सामाजिक न्याय की लड़ाई में कुरुक्षेत्र बनेगा।

सुरक्षा की दृष्टि से फोर्स तैनात की

अखिलेश के आने से पूर्व ही किसी तरह के उपद्रव की आशंका को देखते हुए हरीपर्वत चौराहे से स्पीड कलर लैब तक सुरक्षा के सख्त इंतजाम किए गए हैं। सपा कार्यकर्ताओं ने कोई हंगामा किया तो उनसे निपटने के लिए भी रणनीति तैयार की गई। आगरा में अलर्ट किया गया है, इसके साथ ही यहां फोर्स तैनात की गई है।

पेज एक का शेष

'मेड इन इंडिया' टैबलेट...

के ऊपर खड़े होकर भी इसकी ताकत का प्रदर्शन किया। यह वीडियो भारत के 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत स्वदेशी, उच्च गुणवत्ता वाले इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों के निर्माण की ओर बढ़ते आत्मनिर्भर प्रयासों का प्रतीक है।

सरकार दे रही वित्तीय...

हार्डवेयर के लिए लागू पीएलआई 2.0 योजना के तहत अब तक 10,000 करोड़ का उत्पादन हो चुका है और 3,900 नई नौकरियां सिर्फ 18 महीनों में पैदा हुई हैं।

बांग्लादेश में हिंदू...

अपमानित करने की दी धमकीः प्रधानाध्यापक की बेटी भावना आचार्य ने इंटरनेट मीडिया पर आरोप लगाया कि उनके पिता को कोई आरोप साबित किए बगैर पद छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। भावना ने लिखा, इस घटना से पहले मेरे पिता को स्कूल जाने से मना किया गया था। उनसे कहा गया था कि अगर वह स्कूल गए तो उन्हें अपमानित किया जाएगा। इसके जवाब में मेरे पिता ने कहा कि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है और कोई अपराध नहीं किया है।

हिंदू नेता का अपहरण...

पर उनकी मौजूदगी की पुष्टि करने के लिए यह कॉल किया था। करीब 30 मिनट बाद दो मोटरसाइकिलों पर चार लोग आए और भाबेश का उनके घर से अपहरण कर लिया। कई प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने हमलावरों को भबेश को नरबारी गांव ले जाते हुए देखा, जहां उन्हें बेरहमी से पीटा गया।

जेईई मेन परीक्षा के...

अलावा ईडब्ल्यूएस के लिए 80.38, ओबीसी के लिए 79.43, एससी के लिए 61.15 और एसटी के लिए 47.90 पर्सेंटाइल तय की गई है।

राज्यों के टॉपर्सः एजेंसी ने बताया कि राज्यों के टॉपर्स की सूची में दिल्ली के 2 (दक्ष, हर्ष झा-100 पर्सेंटाइल), हरियाणा का 1 छात्र (अमोघ बंसल-99.99 पर्सेंटाइल), छत्तीसगढ़ के 2 छात्र (सुविज्ञा देवांगन-99.99 पर्सेंटाइल और पीडब्ल्यूबीडी श्रेणी में हर्षल गुप्ता-99.96 पर्सेंटाइल), मध्य प्रदेश का 1 छात्र एम.एम.हुसैन 99.99 पर्सेंटाइल के साथ शामिल है।

9 लाख से अधिक छात्रों ने दी परीक्षाः जेईई मेन के दूसरे सत्र की परीक्षा के लिए कुल 10 लाख 61 हजार 840 छात्रों ने पंजीकरण कराए थे। लेकिन इनमें से 9 लाख 92 हजार 350 छात्र ही परीक्षा में बैठे। इस बार 6 लाख 81 हजार 871 लड़के और 3 लाख 10 हजार 479 लड़कियों ने यह परीक्षा दी। 2, 3, 4, 7 और 8 अप्रैल दो पालियों में यह परीक्षा हुई। अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू सहित कुल 13 भारतीय भाषाओं में परीक्षा का आयोजन किया गया। जो कि कंप्यूटर (सीबीटी) आधारित थी। परीक्षा से जुड़ी हुई अंतिम उत्तर कुंजी बीते शुक्रवार दोपहर दो बजे जारी कर दी गई थी। इसके पूर्व में भी हालांकि अंतिम उत्तर कुंजी एजेंसी ने अपनी वेबसाइट पर अपलोड की थी। लेकिन फिर उसे हटा लिया था। जिसके चलते छात्रों के मन में असमंजस की स्थिति उत्पन्न हो गई थी। बताते चलें कि जेईई-मेन के दोनों सत्रों (जनवरी, अप्रैल महीने में हुए) में इस वर्ष कुल 15 लाख 39 हजार 848 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया था। जबकि इनमें से कुल 14 लाख 75 हजार 103 छात्र परीक्षा में बैठे।

देश-विदेश में बनाए गए कुल 531 परीक्षा केंद्रः परीक्षा के लिए देश-विदेश में कुल 531 अनोखे केंद्र बनाए गए थे। इनमें भारत के अंदर बनाए गए 285 और विदेशों में बनाए गए 15 केंद्र शामिल हैं। विदेशों में दोहा, मनामा, दुबई, मस्कट, रियाद, शारजाह, सिंगापुर, कुवैत, कुआलालंपुर, अबूधाबी, पश्चिम जावा, वाशिंगटन, लागोस और म्यूनिख में जेईई परीक्षा के लिए केंद्र बनाए गए थे। इनमें से कुछ नए बनाए गए केंद्रों की परीक्षा से पहले जांच पड़ताल के लिए थर्ड पार्टी ऑडिट भी कराया गया। जबकि विदेशी केंद्रों पर संबंधित देशों में मौजूद भारत के दूतावासों, मिशन के साथ निकट समन्वय से निगरानी रखी गई।

यूं कसी गई नकल पर नकेलः परीक्षा के दौरान तत्काल आधार पर कर्मियों की तैनाती अहम रही। विभिन्न शहरों, केंद्रों पर ड्यूटी के लिए 283 शहरी समन्वयकों, 858 पर्यवेक्षकों और सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसियों के प्रतिनिधियों को नियुक्त किया गया। इसके अलावा मोबाइल और अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के जरिए नकल के प्रयास को रोकने के लिए सभी केंद्रों पर 5जी जैमर लगाए गए। परीक्षा केंद्रों की एआई आधारित वीडियो एनालिटिक्स, सीसीटीवी और वर्चुअल पर्यवेक्षकों के जरिए बारीक निगरानी की गई।

39 छात्रों का परिणाम घोषित होना बाकीः वहीं, एनटीए ने ये भी कहा कि जेईई मेन परीक्षा के पहले चरण के कुल 39 छात्रों का परिणाम जारी नहीं किया गया है। क्योंकि वह अनुचित व्यवहार में लिप्त पाए गए थे। जबकि दूसरे सत्र के कुल 110 छात्र जालसाजी और अनुचित साधनों में लिप्त पाए गए हैं। इनमें मुख्य रूप से परीक्षा संबंधी दस्तावेजों में गड़बड़ी पायी गई हैं। जिसकी वजह से इनका परिणाम फिलहाल जारी नहीं किया गया है। इनके अलावा 23 छात्रों का परिणाम उनकी फोटो, बायोमेट्रिक विवरण और पहचान सत्यापन से जुड़ी बाकी कमियों की वजह से जारी नहीं किया गया है। इन सभी को राजपत्रित अधिकारी से अनुमोदित फोटो पहचान का एक वैध प्रमाण एनटीए को सौंपने का निर्देश दिया गया है। उसके बाद ही इनका परिणाम जारी किया जाएगा।

फिल्म निर्देशक अनुराग...

लेकर उठे विवाद के बीच ब्राह्मण समाज पर अनुराग कश्यप ने एक टिप्पणी की थी, जो लोगों को रास नहीं आई और मामला पुलिस तक पहुंच गया। अनुराग कश्यप ने माफी मांगते हुए एक लंबा पोस्ट शेयर किया, जिसमें उन्होंने लिखा कि यह मेरी माफी है, मेरी पोस्ट के लिए नहीं बल्कि उस एक लाइन के लिए, जिसे संदर्भ से बाहर निकाल दिया गया और जो नफरत फैला रही है। कोई भी कार्य या भाषण इस लायक नहीं है कि आपकी बेटी, परिवार, दोस्त और सहकर्मियों को संस्कार के ठेकेदारों से बलात्कार और मौत की धमकियां मिलें। आगे उन्होंने लिखा कि मैंने जो कहा, उसे वापस नहीं लूंगा। मुझे जितना गाली देना है दे लो। मेरे परिवार ने कुछ नहीं कहा। माफी चाहिए तो ये लो। ब्राह्मणों, महिलाओं को छोड़ दो। ये मूल्य हमारे शास्त्रों में भी हैं, मनुवाद को छोड़कर। तय करो कि तुम कौन से ब्राह्मण हो। बाकी, ये मेरी माफी है।

पलासिया थाने में...

पलासिया थाने में शिकायत दर्ज कराई है। अनुराग कश्यप की एक टिप्पणी को याग्निक ने ब्राह्मण समाज के खिलाफ निम्न स्तरीय और आपत्तिजनक करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह टिप्पणी देशद्रोह, राष्ट्रद्रोह और धर्मद्रोह की श्रेणी में आती है।

फिल्म 'फुले' की रिलीज रोकने की अपीलः नीरज याग्निक ने कहा कि वे सभी धर्मों और समाज के लोगों से अपील करते हैं कि जो देश को तोड़ने की मानसिकता रखते हैं, उनके खिलाफ एकजुट होकर खड़ा होना चाहिए। उनका कहना है कि अनुराग कश्यप की फिल्म 'फुले' को लेकर विवाद हुआ है, और यदि इस फिल्म के माध्यम से समाज में वर्षों पुरानी बातों को नए रूप में पेश कर गलतफहमियां या दंगे भड़काने की कोशिश की जाती है, तो इस फिल्म को मध्यप्रदेश में रिलीज होने से रोका जाना चाहिए।

अगले सप्ताह मंगलवार...

रणनीतिक भागीदारी परिषद की दूसरी बैठक की सह-अध्यक्षता भी करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर यह जानकारी दी।

ओआईसी का गलत इस्तेमाल करता पाकः विदेश सचिव ने कहा, पाकिस्तान ऑर्गेनाइजेशन ऑफ इस्लामिक कोऑपरेशन यानी ओआईसी का भारत के खिलाफ आदतन गलत इस्तेमाल करता है। हम लगातार इसके खिलाफ अपने मित्र देशों और भागीदारों के साथ बातचीत करते रहते हैं। जिसमें अपने विचारों के साथ चिंताओं को साझा करते हैं। भारत और सऊदी अरब वर्ल्ड ऑडियो-विजुअल एंटरटेनमेंट सम्मेलन का भारत के मुंबई में आयोजन करेगा। इसे लेकर हम सऊदी अरब से बातचीत कर रहे हैं। मुझे उम्मीद है कि उच्च-स्तरीय सऊदी प्रतिनिधिमंडल इसके लिए भारत आएगा। यह दोनों देशों को मीडिया और मनोरंजन उद्योग को आगे बढ़ाने में काफी मदद करेगा। आयोजन से संयुक्त प्रोडक्शन परियोजनाओं के संबंध में लाभ होगा।

दोनों देशों के बीच प्राचीन, ऐतिहासिक संबंधः मंत्रालय ने बताया कि भारत और सऊदी अरब के बीच बेहद करीबी और मित्रवत संबंध हैं। जो कि सामाजिक-सांस्कृतिक और व्यापार संबंधों के लंबे इतिहास से जुड़े हुए हैं। बतौर रणनीतिक भागीदार के रूप में दोनों देशों के बीच विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत द्विपक्षीय संबंध हैं। इसमें राजनीतिक, रक्षा, सुरक्षा, व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक, स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कृति और लोगों का लोगों से संबंध जैसे क्षेत्र मुख्य रूप से शामिल हैं। बीते एक दशक में भारत के सऊदी अरब के साथ संबंध एक मजबूत और स्थायी भागीदारी के रूप में आगे बढ़े हैं। कई रणनीतिक क्षेत्रों में इनका विकास हुआ है। जिसमें निवेश को लेकर प्रतिबद्धता, रक्षा सहयोग के विस्तार से लेकर तमाम क्षेत्रों में उच्च स्तरीय आदान-प्रदान को बढ़ावा देना शामिल है। पीएम की यात्रा का महत्वःपीएम नरेंद्र मोदी की यह यात्रा भारत द्वारा सऊदी अरब और उससे जुड़े हुए द्विपक्षीय संबंधों को दिए जाने वाले महत्व को रेखांकित करती है। यह इस बहुआयामी भागीदारी को और अधिक गहराई के साथ सशक्त बनाने का भी अवसर प्रदान करती है।

भारत का अहम ...

थी। सऊदी अरब में 2.7 मिलियन भारतीय रहते हैं। जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी प्रवासियों की आबादी है। प्रधानमंत्री मोदी अपनी यात्रा में भारतीय कामगारों का हालचाल जानने के लिए सऊदी अरब की एक फैक्ट्री में भी जाएंगे। मिस्री ने हज और उमरा के लिए कई हजार भारतीयों को मदद प्रदान करने के लिए सऊदी अरब का धन्यवाद दिया और कहा कि मामले पर हम उनके लगातार संपर्क में बने हुए हैं। क्षेत्रीय और वैश्विक आर्थिक स्थिति के चिंताजनक दौर में हो रही यह यात्रा दोनों पक्षों को संपूर्ण घटनाक्रम पर विचार-विमर्श करने का अवसर प्रदान करती है। लाल सागर में हूती विद्रोहियों के हमलों से लेकर आईमैक, इजरायल-हमास व रूस-यूक्रेन युद्ध का मुद्दा भी वार्ता में शामिल रहेगा।

जवानों का मनोबल...

का विकास कर रही है। इसमें टेलीकॉम सर्विस प्रदाता और लद्दाख केंद्रशासित प्रदेश के प्रशासन का पूर्ण सहयोग मिल रहा है। सेना की लेह मुख्यालय वाली फायर और फ्यूरी कोर इस कवायद में मुख्य भूमिका निभा रही है। उसके द्वारा लद्दाख और कारगिल में कई मोबाइल टावर लगाए गए हैं। यह कदम और इसका प्रभाव जवानों की भलाई से परे राष्ट्र निर्माण पर भी पड़ेगा। सुदूर इलाकों में रहने वाली स्थानीय आबादी भी इससे लाभान्वित होगी। कनेक्टिविटी बढ़ने से स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी, सीमाई पर्यटन बढ़ेगा, आपातकालीन परिस्थिति में मेडिकल सुविधा प्रदान करने के साथ ही शिक्षा तक पहुंच बढ़ाना आसान हो जाएगा।

अहम परिवर्तनकारी कदमः सेना इसे एक बेहद महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कदम मानती है। जिसमें उसने सुदूर इलाकों और देश के बाकी भागों में रहने वाले लोगों के बीच बनी हुई डिजिटल खाई को पाटने का काम किया है। सेना के इस प्रयास से समुद्रतल से अत्यधिक ऊंचाई पर स्थित लद्दाख, पूर्वी लद्दाख के फारवर्ड इलाकों, पश्चिम लद्दाख और सियाचिन ग्लेशियर को उक्त मोबाइल कनेक्टिविटी से खासा लाभ होगा। अधिकारियों ने बताया कि मोबाइल कनेक्टिविटी स्थापित होने पर डीबीओ, गलवान, डेमचौक, चुमार, बटालिक, द्रास और सियाचिन ग्लेशियर जैसे इलाकों में तैनात सैन्य बलों को संचार के क्षेत्र में काफी फायदा पहुंचेगा। अब यह लोग 4जी और 5जी मोबाइल कनेक्टिविटी का प्रयोग कर सकेंगे।

हाई कोर्ट ने सुनाया फैसला

भड़काऊ सामग्री लाइक करने पर धारा 67 आईटी एक्ट लागू नहीं हो सकती

एजेंसी ▶▶ प्रयागराज

इलाहाबाद हाई कोर्ट ने सोशल मीडिया से जुड़े एक मामले में अहम फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि किसी पोस्ट को लाइक करना उसे पब्लिश या शेयर करने के बराबर नहीं है, इसलिए यहां पर इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एक्ट की धारा 67 नहीं लागू होगी। यह धारा अश्लील सामग्री के लिए है, न कि भड़काऊ सामग्री के लिए।

एचसी में इमरान खान बनाम उत्तर प्रदेश राज्य और अन्य मामले की सुनवाई चल रही थी। जस्टिस सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि कोई पोस्ट या मैसेज तभी पब्लिश माना जाता है जब उसे पोस्ट किया जाए। पोस्ट को ट्रांसमिट तभी माना जाएगा जब उसे शेयर या रीट्वीट किया गया हो।

हाई कोर्ट की ओर से कहा गया, 'केस डायरी दिखाती है कि आवेदक ने फरहान उस्मान की पोस्ट को

लाइक किया था, जिसे गैरकानूनी सभा से जुड़ा माना गया। लेकिन पोस्ट को लाइक करना पब्लिश या ट्रांसमिट करने के बराबर नहीं है।

सिर्फ लाइक करने से आईटी एक्ट की धारा 67 लागू नहीं होगी। कोर्ट इमरान खान नाम के शख्स की याचिका पर सुनवाई कर रहा था, जिसने चौधरी फरहान उस्मान की पोस्ट को लाइक किया था। उस्मान की पोस्ट में प्रदर्शन की बात थी, जो कलेक्ट्रेट के पास इकट्ठा होकर भारत के राष्ट्रपति को ज्ञापन सौंपने को लेकर था। खान पर आरोप लगा कि उसने सोशल मीडिया पर भड़काऊ मैसेज फैलाए, जिसके चलते 600-700 लोगों की भीड़ जमा हुई।

बीवी व दो बेटियों को जिंदा जलाने का मामला

कोर्ट ने सुनाई पति को फांसी, सास को उम्रकैद

एजेंसी ▶▶ कटिहार

बिहार के कटिहार में एक महिला और उसके दो बच्चों को जिंदा जलाकर मारने के आरोपियों को कोर्ट ने कठोर सजा सुनाई है। हत्यारे कोई और नहीं बल्कि मृत महिला के पति और सास थे। कोर्ट ने आरोपी पति को फांसी की सजा सुनाई है जबकि उसकी मां (मृतका की सास) को कठोर उम्रकैद का आदेश किया है। घटना मार्च 2021 की है।

कटिहार के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश हेमंत कुमार त्रिपाठी ने यह फैसला सुनाया है। पत्नी एवं दो नाबालिग बच्चों को घर में बन्द कर जिन्दा जला कर हत्या करने से संबंधित मुकदमा प्राणपुर थाना कांड सं०-51/21सह सत्रवाद सं०-132/22 की विचारण के पश्चात पति मो.ताहिर को सजा-ए-मौत की सजा

सुनाई। वहीं मृतका की सास हदीशन खातुन को आजीवन कारावास की सजा सुनायी है। दोनों आरोपी ग्राम रोशना (प्राणपुर थाना) कटिहार के निवासी हैं।

दिल को दहला देने वाली यह घटना 25 मार्च 2021 को कटिहार के प्राणपुर प्रखंड के रोशना गांव में घटी थी। सनकी पति मोहम्मद ताहिर ने अपनी मां के साथ मिलकर पत्नी हिना खातून, 30 वर्ष और दो बेटियां आयात खातून, 6 साल और सानिया खातून, 4 साल को जिंदा जलाकर मार डाला था।

आंत हुई डेमेज, मुंह पर चोट ही चोट के निशान

दरिंदगी की शिकार मूकबधिर किशोरी के हुए 2 ऑपरेशन

एजेंसी ▶▶ रामपुर

रामपुर के सैफनी के एक गांव में दरिंदगी का शिकार हुई 11 साल की मूकबधिर बिटिया के दो ऑपरेशन किए गए हैं। शुक्रवार सुबह उसे होश आ गया है, लेकिन हालत अब भी गंभीर बनी हुई है। वहीं, बिटिया के गांव में तनाव का माहौल है, मामले की गंभीरता को देखते हुए गांव में फोर्स तैनात की गई है। बिटिया का मेरठ के मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। उसकी आंत भी डेमेज हो गई। उसके मुंह पर भी चोट पाई गई। मुंह की भी सर्जरी की गई। स्त्री रोग विभाग की हेड डॉ. रचना चौधरी की देखरेख में उसका उपचार चल रहा है। उसके शरीर पर भी कई चोट के निशान हैं। शुक्रवार को होश आने पर बालिका का डॉ. धीरज बालियान की निगरानी में उपचार किया गया। मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आरसी गुप्ता ने बताया कि बालिका के दो ऑपरेशन किए गए हैं, मुंह पर भी चोट के कारण सर्जरी की गई हैं।

आरोपी व दुष्कर्म पीड़िता के सैंपल की होगी डीएनए जांच

सैफनी थाना क्षेत्र में 11 वर्षीय बालिका के साथ दरिंदगी के मामले में पुलिस फोरेंसिक और डिजिटल साक्ष्य जुटाकर मजबूत चार्जशीट तैयार कर रही है। पुलिस पीड़िता और आरोपी के सैंपल की डीएनए जांच कराएगी। दोनों के सैंपल जांच के लिए फोरेंसिक लैब भेजे गए हैं।

इसके अलावा पुलिस सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को भी चार्जशीट का हिस्सा बना रही है, जिससे कोर्ट में मजबूती के साथ पैरवी की जा सके। सीओ शाहबाद हर्षिता सिंह ने बताया कि कई बिंदुओं पर जांच की जा रही है, जिससे मुकदमे को मजबूती मिल सके। घटना के बाद फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए हैं। फोरेंसिक रिपोर्ट मुरादाबाद की प्रयोगशाला से आनी है। जांच रिपोर्ट मिलते ही मुकदमे में चार्जशीट लगाई जाएगी। सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं। एसपी विद्यासागर मिश्र ने बताया कि आरोपी और पीड़िता के सैंपल भी डीएनए जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

कवर स्टोरी
डॉ. माजिद अलीम

बिगड़ते पर्यावरण, बदलते जलवायु के कारण धरती के बढ़ते तापमान यानी ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव दुनिया भर में प्राकृतिक आपदाओं के रूप में दिखने लगे हैं। इसका असर अब हमारी हेल्थ पर भी पड़ने लगा है। कई तरह की शारीरिक और मानसिक समस्याओं से लोग ग्रस्त हो रहे हैं। इनसे कुछ हद तक बचाव के लिए जरूरी सावधानी बरतने के साथ यहां बताई जा रही बातों पर अमल करना जरूरी है।

हमारी हेल्थ को बिगाड़ रही ग्लोबल वार्मिंग

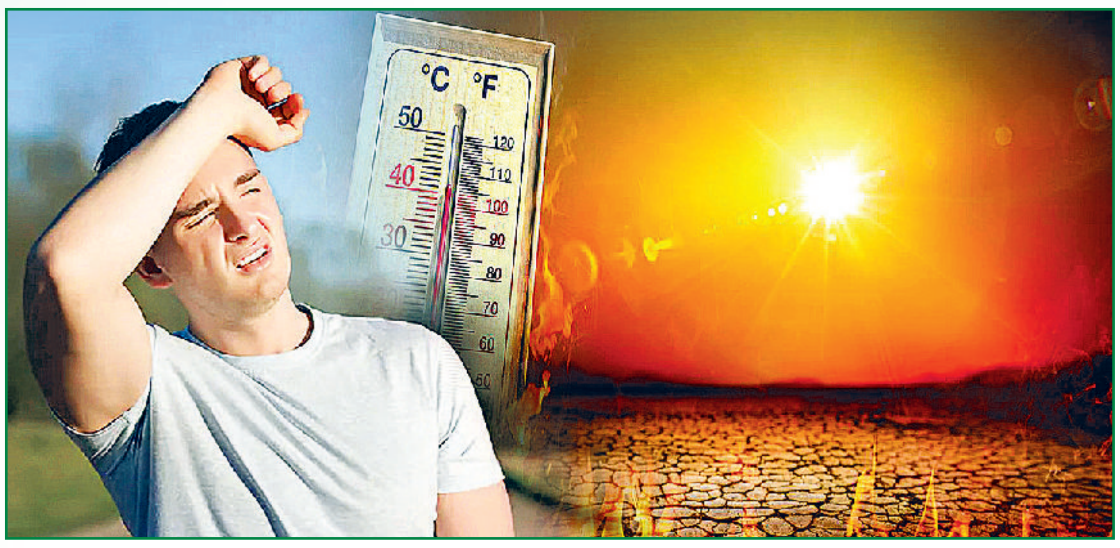

जलवायु, मौसम और बारिश के पैटर्न को ही नहीं बल्कि ग्लोबल वार्मिंग, हमारी हेल्थ और फिटनेस पर भी अब तेजी से असर डाल रही है। ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे पर्यावरण को जिस तरह से प्रभावित किया है, उसे तो हम कई सालों पहले से जान रहे हैं, लेकिन अब हमें अपनी हेल्थ पर भी इसके असर दिखने लगे हैं।

बढ़ते हीट स्ट्रोक

हम सब जानते हैं कि ज्यादा तापमान में व्यायाम करने से शरीर में डिहाइड्रेशन होने और हीट स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है, इन दिनों ऐसा ही हो रहा है। पिछले दो सालों में यूरोप और अमेरिका में सबसे ज्यादा डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक के मामले सामने आए हैं। विशेष रूप से उन क्षेत्रों में, जहां पहले कभी हीट वेव नहीं चला करती थी। पेरिस, न्यूयॉर्क और लंदन में भी हाल के सालों में साइकिलिंग के दौरान लोगों में हीट स्ट्रोक के केसेस 5 से 15 फीसदी तक बढ़े हैं। न्यूयॉर्क में 2023 और 2024 में हीट स्ट्रोक की जितनी घटनाएं सामने आई हैं, पिछली सदी में उसके 10वें हिस्से के बराबर भी नहीं आई थीं। जाहिर है, ये बढ़ते तापमान का नतीजा है। यही वजह है कि यूरोप और अमेरिका के ज्यादातर शहरों में अब खासतौर पर जिम की नई गाइडलाइन में एक्सरसाइज के लिए शाम और सुबह को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगड़ती एयर क्वालिटी

दिल्ली और मुंबई समेत देश के कई मेट्रो शहरों में पिछले तीन सालों में वायु प्रदूषण बेहद खराब स्तर का हो गया है। दिल्ली में तो प्रतिवर्ष हवा की खराब गुणवत्ता के कारण इससे बीमार पड़ने और मरने वाले लोगों की संख्या में 10 हजार से 15 हजार के बीच इजाफा हुआ है। दिल्ली में पिछले पांच सालों से हवा औसतन साल के 300 दिन सामान्य से

बहुत ज्यादा खराब रहती है। इसीलिए अब दिल्ली में स्वास्थ्य विशेषज्ञ, खासकर फिटनेस के जानकार, बूढ़े लोगों को सुबह के समय घर से बाहर घूमने जाने की सलाह नहीं देते हैं, क्योंकि दिल्ली में हवा इतनी प्रदूषित है कि घूमने से जो फायदे हो सकते हैं, उससे कहीं ज्यादा हेल्थ के लिए नुकसान होने की आशंका रहती है। दिल्ली जैसे वायु प्रदूषण से ग्रस्त शहर में सुबह के समय दौड़ने या खुली हवा में योग करने से सांस संबंधी बीमारियां बढ़ जाने का खतरा पैदा हो गया है। जिस तरह से ऐसे महानगरों की हवा प्रदूषित है, उससे फेफड़ों की क्षमता प्रभावित हो रही है। यही वजह है कि ऐसे प्रदूषित शहरों में कार्डियो वर्कआउट्स कम प्रभावी हो रहे हैं।

विशेषः पृथ्वी दिवस 22 अप्रैल

बिगड़ती मानसिक सेहत

ग्लोबल वार्मिंग के कारण सिर्फ शारीरिक परेशानियां ही नहीं बढ़ीं बल्कि मानसिक तनाव भी बहुत ज्यादा बढ़ गया है। हमारे

व्यायाम की आदतें बदल गई हैं। ग्लोबल वार्मिंग के कारण बढ़ता हीट स्ट्रोक और तनाव हमारे मानसिक स्वास्थ्य को लगातार प्रभावित कर रहा है। दरअसल, इस ग्लोबल वार्मिंग का असर हमारी फसलों के ऊपर और हमारे पोषण की गुणवत्ता पर भी पड़ा है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण कुछ फसलें कम पैदा हो रही हैं, खासकर प्रोटीन और मिनरल्स से भरपूर फ्रूट्स का उत्पादन घटा है और इनकी कीमतें बहुत बढ़ गई हैं। महंगे होने के कारण लोग आसानी से इन्हें नहीं खा पा रहे हैं। इससे भी हमारी मेंटल फिटनेस पर असर पड़ रहा है। ऐसे में स्वस्थ रहने के लिए हमें अपनी लाइफस्टाइल और डाइट का पूरा ध्यान रखना होगा। *

स्वस्थ रहने के लिए इन बातों पर करें अमल

वैज्ञानिक पिछले तीन दशकों से दुनिया भर के लोगों को आगाह कर रहे हैं कि प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ रहा है। बावजूद इसके ग्लोबल वार्मिंग कम करने के लिए जितने उपाय किए जाने चाहिए, वो नहीं हो रहे हैं। इसलिए स्वास्थ्य विशेषज्ञों का मानना है कि प्रदूषण का संकट इतना गहरा हो गया है कि अब इस स्थिति में रातों-रात सुधार नहीं हो सकता है। कहने का मतलब यह है कि अब हमें इसी खराब मौसम और ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के साथ जीना है। ऐसे में ग्लोबल वार्मिंग के रहते हुए अपनी सेहत और फिटनेस का ध्यान रखने के लिए कुछ बातों पर अमल करना होगा-

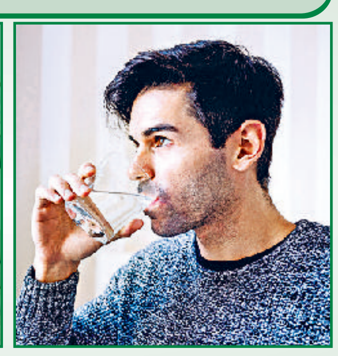

- व्यायाम हमेशा सुबह या शाम के समय ही करें। जब तापमान और वायु गुणवत्ता दोनों बेहतर हों।
- आउटडोर एक्सरसाइज से बचें, क्योंकि इन दिनों प्रदूषण की स्थिति काफी बिगड़ी हुई है और ग्लोबल वार्मिंग से मिलकर यह प्रदूषण और भी नुकसान करता है। इसलिए घर के भीतर या जिम में ही व्यायाम को प्राथमिकता दें।
- गर्मी वाले महीने अप्रैल, मई, जून ही नहीं जुलाई और अगस्त के महीने तक भी व्यायाम करते समय सतर्क रहें। पर्याप्त मात्रा में पानी और इलेक्ट्रोलाइट्स का सेवन करें।
- घर से बाहर निकलते समय हमेशा पॉल्यूशन मास्क जरूर लगाएं।
- घर और ऑफिस के भीतर एयर प्यूरीफायर का उपयोग करें।
- अपने घर, गार्डन या आस-पास के पार्क में पेड़ लगाने के साथ पर्यावरण को बेहतर बनाने की दिशा में भी छोटे-छोटे कदम उठाएं।
- पिछले एक दशक से लगातार वैज्ञानिकों की चेतावनियों के बावजूद प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग और अंधाधुंध विकास की भाग-दौड़ में हमारे इर्द-गिर्द की हवा, पानी, मिट्टी, खाद्य सामग्रियां, सब कुछ प्रदूषित, संक्रमित या ग्लोबल वार्मिंग के कारण असामान्य हो गई हैं। ऐसे में व्यायाम करने, खान-पान से लेकर जीवनशैली के तौर-तरीकों पर सजगता बरतनी होगी।

आत्मप्रेरणा
राजयोगी बीके निकुंज जी

यह जानते हुए भी कि धरती के संसाधनों का अति दोहन करने से हम सभी का अस्तित्व संकट में पड़ जाएगा, हम सचेत नहीं हो रहे हैं। अपनी धरती को बचाए रखने के लिए बिना देर किए हम सभी को प्रकृति संरक्षण के प्रभावी प्रयास करने होंगे।

पुकार रही है प्रकृति बचा लें अपनी धरती

सदियों से प्रकृति और यह धरती, कवियों और लेखकों के लिए आराधना और प्रशंसा का विषय रही है। इसीलिए जब हम कश्मीर की सुंदर घाटी को या फिर हिमालय से बहती हुई पावन नदी गंगा के प्रवाह को देखते हैं, तब मन ही मन हमें इस बात का अहसास होने लगता है कि सचमुच ही हम मनुष्य, शक्तिशाली प्रकृति की सामर्थ्य के समक्ष कितने तुच्छ और शक्तिहीन हैं! हम सभी इस तथ्य से परिचित हैं कि धरती मां, हमारा पालन-पोषण ठीक ऐसे ही करती है, जैसे कोई माता अपनी संतान का। आहार जुटाने से लेकर जीवन के लिए जरूरी अनेक कार्य प्रकृति पूरी तत्परता के साथ निभाती है। मान लीजिए, यदि वह अपने इस नित्य कार्य को करना बंद कर दे, तो फिर हम मनुष्यों का क्या हाल होगा, इसकी कल्पना भी हम नहीं कर सकते हैं।

बढ़ रही प्राकृतिक आपदाएं: पिछले डेढ़-दो दशक में समस्त संसार में हुई प्राकृतिक आपदाओं की घटनाओ को देखते हुए इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता हैं कि प्रकृति वर्तमान में हम मनुष्यों से बड़ी रुष्ट है और अगर हमने अपने आप में परिवर्तन नहीं किया तो उसके भयावह परिणाम सामने आ सकते हैं। हाल ही में भारत के कुछ पर्वतीय क्षेत्रों में बादल फटने की घटनाओं और भारी

बारिश के कारण स्थानीय लोगों को अपना घर छोड़कर सरकारी टेंटो में जाकर रहने की नौबत आई, जिसके चलते उनके मन में प्रकृति के प्रति शिकायत का भाव देखा गया। लेकिन हम इंसान अकसर यह भूल जाते हैं कि प्राकृतिक आपदाओं और धरती की बिगड़ती मौजूदा हालत के जिम्मेदार हम खुद ही हैं।

रोकनी होगी वृक्षों की कटाई: पर्यावरण विशेषज्ञों के मतानुसार बादल फटने की घटना का गहरा संबंध वन की अनियंत्रित कटाई से होता है, जिसे साधारण भाषा में वनोन्मूलन या डिफॉरेस्टेशन कहते हैं। वनस्पति विशेषज्ञों द्वारा किए गए अनुसंधान से यह सिद्ध हुआ है कि पहाड़ी इलाकों में आए दिन होने वाली बादल फटने की घटनाओं और उससे होने वाली तबाही को कम करने के लिए समुद्र तल से 4000 से 8000 फुट की ऊंचाई पर अधिक-से-अधिक वृक्ष लगाए जाने चाहिए। परंतु दुर्भाग्यवश पर्यटन में सुधार करने के लिए हम वृक्ष लगाने के बजाय, वृक्षों को काट रहे हैं और जंगलों का नाश कर रहे हैं, जिसका सीधा असर प्रति वर्ष नदी तटीय इलाकों में बसे गांव या शहरों में होने वाली बाढ़ के रूप में हमें देखने को मिलता है।

हम सब करें प्रकृति संरक्षण: श्रीमद भगवदगीता के तीसरे अध्याय में कहा गया है-

देवान्भावयतानेन ते देवा भावयन्तु वः।
परस्परं भावयन्तः श्रेयः परमवाप्स्यथ॥

अर्थात तुम सब यज्ञ कर्मों द्वारा देवताओं की उन्नति करो और वे देवता तुम लोगों की उन्नति करेंगे। अब यदि आज के समय में इस श्लोक का भावार्थ किया जाए तो देवताओं को प्रसन्न रखने का अभिप्राय यहां प्रकृति को संतुलित एवं व्यवस्थित रखने से भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि प्रकृति, दैवीय शक्तियों की क्रीड़ा भूमि है और उसके अनुदानों से विश्व-वसुंधरा पुष्पित, पल्लवित होती तथा समुन्नत बनती है। इसलिए हम सभी मनुष्यों के लिए यह अनिवार्य है कि अपने कल्याणार्थ प्रकृति के साथ विवेकसम्मत व्यवहार करें और उसके आशीर्वाद का पात्र बनें न कि श्राप का। अच्छे कर्म का फल अच्छा मिलता हैं और बुरे का बुरा, यह सर्वविदित है। कहने को तो यह सिद्धांत पुराना पड़ गया है किंतु इसके पीछे छुपा तथ्य सनातन है और यह सिद्धांत सृष्टि के कण-कण में आज भी विद्यमान है। अतः यदि हम धरती मां के साथ सम्मानजनक व्यवहार करेंगे तो हमें उतना ही प्यार और स्नेह उनसे प्राप्त होगा। लेकिन अगर हम उसके संसाधनों का दुरुपयोग करना जारी रखेंगे, तो फिर हमें भूकंप, बाढ़, अकाल, भूस्खलन जैसे प्राकृतिक प्रकोपों का सामना करना ही पड़ेगा। *

संकट
नरेंद्र शर्मा

अब समय आ गया है कि हम सब पृथ्वी की बदतर होती स्थिति को लेकर केवल चिंता न प्रकट करें, उसे सुधारने के लिए कारगर कदम भी उठाएं।

चिंता जताने से नहीं सुधरेगी पृथ्वी की सेहत

हर साल 22 अप्रैल पृथ्वी दिवस के अवसर पर पूरी दुनिया के 190 से ज्यादा देश मिलकर पृथ्वी की दिनों-दिन बिगड़ती सेहत पर चिंता व्यक्त करते हैं, इसे सुधारने का आह्वान करते हैं, नई-नई नीतियां बनाते हैं, लेकिन नतीजा न केवल वही रहता है बल्कि लगातार धीरे-धीरे पृथ्वी की सेहत बद से बदतर होती जा रही है।

बीत गई आधी सदी: पहली बार 22 अप्रैल 1970 को अमेरिका में दुनिया के कई पर्यावरणविद जुटे थे और उन्होंने चेताया था कि अगर औद्योगिकीकरण के चलते हमारी नदियां इसी तरह कचरे से पटती रहीं, हवा में जहर इसी तरह घुलता रहा, पेड़ कटते रहे और ग्लेशियरों की बर्फ पिघलती रही, तो जल्द ही यह धरती इंसानों के रहने लायक नहीं बचेगी। जब वैज्ञानिकों ने पहली बार यह सब चेतावनी के तौर पर ऊंचे स्वर में कहा तो एक स्वाभाविक चिंता बनी और दुनिया की करीब-करीब हर सरकार ने पृथ्वी को बचाने के लिए संकल्प लिया। लेकिन इस सबके बाद भी नतीजा सकारात्मक बिल्कुल नहीं रहा। 1970 में वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सेहत को जिस तरह बिगड़ते हुए पाया था, इन 55 सालों में एक बार भी स्थिति उससे बेहतर नहीं हुई, लगातार पृथ्वी की सेहत खराब ही होती जा रही है।

बातें नहीं लेना होगा एक्शन: इस साल पृथ्वी दिवस पर पृथ्वी को बचाने के लिए विशेषज्ञों ने जिस थीम का आह्वान किया है, वह है-हमारी शक्ति, हमारा ग्रह। हमारी शक्ति से आशय सरकार, उद्योग या वैज्ञानिकों की शक्ति नहीं है बल्कि इसका भाव यह है कि ये हमारी आदतें, हमारा आचरण और ये हमारा उपभोग ही है, जो अंततः हमारी पृथ्वी की सेहत पर असर डालता है। कुल मिलाकर यह कि यह हमारी चुनाव की शक्ति है कि हमें वास्तव में पृथ्वी को बचाने के लिए कुछ करना है या बड़ी-बड़ी बातें ही करनी हैं। चूंकि पृथ्वी एक भौगोलिक क्षेत्र भर नहीं है, यह एक जीवंत ग्रह है, इसलिए अगर हमने पृथ्वी को बचाने के लिए किसी जीवित इंसान की तरह ईमानदारी से कोशिश नहीं किया तो जल्द ही वह समय आएगा, जब हमारी सारी समझदारी और सारी जानकारी के बावजूद पृथ्वी की हालत सुधरेगी नहीं।

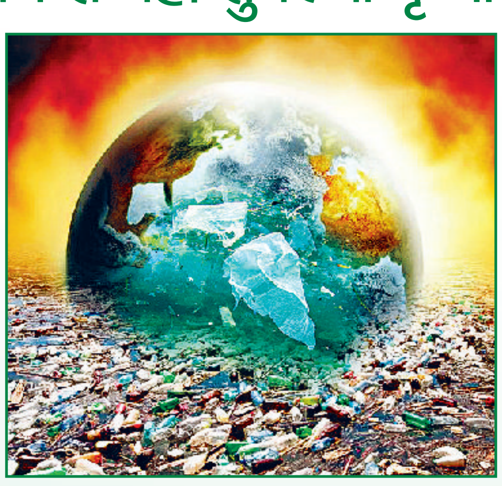

सबसे बड़ा खतरा प्लास्टिक: आज की तारीख में धरती को सबसे ज्यादा खतरा प्लास्टिक से है। प्लास्टिक के खतरे को हम कई दशकों से जानते हैं और लगातार सरकारें प्लास्टिक के कम से कम इस्तेमाल का आह्वान करती रही हैं। भारत जैसे देश में तो हाल के कुछ सालों में कितनी ही बार प्लास्टिक के इस्तेमाल में तरह-तरह के प्रतिबंध लगे हैं, लेकिन हैरानी की बात यह है कि प्रकट रूप में प्लास्टिक से बचने के लिए दिन-रात किए जा रहे आह्वानों, प्रतिबंधों और नीतियों के बावजूद प्लास्टिक का इस्तेमाल घटने की बजाय दिन-पर-दिन बढ़ता ही जा रहा है। आज हर साल 40 करोड़ टन से भी ज्यादा प्लास्टिक का उत्पादन होता है और इसमें से 50 फीसदी सिंगल यूज प्लास्टिक होता है, जो पृथ्वी की सेहत के लिए सबसे खतरनाक है। धरती की तो छोड़िए अब समुद्र भी इस प्लास्टिक से पट गया है। सिर्फ जमीन और समुद्र ही नहीं दुनिया के किसी देश में शायद ही ऐसा खान-पान बचा हो, जिसमें बड़े पैमाने पर माइक्रोप्लास्टिक के टुकड़े घुल-मिल न गए हों। यहां तक कि नवजात शिशुओं के रक्त में भी प्लास्टिक के कण पाए गए हैं। आखिर ये स्थितियां किस बात की सूचक हैं? शायद इसी बात की कि हम चिंता तो खूब प्रकट करते हैं, आह्वान भी खूब करते हैं, लेकिन अमल बिल्कुल नहीं करते। ऐसे में भला पृथ्वी की सेहत सुधरेगी भी तो कैसे?

हवा-पानी सब प्रदूषित: देश की राजधानी दिल्ली समेत देश के कई महानगर अकसर भयावह वायु प्रदूषण से ग्रसित रहते हैं। यही हाल हमारी नदियों का भी है। गंगा, यमुना जैसी जीवनदायिनी नदियां, पर्यावरणविदों की दिन-रात जताई जा रही चिंता के बावजूद प्रदूषण से दम तोड़ रही हैं। पहले तो इनमें औद्योगिक ईकाइयों का गंदा पानी ही शामिल होकर इन्हें जहरीला बना रहा था, लेकिन अब तो हमारी इन नदियों में भी प्लास्टिक एक बड़ा खतरा बन गया है। जिस तरह से लगातार हिमालयी ग्लेशियर पिघल रहे हैं, उससे यह स्थिति कभी पैदा हो सकती है कि गंगा नदी सूख जाए या कि मौसमी नदी बन जाए।

हमारा संकट यह है कि हम एक तरफ जहां पृथ्वी के बिगड़ते स्वास्थ्य को देखकर चिंतित हो रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ हम अपने उपभोग का तौर-तरीका नहीं बदल रहे। अगर हमने अपने जीवनशैली से जरा भी समझौता नहीं किया तो पृथ्वी की सेहत को लेकर चाहे जितनी चिंता प्रकट करें, इसे बचा नहीं सकते। *

गजल
हबीब कैफी

क्या हुआ जो बात करना हमको आया ही नहीं
फिर भी चेहरे पर कोई चेहरा लगाया ही नहीं

आप तो क्या चीज हैं पत्थर पिघल जाते जनाब
गीत कोई दिल से अब तक हमने गाया ही नहीं

मुस्कुराया वो मेरे कुछ पूछने पर इस तरह
कुछ बताया भी नहीं लेकिन छुपाया ही नहीं

रोज आता है यहां वो रात के पिछले पहर
नींद से लेकिन कभी उसने जगाया ही नहीं

क्या डराएगा कोई साया हमें 'कैफी' यहां
उसके हम बंदे हैं साहिब जिसका साया ही नहीं

व्यंग्य / सूर्य कुमार पांडेय

आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब का डबल मजा

मास्साब वार्षिक परीक्षा की उत्तर पुस्तिकाओं का कई दिनों से केंद्रीय कक्ष में सामूहिक मूल्यांकन कर रहे थे। लेकिन आज की कॉपी की जंचाई में मास्साब को बहुत मजा आया। वह प्रायः उत्तर पुस्तिकाएं पढ़कर नंबर नहीं दिया करते थे। उनके अपने कुछेक प्रिंसिपल्स थे। इनको मास्साब ने अपने ही विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल से उत्तराधिकार में ग्रहण किया था। मगर आज तो गजब ही हो गया। मास्साब के सारे उसूल टूट गए। मजा मिलने लग जाए, तो उसूल चिटक ही जाते हैं।

मास्साब कॉपियां जांचने बैठे। पहली उत्तर पुस्तिका खोली, तो उनकी आंखें ऐसी फैलनी शुरू हुईं कि वे सिकुड़ने का नाम ही नहीं ले रही थीं। मास्साब ने जेब से चश्मा निकाला। किसी तरह अपनी विजन की व्यापकता को कंट्रोल किया। दरअसल, मास्साब चक्षु बंद करके नंबरादि दिया करते थे, इसीलिए वह कॉपी जांचते टाइम चश्मा नहीं लगाते थे।

पहली ही उत्तर पुस्तिका का प्रथम पृष्ठ इतना मनमोहक! किसी फिल्मी पत्रिका के कलर्ड कवर को मात देता हुआ एक रंगीन हार्ट का चित्र अंकित था। मास्साब ने चश्मा नहीं उतारा। परीक्षार्थी की हैंड राइटिंग तो और भी ब्यूटीफुल थी। अंकित था, 'हे अंकस्वामी, मैंने आज अपना दिल खोलकर आपके सामने फैला दिया है। मेरा आगामी फ्यूचर आपके हाथ है। उबार लीजिए, चाहे डुबा दीजिए।' साथ में एक सौ रुपए का करारा नोट नत्थी था। मास्साब ने गहरी सांस ली। चतुर्दिक देखा। सहकर्मी परीक्षक परीक्षार्थियों का भविष्य दुरुस्त करने में तल्लीन थे। मास्साब की नीयत का मोर, मूल्यांकन कक्ष के जंगल में नाच उठा। जैसा कि होता है, जंगल में मोर नाचा, किसने देखा? सो किसी ने नहीं देखा। सौ का वह नोट मोरपंख बनकर मास्साब की जेब में घुस गया। आज की कॉपी जंचाई में मास्साब को सचमुच बड़ा मजा आया।

अगली तीन-चार कॉपियां ठीक-ठाक बच्चों की थीं। मास्साब को वे सब घामड़ लगे और महाबोर भी। उन्होंने थोड़े मार्क्स दे मारे। किंतु पांचवीं कॉपी झन्नाटेदार थी। उसमें लिखा हुआ था, 'हे संकटमोचक सर या मैडम (क्योंकि मुझे पता नहीं है), जब आप मेरे को भरपूर नंबरों से पास कर दीजिएगा, तब लास्ट पेज खोलिएगा। आपको पांच सौ रुपए का एक नोट दिखेगा। मैंने उत्तीर्ण होने की मनौती मान रखी है। आप भगवान को मेरी तरफ से प्रसाद जरूर चढ़ा दीजिएगा।'

मास्साब ने तत्काल उस विद्यार्थी की कॉपी में पूर्ण लब्धांक टांके। मंदिर कौन जाए? उन्होंने चपरासी को बुलाया और बगल के हलवाई के यहां से दो सौ रुपए के लड्डू मंगवाए। सहयोगी शिक्षक-शिक्षिकाओं के मध्य मिष्टान्न वितरण कराया। बाकी के लडडू घर के लिए अपने बैग के हवाले किए। आज मास्साब का मजा सचमुच डबल हो चुका था। *

लघुकथा / यशोधरा भटनागर

मैं चाहता हूं

काका, खाना तैयार हो गया? सभी मेहमानों को पहले सॉफ्ट ड्रिंक्स और स्नैक्स दीजिएगा। मेहमान भी आते ही होंगे।' हाथ में ब्रेसलेट को लॉक करते हुए मैंने काका से पूछा।

'हओ बहू जी! बस अब्बई लगाए दे रहे।' लॉन का चक्कर लगा कर सारी तैयारियां देख लीं। रोशनी की झिलमिलाती लड़ियां भी सभी अपने-अपने स्थान पर जगमगा रही थीं। बेटे बंटू के जन्मदिन को हम खूब धूमधाम से मनाना चाहते हैं आखिर वह हमारा इकलौता बेटा है। अपने दादी-दादी सबका बहुत दुलारा है।

उत्सव की सारी तैयारियां हो चुकी थीं। मम्मी जी, पापा जी, रवि सभी रेडी होकर लॉन में लगी चेयर्स पर बैठे अपने-अपने मोबाइल फोन में व्यस्त थे। मुझे भी ऑफिस एक अर्जेंट मेल करना है। सुबह से समय ही नहीं मिला। जल्दी से वह काम भी कर लेती हूं। बंटू को भी रेडी कर दिया है। मेहमानों के आने तक और कोई काम भी नहीं है।

तभी मेरा ध्यान बंटू की ओर गया, झपझपाती लाइटों से चमचमाते पारिजात के पेड़ के नीचे गुमसुम बैठा हुआ है। 'बंटू बेटा, व्हाट हैप्पंड? टुडे इज योर बर्थ डे! सो एंज्वॉय बच्चे।' बंटू के गालों को प्यार से थपथपाते हुए मैंने कहा।

'किसके साथ?' सूनी आंखों से मुझे देखते हुए वह धीरे से बोला।

'ओह बंटू! मुझे बताओ आप क्या चाहते हो?' उसे मनाने के अंदाज में मैंने उससे पूछा। 'मम्मी मैं मोबाइल फोन बनना चाहता हूं। भगवान जी मुझे मोबाइल फोन बना देते तो मैं...।' 'व्हाट..!' मैं सिर से पैर तक झनझना उठी। *

खबर संक्षेप

सफलताः नक्सलियों का डंप सामान पुलिस ने किया बरामद

बीजापुर। बीजापुर में पामेड़ क्षेत्र के मुर्कराजगुट्टा पहाड़ी से नक्सलियों का डंप सामना पुलिस ने बरामद किया गया है। नक्सलियों उक्त डंप को एक बंकरनुमा कमरे में छिपाकर रखा था। पुलिस ने बताया कि पामेड़ थाना क्षेत्र के जीडपल्ली कैम्प से कोबरा 208 की टीम नक्सल विरोधी अभियान पर निकली थी। अभियान के दौरान मूर्कराजगुट्टा पहाड़ी के जंगल मे नक्सलियों द्वारा बंकरनुमा कमरे में छिपाया डंप बरामद किया गया है। पुलिस के मुताबिक डंप को नक्सलियों द्वारा कंक्रीट आरसीसी स्लेब से बने बंकरनुमा कमरा में छिपाकर रखा गया था। बंकरनुमा कमरा 20 बाई 8 फीट साइज का था। उक्त बंकर से नक्सलियों द्वारा छुपाकर रखे गए 6 नग सोलर प्लेट, 6 नग जरकीन, 2 नग नक्सली वर्दी व 2 नग सीलिंग पंखा बरामद किया गया है। इसके बाद कोबरा जवानों की टीम द्वारा पूरे क्षेत्र में सर्चिंग के दौरान मूर्कराजगुट्टा की पहाड़ी जंगल से 12 नक्सली डंप छिपाने के जगह को खोजकर उसे नष्ट किया गया।

कार-बाइक की टक्कर में कांग्रेस नेता और विस अध्यक्ष भोयर की मौत

कोंडागांव। कोंडागांव से उड़ीसा के उमरकोट मार्ग पर बफना के पास कार और बाइक की टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन लोगों में से एक, कांग्रेस कोंडागांव के विधानसभा अध्यक्ष हेमंत भोयर की इलाज के दौरान मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हैं जिनका इलाज जिला अस्पताल कोंडागांव में जारी है। घटना के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला अस्पताल के सामने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। उनका आरोप है कि टक्कर मारने वाली कार भाजपा नेता पुरेंद्र कौशिक की है और यह एक सोची-समझी राजनीतिक साजिश के तहत हत्या की गई है, न कि महज एक एक्सीडेंट।

दुविधा : कैसे हो शिकारियों की धरपकड़ का काम

नाम की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स, हकीकत भोपाल सहित चार यूनिट में केवल 38 का बल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

वन विभाग की स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स का नाम सुनकर ऐसा लगता है कि वाकई में यह कोई बड़ी फोर्स होगी या इसमें भारी भरकम अमला होगा। लेकिन हकीकत में ऐसा कुछ नहीं है। इसमें केवल 38 अफसर कर्मचारियों का बल काम कर रहा है , उनके पास भी हाइटेक संसाधन भी नहीं है। लंबे समय से टाइगर स्ट्राइक फोर्स की यह स्थिति बनी हुई है। प्रदेश या प्रदेश के बाहर फरार शिकारियों की धरपकड़ का जिम्मा इसमें कार्यरत अमले पर है। फिर भी देखने वाली बात यह है करीब 16 साल से काम कर रही इस विंग में न तो पर्याप्त बल दिया गया और न ही हाईटेक संसाधन। बड़ा सवाल यह है कि बिना संसाधन के स्ट्राइक फोर्स कैसे वन्यप्राणी अपराधों की जांच करे। विभाग में होने वाली बैठकों में कई बार संसाधन विहीन टाइगर स्ट्राइक फोर्स का मामला उठा लेकिन पर्याप्त बजट न मिलने के कारण स्थिति जस की तस बनी हुई है।

अलग खबर

गश्ती वाहन भी केवल 4 : स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की स्थिति यह है कि उसके पास भोपाल सहित चारों यूनिट में केवल 4 गश्ती वाहन हैं। यदि किसी वाहन में कोई खराबी आ जाए तो फिर यूनिट को किराए का वाहन लेना पड़ता है। जबकि शिकारियों की धरपकड़ और वन्यप्राणी अपराधों की जांच के लिए पर्याप्त गश्ती वाहन होना जरूरी है।

2008 में हुआ था गठन : वर्ष 2008 में स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स का गठन हुआ था। भोपाल सहित इंदौर, जबलपुर और शिवपुरी में इसकी चार इकाइयां काम कर रही हैं। इसमें फारेस्ट गार्ड, रेंजर से लेकर डीसीएफ तक कुल 60 पद स्वीकृत हैं, जिसमें चारों इकाइयों में 38 का अमला काम कर रहा है। 22 पद लंबे समय से खाली हैं, जिस पर किसी का ध्यान नहीं है। अफसरों की मानें तो फोर्स का काम वन्यप्राणी अपराधों में क्षेत्रीय इकाइयों का जांच में सहयोग करना। वहीं शिकायत या सूचना के आधार पर प्रदेश में कहीं भी स्ट्राइक फोर्स रेड कर सकती है।

पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ बोले-प्रयास जारी हैं: पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ मुख्यालय शुभरंजन सेन ने इस संबंध में कहा कि बल की कमी सभी जगह बनी हुई है। जहां तक स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स की बात है तो हम लोगों का प्रयास है कि जल्द से जल्द उसको पर्याप्त अमला मिल सके ताकि शिकारियों की धरपकड़ में कोई परेशानी न हो।

मुख्यमंत्री ने कहा, गांधीसागर अभयारण्य की जलवायु चीतों के लिए अनुकूल

अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा, आज छोड़े जाएंगे

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि इको सिस्टम के प्रॉपर डेवलपमेंट के लिए मध्यप्रदेश में वृहद स्तर पर काम हो रहा है। हमारी सरकार कूनो राष्ट्रीय उद्यान को एक आदर्श वन्य प्राणी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करेगी। प्रदेश में सिर्फ कूनो ही नहीं, अब मंदसौर जिले का गांधीसागर अभयारण्य भी चीतों से गुलजार होगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के सहयोग से आगामी 20 अप्रैल को गांधी सागर अभयारण्य में चीते छोड़े जाएंगे। कड़ी सुरक्षा में कूनो नेशनल पार्क से 2 चीते शिफ्ट कर गांधीसागर अभयारण्य में ले जाए जाएंगे। डॉ यादव ने कहा कि कूनो नेशनल पार्क में पर्यटन तेजी से बढ़े, इसके लिए मध्यप्रदेश सरकार ग्वालियर से कूनो के लिए डायरेक्ट रोड और एयर कनेक्टिविटी भी विकसित करने पर गंभीरता से विचार कर रही है। मुख्यमंत्री शुक्रवार को समत्व भवन, मुख्यमंत्री निवास में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव के साथ प्रदेश में चीता प्रोजेक्ट के क्रियान्वयन संबंधी समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे।

खास बातें

- कूनो आने वाले पर्यटकों को मिलेगी रोड-टू-एयर कनेक्टिविटी
- परिक्षेत्र में पर्यटन सुविधाएं बढ़ाने के लिए खोले जाएंगे दीदी कैफे
- मुख्यमंत्री और केंद्रीय वन मंत्री ने की चीता प्रोजेक्ट की समीक्षा

पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि केन्द्र सरकार के साथ मिलकर सबके सहयोग से हम चीतों का पुनर्वास करेंगे। ग्वालियर से कूनो नेशनल पार्क तक पक्की बारहमासी रोड बनाई जाएगी। कूनो में टेंट सिटी तैयार कर यहां आने वाले पर्यटकों को जंगल में प्रकृति के पास समय बिताने का सुनहरा अवसर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्रीय वन मंत्री यादव की मंशा के अनुरूप हम कूनो प्रक्षेत्र में इंटरनेशनल लेवल का एक पशु चिकित्सालय और रेस्क्यू सेंटर भी खोलेंगे। इसके लिए केंद्र सरकार से भी मदद लेंगे। पशु चिकित्सालय के संचालन से कूनों के चीतों के इलाज के साथ-साथ इस पूरे क्षेत्र में गौवंश के उपचार में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के नेचर टूरिज्म सेक्टर में निहित असीम संभावनाओं को एक्सप्लोर करेगी। राज्य के अधिक से अधिक युवाओं और महिलाओं को वन्य पर्यटन से जोड़ेंगे।

यहां जन्मे चीता शावकों का सर्वाइवल रेट अधिकतम

मुख्यमंत्री ने हर्ष व्यक्त किया कि मप्र में जन्मे चीता शावकों की जीवन प्रत्याशा (सर्वाइवल रेट) पूरे विश्व में सर्वाधिक है। चीतों के लिए जरूरी जलवायु की दृष्टि से गांधीसागर अभयारण्य अनुकूल है, इसलिए सरकार यहां चीते छोड़कर इस अभयारण्य को भी चीतों से गुलजार करेगी। चीता मित्र और महिला स्व-सहायता समूह की महिलाओं को टूरिस्ट गाईड भी बनाएंगे, कूनो में राज्य आजीविका विकास मिशन से दीदी कैफे संचालित किए जाएंगे, जिससे चीता मित्रों और महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा सकें।

केंद्रीय मंत्री ने दिया टॉस्क फोर्स बनाने पर जोर

केंद्रीय वन मंत्री भूपेंद्र यादव ने वन्य प्राणियों की पुनर्वास परियोजनाओं की देखरेख के लिए वन, पर्यटन, पशु चिकित्सा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, जनजातीय कार्य एवं परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों का एक टास्क फोर्स बनाया जाए।

थल सेना प्रमुख ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

भोपाल। देश के थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने शुक्रवार को समत्व भवन पहुंचकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुलाकात की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने पुष्प-गुच्छ, अंग वस्त्रम और राजा भोज की प्रतिमा भेंट कर थल सेना प्रमुख का स्वागत किया। वहीं सेना प्रमुख ने मुख्यमंत्री को मणिपुरी शैली में निर्मित राधा कृष्ण की प्रतिकृति भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस दौरान प्रदेश में जारी विकास गतिविधियों, उद्योगों के विस्तार तथा युवाओं में कौशल उन्नयन के लिए चलाए जा रहे अभियान की उन्हे जानकारी दी। इस अवसर पर प्रदेश में विद्यमान सैन्य इकाईयों के प्रबंधन संबंधी विषयों पर भी चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान लेफ्टिनेंट जनरल पी.पी. सिंह तथा मेजर जनरल सुमित भी उपस्थित थे।

'प्रसाद योजना' से संवरेगी मां पीताम्बरा की नगरी, 44.24 करोड़ रुपए मंजूर

- केन्द्र सरकार ने स्वीकृत की राशि, दतिया बनेगा आध्यात्मिक पर्यटन का नया केन्द्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मां पीताम्बरा की नगरी को प्रदेश का प्रमुख धार्मिक पर्यटन स्थल बनने के लिये सुविधा संपन्न बनाया जाएगा। केंद्र सरकार की 'प्रसाद योजना' के अंतर्गत मंदिर परिसर और उससे जुड़े क्षेत्र के विकास के लिए 44.24 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कही। उन्होने कहा कि इस योजना से धार्मिक स्थलों का कायाकल्प होगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था का सुदृढ़ीकरण होगा। 'प्रसाद योजना' का उद्देश्य भारत के प्रमुख धार्मिक स्थलों को स्वच्छ, सुव्यवस्थित और पर्यटकों के लिए सुविधाजनक बनाना है।

बता दें कि इस योजना के तहत पीताम्बरा पीठ, दतिया में प्रमुख विकास कार्य किए जा रहे हैं। इन सभी कार्यों का लक्ष्य दतिया स्थित मां पीताम्बरा पीठ को एक ऐसा धार्मिक गंतव्य बनाना है, जहां आस्था और आधुनिकता का समन्वय हो। इससे न केवल तीर्थयात्रियों को एक बेहतर अनुभव मिलेगा, बल्कि दतिया को सामाजिक, आर्थिक और पर्यटन की दृष्टि से भी नई ऊंचाइयाँ मिलेंगी।

2 किमी के मार्ग पर खुले स्थानों का विकास

प्रमुख सचिव, पर्यटन एवं संस्कृति और प्रबंध संचालक म.प्र. टूरिज्म बोर्ड शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि पीतांबरा पीठ में पर्यटन सेवाओं के विस्तार से पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। सुविधाएं बढ़ने से यह विकास तीर्थयात्रियों को आसानी होगी। हाइवे से मंदिर की ओर लगभग 2 कि.मी. के मार्ग पर पैदल आने वाले दर्शनार्थियों एवं वरिष्ठ जनों को ताजी हवा, खुला वातावरण और आराम प्रदान करने विशेष रूप से खुले स्थानों का विकास किया जाएगा। इन क्षेत्रों में हरियाली, बेंच, पेड़-पौधे और विश्राम करने के लिए स्थान होंगे। इससे पर्यटकों को ताजगी का अनुभव होगा।

सार्वजनिक सुविधाएं, इंटरप्रिटेशन सेंटर

शहर के नागरिकों और पर्यटकों के लिए आवश्यक बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इनमें स्वच्छ पेयजल, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, प्रकाश व्यवस्था, कचरा प्रबंधन और अन्य सार्वजनिक सेवाओं को उन्नत किया जाएगा। शहर अधिक सुविधाजनक और सुगम बनेगा।

रोटरी सहित मल्टी-लेवल कार पार्किंग भी

ग्वालियर एवं झांसी से आने वाले वाहनों/यात्रियों हेतु यातायात प्रबंधन को सुगम और सुरक्षित बनाने के लिए बम-बम भोले एवं हनुमान चौक पर रोटरी की डिजाइन की जाएगी। यह न केवल ट्रैफिक नियंत्रण में मदद करेगा बल्कि सौंदर्यीकरण में भी योगदान देगा। बढ़ती यातायात समस्या को ध्यान में रखते हुए, मंदिर के समीप बहु-स्तरीय कार पार्किंग का निर्माण किया जाएगा। इससे वाहनों की अव्यवस्थित पार्किंग की समस्या कम होगी और सड़कें अधिक व्यवस्थित रहेंगी। पार्किंग के भूतल पर दुकानों की व्यवस्था होगी। इससे दुकान व्यवस्थित हो सकेगी एवं श्रृद्धालुओं के लिये भी सुविधाजनक होगी। भविष्य में मल्टीलेवल पार्किंग को सीधे मंदिर पाथ-वे से जोड़ा जाएगा।

फुटपाथों का पुनर्विकास, स्मार्ट डिस्प्ले और संकेतक होंगे

पैदल यात्रियों की सुरक्षा और सुगमता को सुनिश्चित करने के लिए फुटपाथों का पुनर्विकास किया जाएगा। इसमें समतल और मजबूत फुटपाथ, प्रकाश व्यवस्था, छाया के लिये शेड, पौध-रोपण और बैठने की सुविधाएं जोड़ी जाएंगी ताकि लोग आराम से चल सकें। शहर में प्रमुख स्थानों, पर्यटन स्थलों, मंदिरों और सार्वजनिक सुविधाओं के बारे में जानकारी देने के लिए स्मार्ट डिस्प्ले और संकेतक लगाए जाएंगे। डिजिटल और इंटरैएक्टिव बोर्ड की मदद से यात्री और नागरिक आसानी से दिशाओं, सूचनाओं और आवश्यक सेवाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

सरकार पहले केंद्र सरकार के स्कीम पर सोसायटियों का पुनर्गठन कराएगी, इसके बाद ही चुनाव संभव

हाईकोर्ट की सख्ती के बाद सरकार ने सोसाइटियों का चुनाव कार्यक्रम तो जारी किया पर अभी सदस्य ही नहीं बने, सवाल है कि चुनाव कैसे होंगे

हरि अग्रहरि ▶▶ भोपाल

खास खबर

मप्र में 4,553 सहकारी सोसायटियों का चुनाव अभी नहीं हो पाएगा। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद राज्य सरकार ने 24 मार्च को पांच चरणों में चुनाव कराने का कार्यक्रम जारी किया है। यह चुनाव एक मई से 4 सितंबर तक होना है। पर तैयारी के नाम पर अभी तक में कुछ नहीं हुआ है। मेंबरशिप पूरी नहीं करा पाए। दूसरी तरफ, मप्र सरकार केंद्र सरकार के सहकार योजना के पुनर्गठन स्कीम की बाट जोह रही है। हाईकोर्ट में भी वही दलील देने की तैयारी है कि पुनर्गठन प्रक्रिया पूरी होने से पहले चुनाव कराना संभव नहीं है। ऐसे में 2025 में चुनाव करा पाना बेहद मुश्किल है। प्रदेश की सहकारी सोसायटियों में पिछले 12 साल से चुनाव नहीं हुए हैं। जबकि एक्ट में साफ लिखा है कि चुनी हुई सोसायटियों का कार्यकाल 5 वर्ष ही होगा। किंतु सरकार ने 2017 में चुनाव के बजाय प्रशासक की नियुक्ति कर दी। इसमें भी धांधली की शिकायतें हुई थी, किंतु मामला दब गया। 2018 में विधानसभा चुनाव होने से चुनाव टल गए। जब कांग्रेस की सरकार आई तो उसने भी चुनाव कराने की जहमत नहीं उठाई। सवा साल बाद वह सरकार भी गिर गई और कोरोना व अन्य कारणों से चुनाव टलता रहा। यह मामला अभी हाईकोर्ट में उठा तो कोर्ट ने सरकार से चुनाव कराने तथा कार्यक्रम जारी करने का सख्त निर्देश दिया। सरकार ने भी उसी अंदाज में चुनाव कार्यक्रम जारी करने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया।

भारत सरकार पुनर्गठन स्कीम भी बहाना बना

इस बीच भारत सरकार ने देश के सभी राज्यों से कहा कि उनके यहां चूंकि संख्या के अनुपात में सोसायटियों की संख्या कम है, ऐसे में इसका पुनर्गठन कराएं। मप्र सरकार को इस स्कीम का बहाना मिल गया। इस पुनर्गठन के लिए तीन महीने का समय तय किया गया है। इस पुनर्गठन के बाद प्रदेश में सोसायटियों की संख्या बढ़कर करीब 12 हजार हो जाएगी। दरअसल, प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक सोसायटी बनना है, अभी कई-कई पंचायतों को मिलाकर सोसायटी है। दिलचस्प यह है कि इस पुनर्गठन स्कीम की वजह से 2025 में चुनाव हो पाना मुश्किल है।

सोसायटियों में चुनाव नहीं होने से यह आ रही है दिक्कतें

प्रदेश की सहकारी सोसायटियों में चुनाव नहीं होने की वजह से सहकारिता का पूरा सिस्टम डंप पड़ गया है। सोसायटियों में किसानों से जुड़ी गतिविधियों के नाम पर महज खानापूर्ति हो रही है। बताते हैं कि प्रशासक उन सोसाटियों में जमकर मनमानी करते हैं, पर पंचायत का कोई प्रतिनिधि नहीं होने से वे कुछ नहीं कर पाते। सहकारिता विभाग में ही हजारों की संख्या में शिकायतें लंबित है। राजनैतिक हस्तक्षेप की वतह से कार्रवाई तो दूर उन शिकायतों की जांच भी नहीं हो पाती। सरकार की जिम्मेदारी का अहसास इसी से किया जा सकता है कि 13 साल पहले 2012 में सोसायटियों के चुनाव हुए थे, तब से लेकर आज तक नहीं हुए।

सोसायटियों में इस वक्त मेंबरशिप भी नहीं है

सबसे पहले नियमों के अनुसार सोसायटी मेंबर बनते हैं। इसके लिए एक मापदंड तय है कि अमुक किसान को ही सदस्य बनाया जा सकता है। यदि अभी मेंबरशिप की प्रक्रिया शुरू होती है तो कम से कम 60 दिन का समय लगना तय है। चूंकि पहले सोसायटियां मेंबरशिप की सूची देती है, फिर उसका प्रकाशन होता है। इसके बाद रजिस्ट्रीकरण अधिकारी की नियुक्ति होती है, मेंबरशिप का प्रकाशन स्थानीय स्तर पर होता है। इसके बाद यदि सदस्य संतुष्ट नहीं हैं तो अपीलीय अधिकारी नियुक्त कर उसका निराकरण कराया जाता है। अपीलीय अधिकारी की ओर से फाइनल सूची का प्रकाशन होता है। इसके बाद ही चुनाव आदि कराया जा सकता है।

हाईकोर्ट के निर्देश पर सोसायटियों का चुनाव कराने के लिए हम बाध्य हैं। हमारी तैयारी चल रही है, जैसे ही तैयारी पूरी हो जाएगी, उसी तारीख पर चुनाव करा लिया जाएगा।

अशोक वर्णवाल, अपर मुख्य सचिव, सहकारिता मप्र शासन

खड़े वाहन से टकराई बाइक, दो की मौत

भिलाई। बाइक सवार युवक खड़े मालवाहक से जा टकराए। इस घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया। घटना की सूचना मिलने पर मौके पहुंचकर शव को पीएम के लिए भेजवकर जांच में जुट गई है। छावनी थाना क्षेत्र के पावर हाउस में बाइक पर सवार तीन युवक घर से पार्टी में जाने के नाम से निकले थे। जैसे पावर हाउस के बिहारी होटल के पास पहुंचे, सड़क किनारे खड़े मालवाहक से जा टकराए। घटना में दो युवकों की मौके पर मौत हो गई और एक युवक आदित्य चौहान घायल हो गया।

नाबालिग समेत पांच आरोपी गिरफ्तार, करंट लगाकर किया प्रताड़ित

राजस्थान के दो युवकों से कोरबा में मारपीट

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

राजस्थान के दो युवकों के साथ करंट लगाकर बेरहमी से मारपीट की घटना में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। पीड़ित युवकों ने कोरबा से भागकर राजस्थान के गुलाबपुरा थाना में जाकर शिकायत की थी, जिसके आधार पर एफआईआर दर्ज हुई है।

घटनास्थल कोरबा में हुई है जिसका आधार पर कोरबा सिविल लाइन में मामला दर्ज कर आगे की जांच कार्यवाही शुरू की गई है। इस मामले में पांच आरोपी समेत एक नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है वहीं वीडियो के आधार पर और भी लोगों की गिरफ्तारी की जाएगी। पीड़ित युवकों का बयान सामने आया है कि अभिषेक भावी और विनोद भावी नामक दो युवकों को आइसक्रीम बेचने वाले छोटू और मुकेश शर्मा द्वारा काम करने के लिए कोरबा लाया गया था। युवकों ने वेतन की मांग की, जिससे नाराज होकर आरोपियों ने मारपीट की घटना को अंजाम दिया गया। मारपीट की घटना का वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें युवकों को चोरी के आरोप में पीटा जा रहा था। जहां युवकों के साथ करंट देकर मारपीट की गई, यही नहीं लात घूंसे और प्लास से नाखून और गुप्तांग में भी मारपीट की गई। दोनों पीड़ित किसी तरह कोरबा से गांव राजस्थान पहुंचे और परिजनों को आप बीती बताई। जहां गुलाबपुरा थाना में एफआईआर दर्ज कर पीड़ित युवकों की शिकायत पर एफआईआर दर्ज हुई है। जिसके आधार पर गुलाबपुरा थाना सिविल लाइन थाना क्षेत्र घटना स्थल बताया और सिविल लाइन में फिर मामला दर्ज किया गया है।

आइसक्रीम गोदाम सील

पुलिस ने इस मामले में तत्काल गंभीरता दिखाते हुए पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिनमें एक नाबालिग भी शामिल है। इस घटना के बाद खपराभट्ठा स्थित आइसक्रीम गोदाम को नगर निगम की टीम ने सील कर दिया है। नगर निगम की टीम ने गोदाम का निरीक्षण किया और उसे सील कर आगे की कार्रवाई करने की बात का कही। कोरबा सीएसपी भूषण एक्का ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की तैयारी कर रही है। वीडियो के आधार पर संदेहियों की तलाश जारी है।

महिला का पैर कटा अस्तपाल में भर्ती हालत नाजुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बालोद

जिले के बालोद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पैरी के पास भीषण सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। वाहन ने शव को काफी दूर तक घसीटा। गुंदना दही थाना क्षेत्र के ग्राम पैरी में उक्त वाहन को रोका गया है। घटना बालोद थाना क्षेत्र की है, लेकिन शव को घसीटते हुए गुंदर दही थाना क्षेत्र तक ले गया। थाना प्रभारी मनीष शेंडे ने बताया की शव को बालोद भेज रहे हैं। वहीं एक महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। मिली जानकारी के अनुसार, जिससे हादसा हुआ है वह माइंस की गाड़ी है, जो कि दुर्ग की ओर जा रही थी। दंपति बाइक से दुर्ग से बालोद की ओर आ रहे थे। इसी दौरान ट्रक ने दंपति की बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में महिला का पैर कट गया तो वहीं उसके पति की मौके पर ही मौत हो गई।

बाइक सवार दंपति को ट्रक ने मारी टक्कर, पति की मौत

बाइक सहित उसके पति को बड़ी गाड़ी ने काफी दूर तक घसीटा। थाना प्रभारी मनीष शेंडे ने बताया कि दोनों मृतक राजनांदगांव जिले के रवेलीडीह ननकट्ठी के रहने वाले हैं, जो निजी काम से आ रहे थे। घटना स्थल पर उनके परिजन पहुंचे हुए हैं। वहीं, मृतक के शव को जिला अस्पताल लाया गया है। महिला को भी नाजुक हालत में जिला अस्पताल लाया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **किशन, पुत्र चत्तर सिंह, निवासी सी-162/63, शाहबाद डेयरी, दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 653/20 भा.द.सं. की धारा 279 के तहत 3/181 एमवी एक्ट, थाना बवाना, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **किशन** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **किशन** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 653/20 भा.द.सं. की धारा 279 के तहत 3/181 एमवी एक्ट, थाना बवाना, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **किशन** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.06.2025** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री सार्थक पवार
महानगर दण्डाधिकारी-05 (उत्तर)
कमरा नं.114, प्रथम तल, रोहिणी कोर्ट्स, दिल्ली

DP/4850/ON/2025

वक्फ संशोधन कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा ममता सरकार पर सवाल खड़े करती है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार का संवैधानिक दायित्व है। दुर्भाग्य यह दिखा कि जब मुर्शिदाबाद दंगे की आग में जल रहा था, हिंदुओं को जान बचाने के लिए मालदा भागना पड़ रहा था, उस दौरान खुद ममता बनर्जी भाजपा व केंद्रीय एजेंसियों पर साजिश के आरोप मढ़ने में व्यस्त थीं। संसद में पास वक्फ संशोधित कानून का आम गरीब हिंदुओं से क्या वास्ता है, जो मुस्लिमों के जुल्म के शिकार हो रहे हैं, हिंदू अपने राज्य में ही शरणार्थी बनने को क्यों मजबूर हो रहे हैं? आखिर कौन लोग हैं जो हिंदुओं के घर जला रहे हैं, उनके खिलाफ हिंसा कर रहे हैं? और इन सबमें ममता सरकार कहां खड़ी है? नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कलकत्ता हाईकोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा। राज्यपाल सीवी आनंद बोस और राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्यों ने प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया है, इसमें स्थिति चिंताजनक बताई है। क्या सत्ता, राजनीति व वोट बैंक की अंधी दौड़ में एक महिला मुख्यमंत्री ने अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी को भी ताक पर रख दी है? क्या ममता को सत्ता में बने रहने का नैतिक हक है? मुर्शिदाबाद प्रकरण के विश्लेषण पर केंद्रित आजकल का यह अंक...

नागरिकों की सुरक्षा ममता का दायित्व

विश्लेषण
रवि शंकर
वरिष्ठ पत्रकार व राजनीतिक विश्लेषक

बंगाल में हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि केंद्र सरकार राज्य की भूमिका पर सीधे तौर पर उंगली उठा रही है। बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा है।

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान भड़की हिंसा राज्य की राजनीति पर कई सवाल खड़े कर रही है। इस घटना में कई लोग घायल हुए हैं, जिनमें पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। बंगाल में हिंसा की बढ़ती घटना को लेकर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर बीजेपी हमलावर है, वहीं राज्य में बिगड़ती कानून-व्यवस्था को लेकर बंगाल सरकार सवालों के घेरे में हैं। इतना ही नहीं, हिंसा के पीछे बांग्लादेशी उपद्रवियों की संलिप्तता और स्थानीय राजनीतिक नेतृत्व की भूमिका को लेकर गंभीर सवाल उठे हैं। ये सवाल केवल प्रशासनिक चूक की ओर इशारा नहीं करते, बल्कि यह भी संकेत देते हैं कि पूरे मामले में राज्य की भूमिका दायित्व निभाने में विफल रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल ये कि मुर्शिदाबाद की हिंसा अचानक भड़की या राजनीतिक फायदे के लिए ये एक सोची समझी रणनीति है? बहरहाल, हिंसा का सबसे गंभीर प्रभाव स्थानीय हिंदू समुदाय पर पड़ा, जिन्हें जान बचाकर मालदा की ओर पलायन करना पड़ा। ऐसे में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या यह सीमा पार से योजनाबद्ध घुसपैठ और धर्म आधारित हमलों की नई श्रृंखला की शुरुआत है? या पश्चिम बंगाल में वोटबैंक के लिए राजनीतिक लड़ाई है?

विस चुनाव पर असर डालेगी हिंसा

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि मुर्शिदाबाद की हिंसा आने वाले विधानसभा चुनाव पर असर डाल सकती है। बीजेपी इसे 'कानून व्यवस्था' और 'संवैधानिक अधिकारों' का मुद्दा बनाकर जनता को लामबंद करने की कोशिश कर रही है, वहीं टीएमसी इसे बीजेपी की 'ध्रुवीकरण की साजिश' बता रही है। इन घटनाओं का असर बंगाल ही नहीं, बल्कि झारखंड, बिहार और असम जैसे पड़ोसी राज्यों की राजनीति पर भी पड़ सकता है। मुर्शिदाबाद की घटना केवल कानून व्यवस्था का मामला नहीं है, बल्कि यह सामाजिक संतुलन, राजनीतिक जिम्मेदारी और संवैधानिक अधिकारों की भी परीक्षा है। प्रशासन ने हालात को काबू में बताया है, लेकिन स्थिति अभी भी नाजुक बनी हुई है। अब यह देखना अहम होगा कि क्या यह मामला राजनीतिक हथियार बनकर रह जाएगा या इसे सुलझाने के लिए कोई ठोस कदम उठाया जाएगा।

मुस्लिम वोट बैंक को साधने की कोशिश

इस हिंसा ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व पर सवाल खड़े कर दिए हैं क्योंकि देश के कई हिस्सों में वक्फ संशोधन के खिलाफ़ विरोध प्रदर्शन हुए हैं, लेकिन कहीं भी स्थिति मुर्शिदाबाद जितनी हिंसक नहीं हुई। हालांकि, ममता बनर्जी ने साफ कर दिया है कि राज्य में नया वक्फ कानून लागू नहीं किया जाएगा जिस पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष और बीजेपी नेता सुवेन्दु अधिकारी ने ममता सरकार पर आरोप लगाया कि बंगाल में 'हिंदू सुरक्षित नहीं हैं, स्थिति बहुत गंभीर, नाजुक है। राज्य में अगले साल मार्च-अप्रैल तक विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मुस्लिम समुदाय को साधने के लिए मुस्लिम नेताओं के साथ बैठक कर वक्फ संपत्तियों की रक्षा करने का आश्वासन दिया और कहा कि जब तक ममता सरकार है राज्य में इस कानून को लागू नहीं होने देगी। दीदी का यह रुख उनके 30 फीसदी मुस्लिम वोट बैंक को मजबूत करने की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है।

राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही बीजेपी

वहीं, बीजेपी राज्य में काफी ताकत लगा रही है। अगले साल होने वाले चुनाव को ध्यान में रखते हुए बीजेपी राज्य में ममता सरकार की खामियों को उजागर करने की कोशिश कर रही है। बीजेपी इस पूरे घटनाक्रम को एक राजनीतिक अवसर के रूप में देख रही है। पार्टी को लगता है कि यदि हिंदू मतदाता इस घटना को लेकर एकजुट होते हैं, तो यह टीएमसी के लिए राजनीतिक नुकसान का कारण बन सकता है। विशेषकर सीमावर्ती जिलों में जहां सुरक्षा और पहचान का मुद्दा संवेदनशील है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि इसे बीजेपी या टीएमसी कितना चुनावी लाभ में बदल पाती है। पश्चिम बंगाल की कुल आबादी में मुस्लिम समुदाय की अनुमानित भागीदारी 30 फीसदी है। ममता बनर्जी ने विधानसभा में कहा था कि सूबे में 33 फीसदी मुस्लिम हैं। मुस्लिमों का वोटिंग पैटर्न देखें तो इस वर्ग के बीच टीएमसी की पकड़ चुनाव दर चुनाव मजबूत हुई है। सेंटर फॉर स्टडीज ऑफ सोशल डेवलपमेंट (सीएसडीएस) के मुताबिक 2011 के चुनाव में 35 और 2014 के आम चुनाव में 40 फीसदी मुस्लिमों ने टीएमसी को वोट किया। 2016 के विधानसभा चुनाव में 55, आम चुनाव 2019 में 70 और 2021 के विधानसभा चुनाव में 75 फीसदी मुस्लिमों का समर्थन ममता बनर्जी की पार्टी को मिला था।

हिंदू वोटर्स के बीच कमजोर हुई टीएमसी

2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के मजबूत उभार का असर प बंगाल की सियासत पर भी पड़ा है। आंकड़ों पर गौर करें तो टीएमसी की पैठ मुस्लिम समुदाय के बीच मजबूत हुई है तो उसके हिंदू वोट में गिरावट आई है। बीजेपी हिंदू वोटबैंक में बड़ी सेंध लगाने में सफल रही है। सूबे के दो विधानसभा चुनावों के आंकड़े इसकी गवाही देते हैं। 2016 के विधानसभा चुनाव में टीएमसी को 43 फीसदी हिंदू वोट मिले थे। पिछले विधानसभा चुनाव में तस्वीर उलट गई। 2021 के चुनाव में बीजेपी को हिंदू मतदाताओं में से 50 फीसदी का समर्थन मिला तो वहीं टीएमसी का समर्थन 43 फीसदी से घटकर 39 फीसदी पर आ गया। बहरहाल, मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ भड़की हिंसा ने राज्य की राजनीति में नई हलचल पैदा कर दी है। जहां एक ओर सरकार अल्पसंख्यक समुदाय को आश्वासन देने में लगी है, वहीं विपक्ष इसे कानून-व्यवस्था की विफलता और तुष्टीकरण की राजनीति के रूप में देख रहा है। आने वाले दिनों में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि सरकार और विपक्ष इस मुद्दे को कैसे संभालते हैं और राज्य में शांति और स्थिरता कैसे बहाल होती है। राज्य में शांति जरूरी है।

पश्चिम बंगाल में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित हो

मुर्शिदाबाद
अर्चना कुमारी
स्वतंत्र पत्रकार

पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में वक्फ (संशोधन) अधिनियम को लेकर फैले तनाव ने राजनीतिक भूचाल ला दिया है। अर्धसैनिक बलों की तैनाती, हिंसा और पलायन की खबरों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। ऐतिहासिक रूप से संवेदनशील यह जिला अब वोट बैंक, प्रशासनिक विफलता और सांप्रदायिक संतुलन की सियासत का केंद्र बन गया है। केंद्र और राज्य सरकार के बीच अधिकार क्षेत्र की लड़ाई में तब्दील हो गया है। शांति के नाम पर की गई कार्रवाई अब राजनीतिक जमीन की खींचतान का अखाड़ा बन चुकी है। राजनीतिक दृष्टि से देखें तो यह घटना तृणमूल कांग्रेस की सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरी है। एक ओर वह मुस्लिम बहुल जिलों में अपनी पकड़ बनाए रखना चाहती है, वहीं दूसरी ओर हिंदू बहुल क्षेत्रों में बीजेपी के बढ़ते प्रभाव से भी जूझ रही है। ऐसे में एक धार्मिक समूह के भीतर से ही सरकार के खिलाफ प्रतिरोध की भावना उभर आना उसकी रणनीति के लिए खतरनाक संकेत है। 2021 के बंगाल चुनाव में मुख्य विपक्षी दल के रूप में उभरी बीजेपी इस बार अधिक आक्रामक रणनीति के साथ उतरने के संकेत दे चुकी है। ऐसे में वक्फ कानून के खिलाफ मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा ने पश्चिम बंगाल की सियासी फिजां में और गर्माहट ला दी है। शिक्षक भर्ती घोटाला और बांग्लादेशी घुसपैठ के मुद्दे पर आक्रामक बीजेपी को मुर्शिदाबाद हिंसा ने ममता बनर्जी की सरकार को तुष्टिकरण को लेकर कठघरे में खड़ा करने का मौका दे दिया है। बीजेपी ने इस घटना को तुरन्त लपक कर एक 'कानून-व्यवस्था की विफलता' का उदाहरण बताया और उसकी राष्ट्रीय राजनीति में 'अराजक बंगाल' की छवि को पुष्ट किया। ममता बनर्जी वक्फ को एक मुद्दा बनाना चाहती हैं और तृणमूल कांग्रेस लोगों में संदेश देना चाहती है कि केवल ममता दीदी ही उनकी रक्षा कर सकती हैं। वहीं, बीजेपी ने इसे लेकर ममता बनर्जी पर हमला बोलना शुरू कर दिया है और 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले धर्म के आधार पर ध्रुवीकरण की कोशिश की जा रही है।

बंगाल में हिंदू आबादी घटी

2011 की जनगणना के अनुसार, पूरे देश में हिंदू आबादी में 0.7 फीसदी की गिरावट आई। पश्चिम बंगाल में हिंदू आबादी में 1.94 फीसदी गिरावट आई है। वहीं, मुस्लिम आबादी में 1.77 फीसदी की वृद्धि हो गई है, जो अच्छी खासी बढ़ोतरी है। ये आंकड़े 2011 की जनगणना के मुकाबले हैं। बंगाल में 2001 में मुस्लिम आबादी 25 फीसदी थी, जो 2011 में बढ़कर 27 फीसदी के पार जा चुकी थी। आज बंगाल की 9.5 करोड़ की आबादी में करीब 2.5 करोड़ मुसलमान हैं।

क्यों बना सियासी अखाड़ा

मुर्शिदाबाद की 70 फीसदी से अधिक आबादी मुस्लिम है और 30 प्रतिशत हिंदू जनसंख्या है। यह सांख्यिकी हर राजनीतिक दल के लिए रणनीति का अहम हिस्सा बन जाती है। वक्फ अधिनियम को लेकर उपजे विवाद में भी यह तथ्य केंद्र में है। यह सिर्फ धार्मिक या सामाजिक विवाद नहीं, बल्कि एक बड़े वोट बैंक की लड़ाई भी बन चुकी है। शिक्षा में इस जिले की साक्षरता दर केवल 65 फीसदी है और महिलाओं की स्थिति और भी चिंताजनक है। राजनीतिक बहसें चाहे जितनी तीखी हों, लेकिन शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे मुद्दे यहां की जनता की असल चिंता हैं, जो अक्सर इन वाद-विवादों के शोर में दब जाते हैं। आज जब मुर्शिदाबाद की आबादी 90 लाख के करीब है। तो यह सवाल और भी अहम हो जाता है कि क्या यह जिला अपनी ऐतिहासिक विरासत को पुनः जागृत कर सकता है, या फिर यह लगातार सियासी प्रयोगशाला बना रहेगा? वक्फ विवाद ने एक बार फिर यह दिखाया कि विकास की राह तब तक साफ नहीं हो सकती जब तक प्रशासनिक इच्छाशक्ति और सामाजिक संवाद का संतुलन न बने। यह भी ध्यान देने योग्य है कि हिंसा की घटनाएं अक्सर उन इलाकों में केंद्रित होती हैं जहां आर्थिक हताशा और बेरोजगारी अधिक होती है। मुर्शिदाबाद की अर्थव्यवस्था परंपरागत शिल्प, बुनकरी और कृषि पर आधारित है जो पिछले एक दशक से लगातार संकट में है। जब आजीविका के स्रोत क्षीण हो जाते हैं और शासन व्यवस्था अपने ही नागरिकों की आकांक्षाओं के प्रति संवेदनशील नहीं रहती तो आक्रोश के लिए कोई भी बहाना पर्याप्त हो सकता है। हिंसा का यह सामाजिक आधार, राजनीतिक उपेक्षा और सांस्कृतिक अस्थिरता तीनों एक साथ मिलकर एक विस्फोटक परिस्थिति तैयार करते हैं। खैर, मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा को लेकर हर कोई चिंतित है। आम आदमी चाहता है कि शांति बनी रहे और जो लोग बेघर हो गए हैं, उन्हें जल्द से जल्द मदद मिले। फिलहाल, स्थिति तनावपूर्ण है। पश्चिम बंगाल के सभी नागरिकों की सुरक्षा ममता बनर्जी सरकार की जिम्मेदारी है।

शासन शून्यता के शिकार हो रहे गरीब हिंदू

दो टूक
विकेश कुमार बडोला
वरिष्ठ स्तंभकार

यह प्रथम अवसर नहीं है जब तुच्छ राजनीतिक स्थापना के लिए मुस्लिमों को भड़काकर शासनगत सभ्यता को कुचला गया गया और राष्ट्रव्यापी अराजकतापूर्ण दुर्भावना का असुरक्षित वातावरण बनाया गया। इस बार यह अनुपयोगी खटकर्म पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद तथा समीपस्थ क्षेत्रों में हुआ। तथाकथित वक्फ संशोधन के विरोध में देश के अभाजपाई प्रदेशों में मुस्लिमों की आड़ में जो हिंसा, तोड़फोड़ और हिंदू विरोधी घटनाएं हुई हैं, मुर्शिदाबाद उन घटनाओं का केंद्र स्थल बन गया। यहां गरीब हिंदुओं के निवास-स्थानों पर भीड़ ने ईंट, पत्थर, पेट्रोल बम, अस्त्र-शस्त्रों से हमला किया। हिंदुओं के घरों को तोड़ा गया। कुछ हिंदुओं की वीभत्स तरीके से हत्या की। ऐसी अराजकता एक-दो दिनों तक ही सीमित नहीं रही थी। यह हफ्तों तक होती रही। प्रदेश शासन और मुख्यमंत्री ने इस पर दिखावटी रोष भी प्रकट नहीं किया। ऐसी शासन शून्यता एवं अराजकता के भयंकर वातावरण में मुख्यमंत्री जिह्वा सील कर अदृश्य होकर बैठी हुई थी।

मुख्यमंत्री ने हिंसा पर साधी चुप्पी

जब प्रदेश की मुख्यमंत्री ने ही ऐसी घटनाओं पर अप्रत्याशित चुप्पी साध ली तो फिर भला प्रांतीय मानवाधिकार संगठन, न्यायालय, मीडिया या अन्य हिंदू हितैषी इकाइयां क्या प्रतिरोध करतीं। हिंदू तो इस अराजक घटना में ही नहीं बल्कि विगत दो हजार वर्षों में उसके विरुद्ध हुई असंख्य अराजक घटनाओं में भी सत्ता या शासन का शक्तिशाली समर्थन कभी प्राप्त ही नहीं कर पाया। इसके बाद भी हिंदूजन धार्मिक रूप में स्वावलंबी नहीं बन सका है। वह अभी भी धर्म की भीरुता में जकड़ा हुआ है। वह अभी भी हिंदू धर्म की अस्त्र-शस्त्र युक्त जीवनशैली अपनाकर आत्मरक्षा हेतु कटिबद्ध नहीं हो पाया है। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। हिंदुओं की सबसे बड़ी राजनीतिक प्रतिनिधि समझी जाने वाली भाजपा ने भी इस विषय पर हिंदू भावनाओं के अनुरूप राष्ट्रव्यापी या राज्यव्यापी विरोध नहीं किया। सर्वोच्च न्यायालय के मुस्लिम हितैषी अधिवक्ताओं एवं न्यायाधीशों की दशा-दिशा ये है कि वे हिंदू मंदिरों की समितियों में भी मुस्लिम सदस्य न होने के संबंध में चिंतातुर हैं। यहां दुःख इस बात का नहीं है कि हिंदू विरोधियों ने पलायन करने को विवश मुर्शिदाबाद के हिंदुओं का कुछ भी समर्थन नहीं किया। वे तो मुस्लिमों के वोट पर आश्रित हैं ही और इसीलिए मुस्लिमों द्वारा हिंदू दमन की पराकाष्ठा होने तक भी हिंदुओं का राजनीतिक समर्थन-संरक्षण नहीं करेंगे। बल्कि पीड़ा इस बात की है कि हिंदुओं के मताधिकारों द्वारा गत दस वर्षों से केंद्र की सत्ता में बैठी भाजपा ने 2019 में पूर्ण बहुमत के साथ सत्तारूढ़ होने के बाद भी वक्फ इत्यादि, हिंदुओं के लिए निरर्थक विषयों पर तब ही आरपार के राजनीतिक, संविधानिक निर्णय क्यों नहीं ले लिए। अब यदि वक्फ पर संशोधन के संसदीय निर्णय के बाद अभाजपायी प्रांत पश्चिम बंगाल में विरोध उमड़ रहा है अथवा भारत में बैठे व बांग्लादेश-पाकिस्तान के षड्यंत्रकारियों द्वारा मुर्शिदाबाद को इस सीमा तक अस्थिर किया जा रहा है कि हिंदू वहां से पलायन करने को विवश हैं, तो इसमें भाजपा के केंद्रीय शासन का शासकीय कर्तव्य, विरोध, प्रतिरोध और हिंदुओं के रक्षण-

संरक्षण की उनकी प्रतिक्रिया का क्या! अगस्त 2024 से लेकर अभी तक चाहे बांग्लादेश में तख्तापलट की समयावधि में वहां के हिंदुओं पर हुए मुस्लिमों के हमले हों अथवा वक्फ संशोधन के विरोध की आड़ में पश्चिम बंगाल स्थित मुर्शिदाबाद व समीपस्थ क्षेत्रों में हिंदुओं पर हुए अवैध घुसपैठियों के हमले, दोनों ही अवसरों पर केंद्र के भाजपा शासन ने हिंदुओं की भावनाओं का सम्मान नहीं किया।

अराजक गतिविधियां जारी

मुस्लिमों की धृष्टता अब किसी एक प्रांत तक सीमित नहीं रही। पाकिस्तान व बांग्लादेश स्थित भारत विरोधी आतंकियों के साथ मिलकर भाजपायी हो अथवा अभाजपायी दोनों ही प्रकार के शासन से युक्त भारतीय प्रांतों में रह-रह कर अराजक गतिविधियां होती रही हैं। चाहे 2019 में ट्रंप के भारत आगमन पर राजधानी दिल्ली में आप पार्टी के मुस्लिम विधायकों के नेतृत्व में हुआ दंगा हो अथवा हरियाणा स्थित नूंह-नल्लड़ में हिंदू शोभायात्रा पर हमला, हर बार हिंदुओं को ही पीड़ित होने के बाद भी न्याय के लिए तरसना पड़ता है। चाहे चैंपियन ट्राफी में मध्य प्रदेश में भारत की विजय पर हो रहे प्रसन्नता-प्रदर्शन में मुस्लिमों द्वारा हिंदुओं पर घात लगाकर किया गया आक्रमण हो अथवा छावा फिल्म के प्रदर्शन के उपरांत हिंदू भावना को प्राप्त धर्मबल को कुचलने के षड्यंत्र से नागपुर में हिंदू कॉलोनी में किया गया हमला हो, हर स्थान पर हिंदूजन ही पीड़ित, दमित और विचलित दिखाई देता है।

हिंदुओं के संरक्षण का अभाव

ऐसी परिस्थितियों में, हिंदुओं की धार्मिक आस्था के माध्यम से, चाहे राम मंदिर हो अथवा महाकुंभ का माहभर से अधिक चला मेला, दोनों उपक्रमों के आधार पर, राजस्व अर्जन कर रही केंद्र व राज्य सरकारें हिंदुओं का ही परिरक्षण, संरक्षण कर पाने में असमर्थ हैं तो क्यों! अभाजपायी प्रांतीय सत्ताओं से तो हिंदुओं को पहले भी कभी कोई आशा नहीं थी कि वे उनके लिए कुछ करेंगी, किंतु भाजपायी केंद्रीय व प्रांतीय शासकों को अब स्वयं में एक नवदृष्टि विकसित करनी होगी कि वे हिंदुओं की नागरिक सभ्यता, करदाता के रूप में उसके समर्पित दायित्व और सर्वोपरि जीने व जीवन के उसके मौलिक अधिकार की हर स्थिति में रक्षा-सुरक्षा करे। यदि भाजपा के नेतृत्व में ऐसा अभ्यास नहीं होता है, तो आगामी चुनावों में क्रुद्ध हिंदू के पास 'नोटा' के विकल्प के अतिरिक्त कोई अन्य मार्ग शेष नहीं होगा। इस बीच एक हतोत्साहित करने वाला समाचार देखा कि भारतीय क्रिकेट टीम बांग्लादेश में क्रिकेट खेलने जाएगी। बांग्लादेश के कारण गत सात-आठ माह से भारत के विभिन्न हितों की कितनी हानि हुई है! इस संदर्भ को सम्मुख रखकर यदि विचार किया जाए तो बांग्लादेश से तो हर प्रकार का संबंध विच्छेद कर उस पर सैन्य हमला कर देना चाहिए, किंतु दुर्भाग्य देखिए कि शासन को भारतीयता तथा हिंदू अस्मिता से अधिक प्रिय क्रिकेट का कारोबार दिखाई दे रहा है।

दुर्भाग्य इतने तक ही सीमित नहीं है। जब मुर्शिदाबाद में गरीब, असहाय और निरुपाय हिंदुओं पर प्राणघाती हमला हो रहा था और जीवनरक्षा के लिए वे पलायन कर रहे थे, तो महानगरीय भारतीय लोगों के लिए इससे महत्वपूर्ण आईपीएल के क्रिकेट मैच बने हुए थे। हिंदुओं की भावनाओं का भरपूर दोहन हो रहा है। कभी राम मंदिर बनवाकर तथा कभी महाकुंभ का आयोजन करके हिंदुओं की धार्मिक आस्था के बल पर अर्थव्यवस्था में वृद्धि करके तो अब भारतीय युवा पीढ़ी को एक माह तक आईपीएल में 3 करोड़ जीतने के लालच में झोंककर। इन सभी गतिविधियों में हिंदुओं के माध्यम से शासकीय धनार्जन हो रहा है, पर तरह-तरह की सहायिकी उनको दी जा रही है जो हिंदुओं के पूर्ण दमन का संकल्प उठाये हुए हैं। स्थिति सोचनीय है।

मुर्शिदाबाद हिंसा के कुछ अनुत्तरित सवाल

वक्फ विरोध
चेतनादित्य आलोक
वरिष्ठ पत्रकार, स्तंभकार एवं राजनीतिक विश्लेषक

पश्चिम बंगाल के हिंसाग्रस्त मुर्शिदाबाद के धुलियान कस्बे में वैसे तो वक्फ कानून का विरोध 08 अप्रैल से चल रहा था, लेकिन शुक्रवार 11 अप्रैल को जुमे की नमाज के बाद इलाके में माहौल अचानक तब बिगड़ गया, जब लगभग 150 लोगों ने मोहल्ले के निहत्थे और मासूम निवासियों पर जोरदार हमला कर दिया। जब 51 साल की बेबस और लाचार महिला जानकी मंडल ने फूट-फूट कर रोते हुए अपनी आंखों के सामने घटी घटना का टीवी पर वर्णन किया तो सचमुच बहुत दुःख हुआ। वह बता रही थीं कि बेकाबू भीड़ ने हिंदुओं के घरों और दुकानों में आग लगा दी। पुरुषों को मारा-पीटा और सबकी आंखों के सामने ही उनकी बेटी-बहुओं और माताओं का मान लूटने की कोशिश की।

अपने ही देश में शरणार्थी बने

उग्र भीड़ में शामिल आततायियों ने मोहल्ले वालों को धमकी दी कि भाग जाओ, वरना मारे जाओगे और लाचार मोहल्ले वाले चुपचाप यह सब देखते-सुनते रहे। फिलहाल, अपने ही देश में मालदा के वैष्णव नगर स्थित एक स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहीं जानकी मंडल ने यह भी बताया कि कैसे वह अपनी इज्जत और जान बचाकर बच्चों के साथ वहां से भागी थीं। बता दें कि यह पीड़ा केवल जानकी मंडल की नहीं, बल्कि वैष्णव नगर के स्कूल में शरणार्थी बनकर रह रहे लगभग चार दर्जन हिंदू परिवारों की भी है, लेकिन ऐसा सोचना मूर्खता होगी कि मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के सबसे अधिक पीड़ित और दुखी धुलियान कस्बे के लोग ही हैं। और ऐसा सोचने की भूल तो कदापि नहीं करनी चाहिए कि इस भयावह पीड़ा और संत्रास वाली निर्मम घटनाओं की चौहद्दी धुलियान कस्बे तक ही सीमित है, बल्कि सच तो यह है कि मुर्शिदाबाद के विभिन्न इलाकों से आने वाली इस पीड़ा और संत्रास की चीखें दूर-दूर तक किसी भी संवेदनशील व्यक्ति के लिए हृदय विदारक रही हैं। जाहिर है कि दुःख-दर्द, निराशा, हताशा, बेबसी, लाचारी और आक्रोश से भरी बिल्कुल धुलियान के लोगों जैसी ही कहानियां कई अन्य इलाकों की भी है। टीवी चैनलों की भीड़ में एक चैनल पर शमशेरगंज इलाके के प्रसेनजीत दास ने भी रोते-कलपते हुए अपनी आपबीती तथा आंखों देखी घटनाएं बताई। गौरतलब है कि मुर्शिदाबाद हिंसा के मृतकों में से दो लोग प्रसेनजीत दास के परिवार से ही थे। मृतकों में एक उनका चचेरा भाई हरगोविंद दास और दूसरा भतीजा चंदन था। प्रसेनजीत के अनुसार 10 अप्रैल की रात में लगभग 400 लोगों की भीड़ तलवार और छुरियां लहराते हुए मोहल्ले में घुसी। भीड़ में शामिल आततायियों ने 25 से 30 घरों, होटलों, दुकानों आदि में तोड़-फोड़ की और उन्हें आग के हवाले कर दिया। आंखों में भय भरकर प्रसेनजीत ने बताया कि भीड़ बहुत उग्र थी, इसलिए हमलोग उनसे भिड़ने की हिम्मत नहीं जुटा पाए और जो कुछ वे करते रहे हमलोग चुपचाप देखते रहे। उक्त घटना के संबंध में एक अन्य बेहद खौफजदा व्यक्ति ने बताया कि भीड़ की उग्रता और आतंक इतना था कि कोई कुछ भी करने में असमर्थ महसूस कर रहा था। इसलिए सभी अपनी-अपनी जान बचाकर भागने में ही

लगे रहे। जाहिर है कि ये सभी आपबीती तथा आंखो देखी पीड़ा-व्यथाएं बिल्कुल सच्ची हैं। इनके अलावा, एक और सच, जिसे अब पूरी दुनिया जान और समझ चुकी है, वह यह कि इतनी बड़ी घटना घट जाने के बाद भी बंगाल सरकार की मुखिया ममता बनर्जी की 'ममता' अब तक नहीं जाग पाई है। जरा सोचिए, कि बंगाल के मुर्शिदाबाद के सुती, धुलियान, शमशेरगंज और जंगीपुर इलाकों में हुई हिंसा में कम से कम 03 लोगों की जान चली गई, 15 पुलिसकर्मी घायल हुए और सैकड़ों लोग बेघर हो गए। हालांकि, इस मामले में अब तक 300 से भी ज्यादा लोग गिरफ्तार किए गए हैं। वहीं, कोलकाता हाईकोर्ट के आदेश के बाद हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय सुरक्षा बलों के 1600 जवान भी तैनात किए जा चुके हैं।

बीएसएफ व सीआरपीएफ तैनात

हिंसा प्रभावित शमशेरगंज के एक निवासी हबीबउर रहमान ने न्यूज एजेंसी को बताया कि बीएसएफ और सीआरपीएफ की तैनाती के बाद इलाके में माहौल शांत है। वैसे, खबरें यह भी आ रही हैं कि प्रशासन ने लोगों से दुकानें खोलने और अनुशासन बनाए रखने की बात कही है। वहीं, पीड़ित हिंदू परिवारों ने बीएसएफ की स्थायी तैनाती की मांग की है।

चुनावी रणनीति में बिजी ममता

उनके भीतर उस उग्र भीड़ का ऐसा खौफ समाया है कि उन्हें लगता है कि यदि बीएसएफ हटी तो फिर से स्थितियां खराब हो सकती हैं। लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा प्रतीत होता है कि ममता बनर्जी मृतकों और घायलों से मिलने व उनके आंसू पोंछने के बजाए लगभग एक वर्ष के बाद होने वाले बंगाल चुनाव की गोटियां बिछाने में लगी हैं। जाहिर है कि यदि ऐसा नहीं होता तो वह कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम पहुंचकर इमामों से मिलने के बजाए मुर्शिदाबाद हिंसा कांड के पीड़ित-प्रताड़ित, खौफजदा, बेबस और लाचार भुक्तभोगी परिवारों से मिलने, उनको मदद पहुंचाने और उनका दुःख-दर्द बांटने जातीं। यदि यह भी मान लें कि उनकी कोई राजनीतिक मजबूरी रही होगी, तो कम-से-कम पीड़ितों को सांत्वना देने के लिए वह अपना एक प्रतिनिधि ही भेज देतीं, लेकिन अब तक उन्होंने ऐसा भी नहीं किया है। हां, मृतकों के परिवारों को 10-10 लाख रुपये मुआवजा देने की घोषणा उन्होंने अवश्य की है। बहरहाल, उक्त घटना के गर्भ से कुछ बेहद गंभीर सवाल उठे हैं, जो सरकारों और सुरक्षा एजेंसियों को कठघरे में खड़े करने की ताकत रखते हैं। जरा सोचिए, कि कहां तो हम बांग्लादेश के हिंदुओं की चिंता करते नहीं अघाते थे, लेकिन हम तो अपने ही घर बंगाल के हिंदुओं की रक्षा कर पाने में असमर्थ साबित होने लगे हैं। और तो और, अब जांच एजेंसियां बता रही हैं कि मुर्शिदाबाद हिंसा की योजना तुर्की में बनाई गई थी, जिसे बांग्लादेश के रास्ते बंगाल तक पहुंचाया गया।

खुफिया एजेंसियों पर सवाल

इसके लिए बाकायदा 2 महीने पहले ही ट्रेनिंग दी गई थी, जिसमें पुलिस से बचकर दंगा भड़काने और स्थानीय मदरसों से मदद लेने की भी बातें शामिल हैं। इस पर दो बेहद गंभीर सवाल बनते हैं। पहला, हालात ये हैं कि बांगलादेश में हिंदू प्रताड़ित हो रहे हैं और यूनुस सरकार चुप बैठी है। इधर, हिंदू पश्चिम बंगाल में भी सुरक्षित नहीं हैं। ममता सरकार अपना संवैधानिक दायित्व नहीं निभा रही है। दूसरा सवाल, यह कि राज्य और केंद्र की हमारी सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां क्या कर रही थीं कि तुर्की में बनी और बांग्लादेश के रास्ते मुर्शिदाबाद तक पहुंची योजना को हम विफल नहीं कर पाए। जब हिंसा के दौरान बांग्लादेश से भारत में 71-150 कॉल किए गए, तब हमने उन्हें इंटरसेप्ट क्यों नहीं किया। वास्तव में ये कुछ सवाल हैं, जिनके उत्तर मिलना अभी शेष हैं।

सरकार की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहा है किसान

हरियाणा में गेहूं की फसलों में आग लगने से हुआ करोडों का नुकसानः सैलजा

कहा, स्पेशल गिरदावरी करवाकर पीड़ित किसानों को जल्द से जल्द मुआवजा दे सरकार

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हरियाणा सरकार की लापरवाही का खामियाजा किसान आज तक भुगतता आ रहा है, बिजली की ढीले तारों को कंसने के लिए हर साल पैसा पानी की तरह से बहाया जाता है पर गेहूं की फसलों में आग लगने का सिलसिला आज तक नहीं थमा है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार को प्रदेशभर में हजारों एकड़ गेहूं की फसलों में आग से करोड़ों का नुकसान हुआ। आग से हुए नुकसान की भरपाई के लिए स्पेशल गिरदावरी करवाकर पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिया जाए। एक एकड़ गेहूं की फसल जलने पर किसान को 75 हजार रुपए का नुकसान होता है।

बिजली के तारों को कंसने को पैसा पानी की तरह से बहाया जा रहा

एकड़ गेहूं की फसल जलने पर किसान को 75 हजार का नुकसान

हर साल सरकार केवल आश्वासन देती रही, लेकिन कार्य नहीं किया गया

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने शनिवार को कहा कि गेहूं की फसलों में आग से हर साल करोडों रुपए का नुकसान होता है, जलती हुई फसल के साथ किसानों के सारे अरमान भी स्वाह हो जाते है। अधिकतर आग लगने की वारदातें बिजली के ढीली तारों में होने वाली स्पार्किंग होती है, हर साल सरकार किसानों को आश्वासन देती है कि फसल कटाई से पहले ढीली तारों को कसवा दिया जाएगा पर आग लगने का सिलसिला कभी थमा ही क्योंकि तारों को कभी कसा ही नहीं गया, तारों की कसने का काम कागजों में जरूर दिखाया जाता रहा है। इस बार भाजपा सरकार के बिजली मंत्री की ओर से घोषणा की गई कि फसलों की कटाई को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह से शाम तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी अगर आपूर्ति बंद की गई तो फिर तारों से निकलने वाली चिंगारी से फसलों में आग कहा से लग रही है। कुमारी सैलजा ने कहा कि एक ओर ग्रामीण क्षेत्रों की आपूर्ति दिन में बंद रखी गई अगर ग्रामीण क्षेत्रों की फैक्टिरयों की बिजली आपूर्ति जारी रही जबकि दोनों ही आपूर्ति को बंद रखना चाहिए। वैसे बिजली आपूर्ति रखने से पहले सरकार ने अगर भूमिगत बिजली की केबिल बिछाने पर ध्यान दिया होता तो इस प्रकार के हादसे न होते।

40-50 खेतों में गेहूं की खड़ी फसल जली

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि शुक्रवार को प्रदेश भर में हजारों एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल आग से स्वाह हो गई। लगभग सभी स्थानों पर आग लगने का कारण बिजली की तारों में हुई स्पार्किंग को ही माना जा रहा है। हरियाणा में गेहूं की फसल जलने से किसानों को करोड़ों रुपए का नुकसान हुआ है। फतेहाबाद में बिजली लाइन में फाल्ट से लगी आग से 20 एकड़ फसल जलकर राख हो गई, जिससे किसानों को हजारों का नुकसान हुआ। जींद जिले में भी बिजली शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल जल गई। अंबाला में भी गेहूं और चना की फसल जलकर राख हो गई। अंबाला के नगला और फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में हुई हैं। फरीदाबाद के बल्लभगढ़ में, बिजली के खंभों और तारों से चिंगारी निकलने के कारण आग लगी, जो फतेहपुर बिल्लोच, लड़ौली और शाहपुरा कला गांवों में फैल गई। आग लगने से 40-50 खेतों में गेहूं की खड़ी फसल और कुछ जगह पर कटी हुई फसल जल गई।

कई जिलों में फसल स्वाह हुई

कुमारी सैलजा ने कहा कि सिरसा जिला में भी शुक्रवार रात कई स्थानों पर लगी आग से करीब चार सौ एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल स्वाह हो गई। सिरसा जिला में गांव लुदेसर, हंजीरा, रूपावास, सुचान में आग से गेहूं की फसलों को भारी नुकसान हुआ। बिजली विभाग की लापरवाही से एक किसान को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। राष्ट्रीय राजमार्ग 9 पर गांव पंजुआना के पास भंगू रोड पर हाई वोल्टेज लाइन में शॉर्ट सर्किट से गेहूं की खड़ी फसल में आग लग गई। जिससे सात एकड़ गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। किसानों का कहना है कि खेत के ऊपर से गुजर रही हाई वोल्टेज लाइन में पिछले कई दिनों से स्पार्किंग हो रही थी। जिसकी शिकायत बिजली विभाग के सब डिवीजन कार्यालय में की थी, लेकिन विभाग ने कोई कार्रवाई नहीं की। इन आग की घटनाओं के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है।

खबर संक्षेप

नाबालिग से गैंगरेप डेंटिस्ट-व्यापारी पर केस

चंडीगढ़। सेक्टर 19 थाना पुलिस ने एक डेंटिस्ट और मुल्लांपुर के एक कपड़ा व्यापारी पर गैंगरेप का केस दर्ज किया है। दुष्कर्म के मामले में फंसाने की धमकी देकर 5 लाख की रंगदारी मांगने के आरोप में डेंटिस्ट की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सामूहिक दुष्कर्म की एफआईआर दर्ज कर मुल्लांपुर थाने को भेजी है।

मंदिर की छत गिरी 3 भाई-बहन की मौत

औरैया। जिले में बिधूना कोतवाली क्षेत्र के गांव मढा माझी झील में बहुत बड़ा हादसा हो गया। अनियंत्रित ट्रैक्टर मंदिर के पिलर से टकरा गया। इससे मंदिर की छत टूटकर नीचे गिर गई, जो एक परिवार पर गिर गई। हादसे में 4 लोग गंभीर घायल हो गए। डॉक्टर ने भाई-बहन को मृत घोषित कर दिया, जबकि पिता-पुत्री की हालत गंभीर है।

मलयालम एक्टर शाइन टॉम चाको गिरफ्तार

कोच्चि। केरल के मशहूर मलयालम अभिनेता शाइन टॉम चाको को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। शाइन पर ड्रग्स लेने और नशीले पदार्थों का सेवन करने का आरोप है। केरल के एर्नाकुलम टाउन के नॉर्थ पुलिस स्टेशन में चार घंटे तक उनसे पूछताछ की गई, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया है।

14वीं मंजिल से कूदकर आर्किटेक्ट ने दी जान

जयपुर। यहां एक सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां 42 वर्षीय आर्किटेक्ट ने हाईराइज बिल्डिंग की 14वीं मंजिल से कूदकर जान दे दी। मृतक की पहचान भरत कुमारके रूप में हुई है। भरत ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा। उन्होंने राजस्थान प्रशासनिक सेवा की अधिकारी और उनके पति को जिम्मेदार ठहराया है।

शाहजहांपुर में विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने किया प्रदर्शन

ममता सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा, राष्ट्रपति शासन लगाएं

एजेंसी ▶▶ शाहजहांपुर

यहां विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता शनिवार को खिरनीबाग स्थित जीआईसी मैदान में एकत्र हुए। कार्यकर्ता वहां से जुलूस की शक्ल में कलक्ट्रेट पहुंचे। कलक्ट्रेट गेट पर कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। कलक्ट्रेट गेट पर ज्ञापन देने से पूर्व प्रांत मंत्री अनुज सिंह ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की ममता सरकार भारत के संघीय ढांचे को ध्वस्त कर अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए किसी भी सीमा तक जा सकती है। पश्चिम बंगाल में राष्ट्रीय सुरक्षा खतरे में आ चुकी है। बांग्लादेशी व रोहिंग्या घुसपैठियों को निर्बाध रूप से आने दिया जा रहा है। उनके आधार कार्ड बनाए जा रहे हैं। विहिप ने पश्चिम बंगाल में राष्ट्रपति शासन लगाने, हिंसा की जांच एनआईए से कराने और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की।

हिंसा की जांच एनआईए से कराने और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग की

बंगाल सरकार ने संघीय ढांचे को ध्वस्त किया

घुसपैठियों की पहचान कर उनको देश से निष्कासित करें

इसके अलावा पश्चिम बंगाल की कानून व्यवस्था का संचालन केंद्रीय सुरक्षा बलों के हाथों में देने, घुसपैठियों की पहचान कर उनको देश से निष्कासित करने और पश्चिम बंगाल व बांग्लादेश की सीमा पर तार लगाने का काम करने का मुद्दा भी उठाया। ज्ञापन देने वालों में महानगर मंत्री धर्मेंद्र सिंह, अभिनव ओमर, सुमित खन्ना, श्रीओम गुप्ता, नवनीत त्रिपाठी आदि थे।

राज्यपाल ने फोन नंबर दिया और बोले- शांति चाहते हैं लोग, केंद्र को भेजेंगे रिपोर्ट

बोस ने मुर्शिदाबाद में हिंसा पीड़ितों से मुलाकात की। बोस ने कहा कि केंद्र सरकार को प्रदेश की कानून-व्यवस्था से जुड़ी रिपोर्ट भी भेजेंगे। बोस ने कहा कि पीड़ित सुरक्षित महसूस करना चाहते हैं। पीड़ितों ने जो भी सुझाव या मांग की हैं, उन पर विचार किया जाएगा। मैं इस बारे में केंद्र सरकार को सूचित करूंगा। मैंने लोगों को अपना फोन नंबर दिया है और उन्हें जरूरत पड़ने पर फोन करने को कहा है। हम संपर्क में बने रहेंगे।

महिलाओं ने पकड़े पैर, हमारा क्या अपराध है, हमें बचाइए

राज्यपाल को देखकर महिलाओं को थोड़ी तसल्ली जरूरी हुई। वे कहने लगीं हिंदू होना हमारा क्या अपराध है, हमें बचाइए। व्यथित महिलाओं ने राज्यपाल के पैर पकड़ लिए और उनसे बचाने की गुजारिश की। राज्यपाल भी खुद को नहीं रोक पाए। उन्होंने पीड़ित महिलाओं और परिवारों से कहा कि मुझे शांति बनाए रखने के लिए जो भी करना होगा, करूंगा।

बीएसएफ कैंप को अपनी जमीन देने कोयहां लोग तैयार

धुलियान के निवासी कह रहे हैं, अगर जरूरत पड़ी तो हम अपने घर बीएसएफ कैंप को दे देंगे।

मुर्शिदाबाद में पीड़ितों से बिना मिले जा रहे थे राज्यपाल

गाड़ियों के आगे बैठे लोग बोले- हम परेशान, हिंदू होना अपराध हो गया?

धुलियान । पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के धुलियान में शनिवार को राज्यपाल को ग्रामीणों के विरोध का सामना करना पड़ा। राज्यपाल धुलियान के वार्ड-16 के बेदवाना गांव में ग्रामीणों से मिले बिना जा रहे थे, जिस पर ग्रामीण भड़क गए और जमकर हंगामा किया। विरोध को देखते हुए राज्यपाल ग्रामीणों से मिले और उनकी बात को सुना। शनिवार को इस इलाके में जमकर तोड़फोड़ हुई। उपद्रवियों ने मंदिरों को भी निशाना बनाया।

मृतकों के परिजनों से की मुलाकात

राज्यपाल बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ अधिनियम के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हुई हिंसा में मारे गए एक दो लोगों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। हरगोविंद दास और चंदन दास के शव शमशेरगंज के जाफराबाद इलाके में उनके घर में पाए गए थे और शरीर पर चाकू से वार के कई निशान थे। राज्यपाल ने परिवार के सदस्यों से बात की और उन्हें सहायता का आश्वासन दिया। परिजनों ने घटना की सीबीआई जांच की मांग की है।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग भी पहुंचा

महिलाएं फूट-फूट कर रोने लगीं

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग एवं महिला आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को मुर्शिदाबाद पहुंच कर पीड़ित परिवारों से मुलाकात की। उनके सामने हिंसा की कहानी बताते हुए महिलाएं फूट-फूट कर रोने लगीं और घटना के संबंध में उन्हे विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर वे भावुक हो गई।

महिला आयोग के सदस्यों ने बधाया ढांढस

राष्ट्रीय महिला आयोग की प्रमुख विजया रहाटकर के नेतृत्व में एक टीम ने धुलियान में हिंसा के पीड़ितों से मुलाकात की और आश्वासन दिया कि उनकी सुरक्षा के लिए केंद्र दृढ़ है।

रक्षा मंत्री राजनाथ ने कहा

नेहरू भी मानते थे औरंगजेब को क्रूर और कट्टरपंथी शासक

संभाजी नगर। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी महाराज को राष्ट्रीय नायक बताया। औरंगजेब को आदर्श मानने वालों को नसीहत देते हुए सिंह ने कहा कि जिन लोगों को लगता है कि औरंगजेब एक नायक था उन्हें भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू की किताब पढ़ना चाहिए, जिन्होंने अपनी किताब में लिखा है कि मुगल बादशाह औरंगजेब एक क्रूर और कट्टरपंथी शासक था। संभाजी नगर में मेवाड़ शासक महाराणा प्रताप की प्रतिमा का अनावरण करने पहुंचे सिंह ने कहा कि महाराणा प्रताप अतुल्यनीय साहस और देश भक्ति के प्रतीक थे। उन्होंने स्वाभिमान और अपनी धरती की रक्षा के लिए मुगल सम्राट अकबर को चुनौती दी थी। सिंह ने दावा कियास्वतंत्रता के बाद वामपंथी इतिहासकारों ने महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी दोनों को ही उचित श्रेय नहीं दिया, बल्कि औरंगजेब जैसे क्रूर शासकों का महिमामंडन किया।

तब मुस्लिम युवक छत्रपति का अंगरक्षक था

राजनाथ ने कहा कि अपनी वीरता के अलावा महाराणा प्रताप ने समाज के सभी वर्गों को एकजुट किया था। उनकी सेना में आदिवासी और मुसलमान सभी शामिल थे। हकीम खान सूरी ने हल्दीघाटी में मुगलों से राणा प्रताप के लिए लड़ते हुए अपने जीवन की आहूति दी थी, वहीं एक मुस्लिम युवक छत्रपति शिवाजी महाराज का अंगरक्षक था।

कंठ ने पूछा, क्या कोई छात्र सिर्फ जनेऊ पहनकर नकल कर सकता है?

हिंदू छात्रों के जनेऊ उतरवाने का मामला कांग्रेस की हिंदू विरोधी सोचः भाजपा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रत्यूष कंठ ने कर्नाटक में हाल ही में हिंदू छात्रों के जनेऊ उतरवाने का मामले को लेकर इसे कांग्रेस की हिंदू विरोधी सोच बताया। कंठ ने पार्टी मुख्यालय में इस घटना की कड़े शब्दों में निंदा की।

कंठ ने कहा कि आज पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश की राजनीति विकास और राष्ट्रहित पर केंद्रित हो चुकी है। देश 'विकसित भारत' की ओर तेजी से कदम बढ़ा रहा है। कांग्रेस और इंडी गठबंधन शासित राज्य आज भी सिर्फ वोटबैंक की राजनीति में उलझे हैं। भाजपा ने इस घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की है। उन्होंने इसे 'कांग्रेस की पुरानी हिंदू विरोधी सोच' का प्रतीक बताया। यह केवल एक घटना नहीं, सोच का परिणाम है। परीक्षा के नाम पर छात्रों के धार्मिक प्रतीकों, विशेषकर हिंदू छात्रों के जनेऊ उतरवाना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने इसे सुनियोजित प्रयास करार दिया, जिसका उद्देश्य हिंदू समाज की धार्मिक आस्थाओं को ठेस पहुंचाना है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या कोई छात्र सिर्फ जनेऊ पहनकर नकल कर सकता है? यह कुतर्क सिर्फ एक समुदाय विशेष को लक्षित करने का प्रयास है। भाजपा प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों द्वारा शासित राज्य अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की राजनीति में इतने लिप्त हैं कि उन्हें हिंदू समुदाय की भावनाओं की कोई परवाह नहीं रह गई है। कंठ ने पूर्व पीएम मनमोहन सिंह के बयान का भी जिक्र किया, उन्होंने कहा था कि देश के संसाधनों पर पहला हक मुसलमानों का है। राहुल गांधी पर भी निशाना साधा।

जमीन आवंटन में मंजूरी और घपला का केस

कच्छ के पूर्व कलेक्टर शर्मा को 5 साल की जेल, 10 हजार रु. का जुर्माना भी लगाया

एजेंसी ▶▶ गांधीनगर

कच्छ जिले के पूर्व कलेक्टर प्रदीप शर्मा को 5 वर्ष की सजा सुनाई गई है और उन पर 10 हजार का जुर्माना भी लगा है। आरोपियों के नाम प्रदीप कुमार निरंकरणनाथ शर्मा, नटुभाई मोतीभाई देसाई, नरेश पोपटलाल पटेल और अतिसिंह महिपतसिंह झाला है। फरियादी कंपनी श्री सोल पाइप्स लिमिटेड द्वारा मोसमाघोघा, तालुका जेतपुर की सीमा में स्थित सरकारी जमीन को औद्योगिक उपयोग के लिए आवंटित करवाने हेतु आवेदन किया गया था। कलेक्टर ने 15,00,000 रुपए की कीमत तक की जमीन को मंजूरी देने की अनुमति दी थी।

अनावश्यक आवंटन किया गया

शर्मा ने फाइल में दर्शाई गई मांग के विरुद्ध, 47,173 वर्ग मीटर जमीन आवंटित कर दी, जो कि स्वीकृत सीमा से अधिक थी। नियमों की अनदेखी करते हुए एक ही सर्वे नंबर में 20,000 वर्ग मीटर से अधिक (27,173 अतिरिक्त) जमीन फालतू आवंटित कर दी गई। आरोपी ने कंपनी को आर्थिक लाभ पहुंचाया और सरकार को आर्थिक नुकसान किया।

कोर्ट के आदेश पर बड़ी कार्रवाई

पटियाला डिप्टी कमिश्नर की सरकारी कार और एक-तिहाई वेतन जब्त

पटियाला। आम तौर पर प्रशासन संपत्ति कुर्क करता है लेकिन पंजाब के पटियाला के डिप्टी कमिश्नर प्रीति यादव के द्वारा इस्तेमाल की गई कार और उनकी सैलरी के एक-तिहाई हिस्से को जब्त करने की कार्रवाई हुई है। एक स्थानीय अदालत के आदेश पर यह कार्रवाई इसलिए की गई । अदालत ने पंजाब सरकार को आदेश दिया था कि वह देश के बंटवारे के दौरान प्रभावित हुए एक परिवार को 100 बीघा जमीन लौटाए या इसके बदले में उस परिवार को मुआवजा दे। यह जमीन गुलाम मोहम्मद नाम के शख्स की है और जिले के झिल्ल गांव में है।

भाजपा सांसद निशिकांत सुप्रीम कोर्ट पर भड़के

कोर्ट ही कानून बनाएगा, तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने शनिवार को वक्फ (संशोधन) अधिनियम की सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई पर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा कि अगर न्यायपालिका को कानून बनाना है तो संसद की कोई जरूरत नहीं है। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए भाजपा सांसद ने कहा कि देश में धार्मिक युद्ध भड़काने के लिए सुप्रीम कोर्ट जिम्मेदार है। सुप्रीम कोर्ट अपनी सीमा से बाहर जा रहा है। अगर हर बात के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े तो संसद और विधानसभाएं बंद कर देनी चाहिए। दुबे ने कहा, भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना इस देश में हो रहे सभी गृहयुद्धों के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अगर कोर्ट ही कानून बनाएगा, तो संसद भवन को बंद कर देना चाहिए।

उच्चतम न्यायालय में चल रही वक्फ कानून पर सुनवाई

अगर हर बात के लिए सुप्रीम कोर्ट जाना पड़े तो संवैधानिक संस्थाओं की जरूरत ही नहीं

किस कानून में लिखा- 3 माह के अंदर निर्णय लें

अपना सवाल जारी रखते हुए उन्होंने कहा कि आपने नया कानून कैसे बनाया? किस कानून में लिखा है कि राष्ट्रपति को तीन महीने के भीतर निर्णय लेना है? इसका मतलब है कि आप इस देश को अराजकता की ओर ले जाना चाहते हैं। जब संसद बैठेगी तो इस पर विस्तृत चर्चा होगी। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति को भेजे गए बिलों पर फैसला लेने के लिए समयसीमा तय करने का फैसला किया है, जिस पर भी बहस शुरू हो गई है। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है। विपक्षी दलों ने राष्ट्रपति को दिए गए निर्देश और वक्फ (संशोधन) अधिनियम मामले में सुप्रीम कोर्ट की कार्यवाही की सराहना की है।

संसद कानून बनाती है

निशिकांत दुबे ने कहा कि आप राम मंदिर मामले में कहते हो कि कागज दिखाओ, कृष्ण जन्मभूमि मामले में कह रहे हो कि कागज दिखाओ। उन्होंने कहा कि आज आप मुगलों के आने के बाद जो मस्जिद बने हैं, उसके बारे में कहते हो कि कागज कहां से दिखाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि आप नियुक्ति करने वाले अधिकारी को निर्देश कैसे दे सकते हैं? राष्ट्रपति भारत के मुख्य न्यायाधीश को नियुक्त करते हैं। संसद इस देश का कानून बनाती है। आप उस संसद को निर्देश देंगे?

मौसम में फिर बदलाव की संभावना

कहीं छूट रहे पसीने तो कहीं आंधी बारिश और ओलों की पड़ रही मार

मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

देशभर में कई राज्यों में तापमान तेजी से बढ़ रहा है। भीषण गर्मी में लोगों की पसीने छूट रहे हैं। मौसम विभाग ने कल यानी शनिवार शाम के लिए आंधी और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में हल्की-हल्की बारिश का दौर अभी भी जारी है। वहीं पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में भी पारा तेजी से चढ़ रहा है। पश्चिमी व उत्तरी हरियाणा में मध्यम से तेज हवाएं चलने तथा कुछ एक स्थानों पर गरज चमक के साथ छिटपुट बूंदाबांदी की भी संभावना है।

राजस्थान, हिमाचल में गरज- चमक के साथ बारिश के आसार

पूरा राजस्थान भीषण गर्मी की चपेट में है। मौसम विभाग के अनुसार 20 अप्रैल से भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। लाहौल स्पीति, कुल्लू, शिमला जैसे ऊंचाई वाले वाले क्षेत्रों में तेज हवाएं गरज चमक के साथ बारिश की संभावना है। बिहार में 1-2 दिन गरज चमक के साथ आंधी और बारिश का पूर्वानुमान जारी किया। पटना, गया और भागलपुर में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। इसके अलावा अन्य जिलों में भी इसका असर रहेगा।

हाइब्रिड फंड्स हो सकते हैं निवेश के बढ़िया विकल्प

▸▸ बाजार में उथल-पुथल होने पर निवेशक घबरा जाते हैं
▸▸ प्योर इक्विटी फंड्स में पैसे लगाने से कतराने लगते हैं
▸▸ ऐसे समय में हाइब्रिड फंड्स अच्छा रिटर्न देने में सक्षम

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

इस समय देश के इक्विटी मार्केट में भारी उतार-चढ़ाव का दौर काफी समय से जारी है। हाल ही में अमेरिका के राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा शुरू किए गए टैरिफ वॉर ने इसे और हवा दे दी है। इस माहौल में कई निवेशकों को प्योर इक्विटी फंड्स में निवेश करना बहुत जोखिम भरा लगने लगा है। उनके मन में यह सवाल हो सकता है कि ऐसा कौन सा विकल्प है, जहां कम रिस्क में बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश हो सकती है? उनके इस सवाल का एक जवाब हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स में भी मिल सकता है। हाइब्रिड म्यूचुअल फंड्स के जरिये एक ही स्कीम में पैसे लगाकर इक्विटी, डेट और कई बार गोल्ड जैसे एसेट्स में भी निवेश किया जा सकता है। इस डायवर्सिफिकेशन की वजह से रिस्क और रिटर्न के बीच बेहतर बैलेंस बना रहता है। बाजार की गिरावट के दौरान डेट में किया गया निवेश सुरक्षा देता है और जब बाजार चढ़ता है तो इक्विटी से रिटर्न बढ़ते हैं। हाइब्रिड फंड्स भी कई अलग-अलग कैटेगरी में बंटे होते हैं, जिनमें निवेशक अपने निवेश के लक्ष्य, इनवेस्टमेंट होराइजन और रिस्क लेने की क्षमता के आधार पर सही फंड का चुनाव कर सकते हैं। हाइब्रिड फंड्स की प्रमुख कैटेगरी की खूबियों के साथ-साथ उनके टॉप फंड्स के पिछले 1 साल, 3 साल और 5 साल के रिटर्न की रेंज का जिक्र किया है, ताकि उनके बारे में निवेशकों को शुरुआती आइडिया मिल जाए।

टॉप 5 फंड्स का पिछला रिटर्न

कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड : कम रिस्क में स्टेबल रिटर्न
अगर आप रिस्क से बचते हुए फिक्स्ड डिपॉजिट से थोड़ा बेहतर रिटर्न चाहते हैं, तो कंजर्वेटिव हाइब्रिड फंड्स आपके लिए सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें 75-90 फीसदी निवेश डेट इंस्ट्रूमेंट्स में होता है और केवल 10-25 फीसदी इक्विटी में लगाया जाता है। ऐसे फंड्स तीन साल या उससे अधिक समय के निवेश के लिए बेहतर रहते हैं।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में : 10.75 % से 11.45%
- 3 साल में : 10.22 % से 11.78 %
- 5 साल में :13.11% से 14.15%
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई

बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स इक्विटी और डेट का बेहतर संतुलन
जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए थोड़ा बहुत रिस्क ले सकते हैं, उनके लिए बैलेंस्ड हाइब्रिड फंड्स बेहतर विकल्प हैं. इनमें इक्विटी और डेट का हिस्सा लगभग 50:50 होता है। हालांकि फिलहाल इस कैटेगरी में स्कीम्स की संख्या सिर्फ 2 है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में :10.56% से 11.59%
- 3 साल में: कोई फंड नहीं
- 5 साल में: कोई फंड नहीं
- रिस्क लेवल : मॉडरेटली हाई से बहुत अधिक

डायनैमिक एसेट एलोकेशन फंड्स (बीएएफ): एक्टिव स्ट्रैटजी का फायदा : जो निवेशक बाजार की स्थिति के अनुसार अपने पोर्टफोलियो का संतुलन बदलते रहना चाहते हैं, उनके लिए डायनैमिक एसेट एलोकेशन या बैलेंस्ड एडवांटेज फंड बेहतर साबित हो सकते हैं। ये फंड बाजार की चाल के अनुसार इक्विटी और डेट में 0 से 100 प्रतिशत तक का संतुलन बनाते हैं। हालांकि इनमें जोखिम ज्यादा होता है, लेकिन लंबे समय में अच्छे रिटर्न की संभावना भी होती है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में 10.51% **to** 13.12%
- 3 साल में: 12.84% **to** 19.19%
- 5 साल में: 17.34% **to** 26.49%

रिस्क लेवल : बहुत अधिक

मल्टी एसेट एलोकेशन फंड्सः डायवर्सिफिकेशन पर जोर
अगर आप अपने निवेश को अलग-अलग एसेट क्लासेज जैसे इक्विटी, डेट और गोल्ड में बांटना चाहते हैं, तो मल्टी एसेट फंड बेहतरीन विकल्प हैं। इस कैटेगरी के फंड्स में तीनों एसेट में कम से कम 10% निवेश किया जाता है। इनमें कम से कम 5 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.74% **to** 16.38%
- 3 साल में: 14.31% **to** 18.11%
- 5 साल में: 18.99% **to** 31.87%
- रिस्क लेवल : अधिक से बहुत अधिक

इक्विटी सेविंग्स फंड्स: टैक्स सेविंग के साथ स्टेबल इनकम टैक्स एफिशिएंट और स्टेबल रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए इक्विटी सेविंग्स फंड सही विकल्प हैं। इनमें इक्विटी, डेट और आर्बिट्राज का मिक्स होता है। इनमें कम से कम 3 साल या उससे ज्यादा समय के लिए निवेश करना बेहतर रहता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 9.54% **to** 11.59%
- 3 साल में: 11.01% **to** 11.96%
- 5 साल में: 14.56 % **to** 16.62%
- रिस्क लेवल : मॉडरेट से मॉडरेटली हाई

आर्बिट्राज फंड्स: शॉर्ट टर्म और टैक्स एफीशिएंट
अगर आप कुछ महीनों के लिए पैसे पार्क करना चाहते हैं और टैक्स भी कम देना चाहते हैं, तो आर्बिट्राज फंड सही विकल्प हो सकते हैं। इनमें रिस्क काफी कम होता है और रिटर्न भी एफडी जैसे हो सकते हैं। इनमें कुछ महीनों से लेकर 1 साल तक के लिए निवेश करना बेहतर माना जाता है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 7.96% **to** 8.03%
- 3 साल में: 7.41% **to** 7.66%
- 5 साल में: 6.20% **to** 6.34%
- रिस्क लेवल : कम जोखिम

एग्रेसिव हाइब्रिड फंड : डेट के कुशन के साथ इक्विटी में निवेश जो निवेशक पहली बार इक्विटी में निवेश शुरू करना चाहते हैं लेकिन सीधे प्योर इक्विटी फंड में जाने से घबराते हैं, उनके लिए एग्रेसिव हाइब्रिड फंड बेहतर विकल्प हो सकते हैं। इनका 65% से 80% तक निवेश इक्विटी में और बाकी डेट में होता है। इनमें रिस्क बाकी हाइब्रिड फंड्स के मुकाबले अधिक होता है, लेकिन बेहतर रिटर्न मिलने की गुंजाइश भी रहती है।

पिछला रिटर्न

- 1 साल में: 11.85% **to** 17.29%
- 3 साल में: 16.08% **to** 20.75%
- 5 साल में: 24.56% **to** 29.34%
- रिस्क लेवल : बहुत अधिक

अपने लिए चुनें सही हाइब्रिड फंड : बाजार की उथल-पुथल के बीच हाइब्रिड फंड्स आपके आर्थिक उद्देश्यों के मुताबिक लॉन्ग टर्म इनवेस्टमेंट के लिए एक स्मार्ट ऑप्शन हो सकते हैं। हर कैटेगरी का रिस्क-रिटर्न प्रोफाइल अलग है, इसलिए फंड कैटेगरी को सावधानी के साथ चुनें।

क्या म्यूचुअल फंड में निवेश सबके लिए सही

- अगर आप भी एसआईपी के जरिये निवेश कर रहे हैं तो जान कुछ बातें
- म्यूचुअल फंड के 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह कहां लगा रहे पैसा
- उसका फंड मैनेजर कौन है, पूछेंगे तो सिर्फ यही बोलेंगे कि एसआईपी कर रहे

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

अक्सर सुनने में आता है कि सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआई) के जरिये निवेश करना सबसे बेहतर तरीका होता है। लेकिन ऐसा क्यों है। इस पर कोई विचार नहीं करता, जबकि निवेश करने से पहले पता होना चाहिए कि एसआईपी के जरिये निवेश क्यों सही है। यदि यह जानकारी आपको नहीं है तो नुकसान भी हो सकता है। निवेश करने के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस भी समय-समय पर जांचना भी जरूरी होता है। टीवी, रेडियो, ऑनलाइन और सोशल मीडिया के जरिये 'म्यूचुअल फंड सही है' का स्लोगन हम सभी ने जरूर सुना है। आए दिन कोई न कोई क्रिकेटर, बॉलीवुड स्टार या दूसरे फिल्ड के सेलिब्रिटी म्यूचुअल फंड का प्रचार करते दिख जाते हैं। म्यूचुअल फंड सही है। लेकिन, क्या वकई में म्यूचुअल फंड सभी के लिए बिल्कुल सही है? इसका जवाब है नहीं। म्यूचुअल फंड सभी के लिए सही नहीं है। अगर आपका लक्ष्य छोटा है या उम्र अधिक है तो म्यूचुअल फंड सही नहीं है। बाजार में मौजूदा गिरावट के बाद कई लोगों का म्यूचुअल फंड का रिटर्न 3 साल बाद भी निगेटिव हो गया है। इस रिपोर्ट के जरिये हम आपको बताएंगे कि किसके लिए म्यूचुअल फंड सही हैं और किसके लिए नहीं।

एसआईपी के फायदे

- नियमित निवेशः एसआईपी आपको नियमित रूप से निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- रुपये कॉस्ट एवरेजिंगः एसआईपी आपको रुपये कॉस्ट एवरेजिंग का लाभ उठाने की अनुमति देता है, जिसमें आप बाजार की उतार-चढ़ाव के बावजूद नियमित रूप से निवेश करते हैं।
- निवेश अनुशासनः एसआईपी आपको निवेश अनुशासन बनाए रखने में मदद कर सकता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।
- लंबी अवधि के लिए निवेशः एसआईपी आपको लंबी अवधि के लिए निवेश करने की अनुमति देता है, जो आपके निवेश लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है।

एसआईपी के प्रकार : म्यूचुअल फंड एसआईपीः म्यूचुअल फंड एसआईपी में आप नियमित रूप से म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं। **स्टॉक एसआईपीः** स्टॉक एसआईपी में आप नियमित रूप से स्टॉक में निवेश करते हैं।

आंख मूंद कर निवेश नहीं करें

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वाले 80% निवेशकों को नहीं पता है कि वह किस फंड में निवेश कर रहे हैं। उसका फंड मैनेजर कौन है? पूछेंगे तो बोलेंगे कि हम तो एसआईपी कर रहे हैं, जबकि एसआईपी एक जरिया है म्यूचुअल फंड में निवेश करने का। इसलिए म्यूचुअल फंड में निवेश करने से पहले जानकारी जुटाएं। किसी की सलाह पर सुनी सुनाई बातों पर निवेश न कर दें। म्यूचुअल फंड में सही फंड का चुनाव करना बहुत जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर नुकसान उठाना होगा। सही फंड चुनने के लिए आपको बाजार को समझना होगा। निवेश के तरीकों और अपने लक्ष्य को देखना होगा। यह जानना जरूरी है कि हम निवेश क्यों और किस लिए कर रहे हैं। इसलिए निवेश करते समय एक बार पूरी जानकारी जुटाएं।

रिटर्न निवेश का पैमाना नहीं

लोग अक्सर सोचते हैं कि जो फंड अभी सबसे अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, वही उनके लिए सही रहेगा। लेकिन हर म्यूचुअल फंड स्कीम अलग होती है। अगर उस स्कीम का इंवेस्टमेंट ऑब्जेक्टिव और रिस्क प्रोफाइल आपकी जरूरतों से मेल नहीं खाता, तो वह फंड आपके लिए सही नहीं है। इसलिए इन बातों का ध्यान रखना जरूरी है वरना आप झटका भी खा सकते हैं।

स्कीम को जरूर जांचें

यह जरूरी है कि आप फंड हाउस की इंवेस्टमेंट स्ट्रैटेजी, फंड मैनेजर की योग्यता, और रिस्क मैनेजमेंट प्रोसेस को भी समझें। एक ही कैटेगरी में अलग-अलग स्कीम्स का प्रदर्शन अलग हो सकता है। कोई भी निवेश करने से पहले एक बार स्कीम को जरूर जांच लें। उसके प्रदर्शन पर नजर रखें और समीक्षा करते रहें।

निगरानी करना सीखें

सही स्कीम चुन लेना ही काफी नहीं। निवेश के बाद स्कीम का परफॉर्मेंस समय-समय पर जांचना भी जरूरी है। समय-समय पर देखें कि क्या फंड आपके लक्ष्य के अनुसार चल रहा है? अगर नहीं तो उसमें बदलाव करें। अगर ये पांच काम आप कर सकते हैं तो ही म्यूचुअल फंड में निवेश करें। आप अपने पैसे को सुरक्षित भी रख पाएंगे और सही रिटर्न भी ले पाएंगे। अन्यथा आप फिक्स्ड इनकम प्रोडक्ट में निवेश करें।

जोखिम लेने की क्षमता है तो ही निवेश करें

अगर आपमें जोखिम लेने की क्षमता है तो ही म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिय निवेश करें। म्यूचुअल फंड निवेश पर मार्केट रिस्क, लिक्विडिटी रिस्क, क्रेडिट रिस्क, जीडीपी ग्रोथ रिस्क आदि होता है। अगर आप जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं तो ही निवेश करें। अन्यथा बैंक एफडी, पीपीएफ, आरडी या दूसरी फिक्स्ड इनकम इन्वेस्टमेंट स्कीम में निवेश करें। इससे आपको नुकसान नहीं होगा और आपको रिटर्न मिलता रहेगा। भले की कुछ कम क्यों न हो।

पहला घर खरीदने के लिए करें फाइनेंशियल प्लानिंग

● कुछ टिप्स आपके आ सकते हैं काफी काम ● एक बड़ा डाउन पेमेंट दे सकता है राहत ● लोन की राशि और ब्याज के बोझ को कर सकता है कम ● संपत्ति के मूल्य का 20-30% बचाने का टारगेट रखें

अगर आप भी अपना पहला घर खरीदने जा रहे हैं तो कुछ बातों को पल्ले बांध लें। इससे आपको घर खरीदने में आसानी रहेगे और लोन की किस्तें भी समय पर चुका पाएंगे। बस आपको कुछ टिप्स को फॉलो करना होगा। इसके बाद अपना मकान बनाने में कोई परेशानी नहीं होगी। अक्सर देखने में आता है कि जब आप पढ़ाई करते हैं फिर अपना करियर शुरू करते हैं तो इसके बाद एक घर खरीदने के सपने को पंख लगने शुरू हो जाते हैं। ज्यादातर लोगों की ख्वाहिश होती है कि एक घर अपना हो। इसके लिए आपको काफी तैयारी करनी होती है। प्लानिंग करनी होती है। तब जाकर आप अपना घर खरीद पाते हैं। अगर आप अपना पहला घर खरीदने की सोच रहे हैं तो आपको इसके लिए पहले से कुछ तैयारियां करनी चाहिए, ताकि आगे आपके लिए किसी तरह की परेशानी न आए। इसके लिए आपको कुछ खास बातों पर गौर करना चाहिए। इस रिपोर्ट में हम आपको ऐसी ही कुछ जानकारी देंगे जो आपके काफी काम आएंगी।

पहले होमवर्क करना जरूरी

घर खरीदने से पहले आपको कुछ होमवर्क करना होगा। इससे आपके कई काम आसान हो जाएंगे। सबसे पहले यह तय करें कि जो मकान खरीदने जा रहे हैं वह अप्रूव्ड है या नहीं। इसके बाद उसके सभी कागज एक बार जरूर चेक करें और किसी जानकार से भी जांच करवा लें, ताकि आपके साथ कोई धोखाधड़ी न हो सके। असली मालिक कौन है। प्रॉपर्टी कौन सी जगह है। बिल्डर सही है या नहीं आद। इसके बाद आप अपने सपनों का घर आसानी से खरीद सकेंगे।

अपनी वित्तीय क्षमता को समझें

पहला घर खरीदने के फैसले से पहले आपको अपनी वित्तीय क्षमता और अपनी वित्तीय सेहत का आकलन करना चाहिए। अपनी इनकम, खर्च और बचत तय करें। यह कैलकुलेट करें कि आप मासिक किस्त (ईएमआई) के लिए कितना फंड आराम से अलॉट कर सकते हैं। टाटा हाउसिंग के मुताबिक, सामान्य नियम यह है कि आपकी ईएमआई आपकी शुद्ध इनकम के 30% से अधिक नहीं होनी चाहिए। इससे ज्यादा होगी तो आपको बाद में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। अपने फंड का एक बार आकलन जरूर कर लें।

तैयारी
बिजनेस डेस्क

डाउनपेमेंट के लिए बचत करें

घर खरीदते समय जितना संभव हो सके डाउनपेमेंट कर देना चाहिए और बाकी अमाउंट के लिए होम लोन लेना चाहिए। डाउन पेमेंट के लिए बचत करें। एक बड़ा डाउन पेमेंट आपके लोन की राशि और ब्याज के बोझ को काफी कम कर सकता है। संपत्ति के मूल्य का कम से कम 20-30% बचाने का टारगेट रखें। इस फंड को बनाने के लिए रेकरिंग डिपोजिट या सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) जैसे ऑप्शन पर विचार कर सकते हैं।

होम लोन विकल्पों को तलाशें

अगर आपको पहला घर खरीदने के लिए डाउनपेमेंट की रकम के अलावा होम लोन लेने की जरूरत हो तो अलग-अलग बैंकों या उधारदाताओं पर शोध करें, और ब्याज दरों, अवधि विकल्पों और छिपे हुए शुल्कों की तुलना जरूर करें। प्रधान मंत्री आवास योजना जैसी सरकार समर्थित योजनाएं अतिरिक्त लाभ प्रदान कर सकती हैं।

छिपे हुए खर्च का जरूर रखें ध्यान

घर खरीदने में कई बार ऐसे खर्च आपके सामने आ सकते हैं जिसके बारे में आपको शायद पहले से पता न हो। इस वजह से छिपी हुई लागतों को ध्यान में रखें। पहली बार घर या प्रॉपर्टी की लागत और संपत्ति खरीदने के लिए किसी भी लोन के अलावा, कई खर्चे सामने आएंगे जैसे स्टाम्प ड्यूटी, रजिस्ट्रेशन शुल्क, प्रॉपर्टी टैक्स और मेंटेनेंस कॉस्ट आवश्यक विचार हैं। इनके लिए बजट बनाना वित्तीय आश्चर्यों से बचाएगा।

जल्दबाजी न करें

हर इंसान चाहता है कि वह खुद के घर में रहें। खुद का घर खरीदना हर व्यक्ति के लिए बहुत ही बड़ी बात होती है। कई लोग ऐसे होते हैं, जो बैंक से होम लोन लेकर घर खरीदते हैं, तो कुछ लोग अपनी जिंदगीभर की कमाई को लगाकर घर खरीदते हैं। ऐसे में घर को खरीदते समय कभी भी जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। घर खरीदते समय ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको अच्छे से जान लेना चाहिए। आपको अपनी फाइनेंशियल प्लानिंग काफी ध्यान से करनी चाहिए। फाइनेंस के अलावा भी ऐसी कई चीजें होती है, जिनके बारे में आपको ध्यान रखना चाहिए।

बचत फैक्टर फंडों का एयूएम 14,000 करोड़ से बढ़कर 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ से अधिक हुआ, लोगों को खूब भा रहा

गुणवत्ता कारक निवेश : आधारभूत निवेश करने का एक अनुशासित तरीका, देश में अब इसके प्रति लगातार बढ़ता जा रहा है रुझान

जानकारी
प्रतीक ओसवाल

भारत में कारक-आधारित निवेश के प्रति रुझान बढ़ा है, क्योंकि निवेशक विभिन्न बाजार चक्रों के दौरान लाभ प्राप्त करने के लिए व्यवस्थित रणनीतियों की तलाश करते हैं। यह रणनीति पैसिव और ऐक्टिव निवेश के बीच के अंतर को पाटने का काम करती है, क्योंकि यह दोनों तरीकों में से सबसे उपयुक्त बातों को मिलाकर बनती है। पारंपरिक निवेश रणनीति, जो बाजार के उतार-चढ़ावों से प्रभावित हो सकती है, से अलग कारक आधारित निवेश अनुकूल विशेषताओं वाले शेयरों को पहचानने के लिए एक संरचित दृष्टिकोण देती है। भारत में फैक्टर फंडों का एयूएम पिछले वर्ष में दोगुने से अधिक हो गया है, जो एक वर्ष पहले के14,000 करोड़ रुपये की तुलना में 2024 के अंत तक 40,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। विभिन्न कारक रणनीतियों में से, गुणवत्ता कारक निवेश पर अक्सर उस अवधि के दौरान विचार किया जाता है जब मूल्यांकन अपने चरम पर होता है, विकास के अवसर कम हो जाते हैं, और निवेशक मजबूत बुनियादी बातों वाली कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करके स्थिरता की तलाश करते हैं। ऐसी अवधियों में गुणवत्ता कारक अस्थिर बाजार स्थितियों में कुछ हद तक लचीलापन और स्थिरता प्रदान करके निवेशकों को अनिश्चितता का प्रबंधन करने में मदद कर सकता है। स्थिरता और विकास को संतुलित करने की इसकी क्षमता के कारण बाजार में कम विश्वास होने पर यह एक पसंदीदा रणनीति बन जाती है।

क्या है गुणवत्ता कारक

गुणवत्ता कारक एक निवेश रणनीति है, जिसके अंतर्गत उन कम्पनियों को चुना जाता है, जिनकी बुनियादी बातें मज़बूत होती हैं। यह उन फर्मों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिनके पास लाभप्रदता, कुशल पूंजी उपयोग और वित्तीय स्थिरता का सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। ये कंपनियां अक्सर कम अस्थिरता प्रदर्शित करती हैं, जिससे वे स्थिरता की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए उपयुक्त बन जाती हैं।

यह एक विश्वसनीय रणनीति

गुणवत्तापूर्ण निवेश अस्थिर बाजारों में बने रहने के लिए एक विश्वसनीय रणनीति है, जिसमें मजबूत बुनियादी बातों, स्थिर आय और कुशल पूँजी आवंटन वाली कंपनियों पर जोर दिया जाता है। भारतीय और वैश्विक बाजारों में मौजूदा अनिश्चितता को देखते हुए, गुणवत्ता कारक निवेशकों को दीर्घकालिक विकास के अवसरों को प्राप्त करते हुए नकारात्मक जोखिमों से बचने का एक संरचित तरीका प्रदान करता है। जैसे-जैसे निवेश के रुझान बदलते हैं, वित्तीयऔर मौलिक रूप से मजबूत कंपनियों पर ध्यान केंद्रित करने से निवेशकों को आर्थिक मंदी का सामना करने और भविष्य के बाजार सुधारों में भाग लेने में मदद मिल सकती है।

ये अनुपात बताए

- **इक्विटी पर रिटर्न (आरओई):** यह मापता है कि कंपनी शेयरधारकों की इक्विटी से कितने प्रभावी ढंग से लाभ कमाती है।
- **ऋण-से-इक्विटी अनुपात :** यह अनुपात वित्तीय उत्तोलन और कंपनी द्वारा अपने ऋण को जिम्मेदारी सेप्रबंधित करने की क्षमता का आकलन करता है।
- **आय स्थिरता :** यह अनुपात समय के साथ कंपनी की आय की स्थिरता का मूल्यांकन करता है।
- **उपार्जन अनुपात :** यह नकदी प्रवाह प्रबंधन का विश्लेषण करके आय की गुणवत्ता निर्धारित करता है।
- इन कारकों पर ध्यान केंद्रित करके, गुणवत्तापूर्ण निवेश यह सुनिश्चित करता है कि पोर्टफोलियो में चयनित कंपनियों के पास टिकाऊ व्यवसाय मॉडल हों और वे वित्तीय संकट से कम प्रभावित हों।

सबसे लंबा बुल रन

बीएसई क्वालिटी इंडेक्स ने पांच सालों में 22% का वार्षिक प्रतिफल दिया, जो इसके मूल सूचकांक, बीएसई लार्ज मिडकैप से 4.01% बेहतर प्रदर्शन है। 2020 के दौरान, जब बाजार दूसरी छमाही में रिकवरी की राह पर था, इसने मजबूती से प्रदर्शन किया और 26% का प्रतिफल दिया। लंबी अवधि में भी, गुणवत्ता सूचकांक ने पिछले 19 कैलेंडर वर्षों में 72% मामलों में अपने मूल सूचकांक से बेहतर प्रदर्शन किया है, जो इसकी निरंतरता को दर्शाता है। यह दर्शाता है कि गुणवत्ता सिर्फ़ एक कारक नहीं है, बल्कि यह दीर्घकालिक बेहतर प्रदर्शन की तलाश के लिए एक संरचित दृष्टिकोण भी हो सकता है।

क्वालिटी फैक्टर विश्वसनीय विकल्प

मजबूत वित्तीय मेट्रिक्स वाली कंपनियां आम तौर पर चुनौतीपूर्ण आर्थिक स्थितियों से निपटने और व्यापक बाजार के स्थिर होने पर तेज़ी से उबरने के लिए बेहतर तरीके से सुसज्जित होती हैं। अनिश्चित समय या शुरुआती रिकवरी चरणों के दौरान, निवेशक अक्सर सिद्ध ट्रैक रिकॉर्ड वाली वित्तीय रूप से स्थिर कंपनियों की ओर आकर्षित होते हैं। गुणवत्ता कारक मंदी और बाजार की रिकवरी के दौरान बाज़ार में बने रहनेके लिए विशेष रूप से प्रभावी होता है। मंदी के दौर में, इसने औसतन सिर्फ़ -27% की गिरावट का अनुभव किया, जो कम अस्थिरता कारक से थोड़ा कम है, जिसे अपनी प्रकृति के अनुसारकम गिरावट का अनुभव करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। दिलचस्प बात यह है कि रिकवरी चरण के दौरान, क्वालिटी फैक्टर ने 41% का संचयी वार्षिक रिटर्न दिया, जो मूल्यांकन कारक फैक्टर के बाद दूसरे स्थान पर है। यह स्थिरता इसे विभिन्न बाजार चक्रों में संतुलित प्रदर्शन की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए एक आकर्षक विकल्प बना सकती है।

निष्क्रिय गुणवत्ता कारक निवेश क्यों अहम

1. मानवीय पूर्वाग्रहों को दूर करता है - गुणवत्ता कारक में पैसिव निवेश मात्रात्मक डेटा पर निर्भर करता है, जो भावनात्मक निर्णय लेने से बचाता है।
2. व्यवस्थित और पारदर्शी - एक नियम-आधारित दृष्टिकोण यह सुनिश्चित करता है कि इसमें केवल वित्तीय रूप से मजबूत कंपनियों को ही शामिल किया जाए।
3. बेहतर जोखिम-समायोजित प्रतिफल प्रदान करता है - गुणवत्ता निवेश कम लागत के साथ स्थिरता, लचीलापन व टिकाऊ दीर्घकालिक विकास प्रदान करता है।

इक्विटी निवेश के लिए एक अनुशासित दृष्टिकोण की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए, निष्क्रिय गुणवत्ता कारक फंड सक्रिय स्टॉक चयन के लिए एक कुशल, कम लागत वाला विकल्प हो सकता है।

स्रोतः एनएसई; बीएसई; एसीईएमएफ; एमओएएमसी

(लेखक मोतीलाल ओसवाल एसेट मेनेजमेंट कंपनी लि. के बिजनस पैसिव फंड प्रमुख हैं)

(डिस्क्लेमर : म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन हैं, योजना से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें।)

चेन्नई के खिलाफ आज जीत की हैट्रिक लगाने की तैयारी में मुंबई इंडियंस

एजेंसी ▶▶| मुंबई

चेन्नई सुपर किंग्स की खराब फॉर्म इंडियन प्रीमियर लीग के 'क्लासिको (सबसे ज्यादा प्रतिद्वंद्विता वाला मैच)' की चमक को कम कर सकती है, लेकिन मुंबई इंडियंस के लिए रविवार को यहां अपनी जीत की लय बरकरार रखने के लिए रणनीति बदलने की चुनौती होगी।

मुंबई ने शुरुआती मैचों की निराशा को पीछे छोड़ते हुए अपने पिछले दो मैचों में दिल्ली कैपिटल्स और सनराइजर्स हैदराबाद को मात देकर अच्छी वापसी की है। हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली टीम तालिका में सातवें पायदान पर है और वह मौजूदा सत्र में जीत की हैट्रिक लगाने के साथ सत्र के अपने पहले मैच में इस टीम से मिली हार का बदला चुकता करना चाहेगी।

स्पिनरों से पार पाना मुश्किल

मुंबई इंडियंस को चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ स्पिनरों की मददगार पिच पर खेलना टीम के लिए जोखिम भरा हो सकता है। चेन्नई के पास शानदार लय में चल रहे खब्बू स्पिनर नूर अहमद के अलावा अनुभवी रविंद्र जडेजा और रविचंद्रन अश्विन का भी विकल्प है। नूर ने सात मैचों में 12 विकेट लिए है, जिसमें मुंबई के खिलाफ शुरुआती मैच में तीन सफलता शामिल है।

मुंबई का पलड़ा भारी

चेन्नई के खिलाफ सत्र का पहला मैच गंवाने के बावजूद मौजूदा फॉर्म के आधार पर मुंबई का पलड़ा भारी है। रोहित शर्मा ने अभी तक बड़ा स्कोर नहीं बनाया है, लेकिन सनराइजर्स के खिलाफ उनकी तेज शुरुआत ने टीम को बिना किसी दबाव के लक्ष्य का पीछा करने की आजादी दी। तिलक वर्मा और सूर्यकुमार यादव के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है लेकिन रयान रिकेल्टन ने शीर्ष क्रम में अच्छा योगदान दिया है। विल जैक्स के हरफनमौला खेल ने सनराइजर्स की जीत में अहम भूमिका अदा की थी।

पंजाब के खिलाफ आरसीबी को करना होगा बेहतर प्रदर्शन

मुल्लांपुर। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को अगर इंडियन प्रीमियर लीग में अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो पंजाब किंग्स के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले मैच में उसके बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पंजाब के खिलाफ शुक्रवार को बेंगलुरु में खेले गए मैच में टिम डेविड को छोड़कर आरसीबी का कोई भी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाया और टीम को पांच विकेट से हार का सामना करना पड़ा। आरसीबी के पास फिल साल्ट, विराट कोहली, कप्तान रजत पाटीदार और लियाम लिविंगस्टोन जैसे धाकड़ बल्लेबाज हैं लेकिन उनके पास वापसी करने का बहुत कम समय है। पाटीदार ने बेंगलुरु में पंजाब के हाथों पराजय के लिए बल्लेबाजों की नाकामी को जिम्मेदार ठहराया था।

खास खबर

भारतीय टीम से छुट्टी होने के बाद कोलकाता से जुड़े नायर

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के बीच बीसीसीआई ने सहायक कोच अभिषेक नायर को आठ महीने के कार्यकाल के बाद ही बाहर का रास्ता दिखा दिया था। टीम इंडिया से बाहर होने के कुछ दिनों बाद ही अभिषेक नायर को नई नौकरी मिल गई है। दरअसल, पिछले सीजन की विजेता कोलकाता नाइटराइडर्स ने अभिषेक नायर को अपने साथ जोड़ लिया है। वह असिस्टेंट कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। कोलकाता नाइटराइडर्स ने सोशल मीडिया पर यह जानकारी शेयर की है। केकेआर ने एक्स पर अभिषेक नायर की एक तस्वीर शेयर की है। इसमें वह कोलकाता की जर्सी में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही कैप्शन में लिखा गया, घर वापस आने पर आपका स्वागत है। नायर पहले भी कोलकाता की कोचिंग स्टाफ का हिस्सा रहे हैं।

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
गुजरात	7	5	2	10
दिल्ली	7	5	2	10
पंजाब	7	5	2	10
लखनऊ	8	5	3	10
बेंगलुरु	7	4	3	8
कोलकाता	7	3	4	6
मुंबई	7	3	4	6
राजस्थान	8	2	6	4
हैदराबाद	7	2	5	4
चेन्नई	7	2	5	4

ऑरेंज कैप

निकोलस पूरन
357 रन
लखनऊ

पर्पल कैप

प्रसिद्ध कृष्णा
14 विकेट
चेन्नई

आईपीएल : टाइटन्स ने कैपिटल्स को सात विकेट से हराया

कृष्णा का 'चौका', बटलर के नाबाद अर्धशतक से शीर्ष पर पहुंचा गुजरात

एजेंसी ▶▶| अहमदाबाद

गुजरात टाइटन्स प्रसिद्ध कृष्णा (चार विकेट) की शानदार गेंदबाजी के बाद जोस बटलर (नाबाद 97 रन) के अर्धशतक की मदद से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट से हराकर तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। गुजरात टाइटन्स, दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के 10-10 अंक हैं लेकिन बेहतर नेट रन रेट से शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम पहले स्थान पर पहुंच गई।

जीत के लिए 204 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बटलर और शेरफाने रदरफोर्ड (43 रन) ने गुजरात टाइटन्स के लिए तीसरे विकेट के लिए 69 गेंद में 119 रन की रिकॉर्ड साझेदारी बनाई। घरेलू टीम के लिए इससे पहले तीसरे विकेट के लिए साझेदारी का रिकॉर्ड 90 रन का था। बटलर ने 54 गेंद की पारी के दौरान 11 चौके और चार छक्के जड़े जबकि रदरफोर्ड ने 34 गेंद में एक चौके और तीन छक्के जड़े। बटलर अपना शतक पूरा नहीं कर सके क्योंकि अंतिम ओवर में राहुल तेवतिया ने मिचेल स्टार्क की पहली गेंद पर डीप मिडविकेट पर छक्का जड़ा और अगली गेंद पर चौका जड़कर चार गेंद रहते जीत दिलाई।

गेंदबाजों ने कसी लगाम

कृष्णा के चार विकेट लेने के बावजूद अच्छी शुरुआत से बड़े स्कोर की ओर बढ़ती हुई दिल्ली कैपिटल्स की टीम आठ विकेट पर 203 रन ही बना सकी। बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम कई मौकों पर बड़े स्कोर की ओर बढ़ती दिख रही थी लेकिन घरेलू टीम के गेंदबाजों ने हर मौके पर वापसी करते हुए उसके बल्लेबाजों पर लगाम कसी। कप्तान अक्षर पटेल ने 39 रन और आशुतोष शर्मा ने 37 रन का योगदान दिया। ट्रिस्टन स्टब्स और करूण नायर ने 31-31 रन बनाए।

सिराज ने पहले ओवर में लुटाए 16 रन

गुजरात टाइटन्स के लिए मोहम्मद सिराज ने अपने पहले ओवर में 16 रन लुटाए जबकि दूसरे स्पैल के दो ओवर में 14 रन देकर एक विकेट झटका। अनुभवी तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा ने तीन ओवर में 19 रन देकर एक विकेट प्राप्त किया। स्पिनर साई किशोर ने बस अंतिम ओवर डाला जिसमें उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स को महज नौ रन बनाने दिए और एक विकेट आशुतोष शर्मा के रूप में लिया। अगर आशुतोष डटे रहते तो यह स्कोर बड़ा हो सकता था।

राहुल के सबसे तेज 200 छक्के

नई दिल्ली। आईपीएल के 18वें सीजन में केएल राहुल का बल्ला लगातार रन उगल रहा है। वह दिल्ली कैपिटल्स के मिडिल ऑर्डर के रीढ़ हड्डी बन गए हैं। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ केएल राहुल ने एक खास उपलब्धि हासिल की। केएल राहुल ने आईपीएल में 200 सिक्स जड़ने का कमाल किया। वह सबसे कम पारियों में 200 सिक्स पूरा करने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं।

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स	रन	गेंद	4	6
पोरेल का सिराज बो अरशद	18	09	3	1
नायर का अरशद बो कृष्णा	31	18	2	2
राहुल पगबाधा बो कृष्णा	28	14	4	1
अक्षर का बटलर बो कृष्णा	39	32	1	2
स्टब्स का कृष्णा बो सिराज	31	21	2	1
आशुतोश का सब बो किशोर	37	19	2	3
निगम का बटलर बो कृष्णा	00	01	0	0
फरेरा का किशोर बो ईशांत	01	03	0	0
मिचेल स्टार्क नाबाद	02	02	0	0
कुलदीप यादव नाबाद	04	01	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 20 ओवर में 203/8
गेंदबाजी : सिराज 4-0-47-1, अरशद 4-0-46-1, कृष्णा 4-0-41-4, राशिद 4-0-38-0, ईशांत 3-0-19-1, साई किशोर 1-0-9-1.

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का स्टब्स बो कुलदीप	36	21	5	1
शुभमन गिल रन आउट	07	05	1	0
जोस बटलर नाबाद	97	54	11	4
रदरफोर्ड का स्टार्क बो मुकेश	43	34	1	3
राहुल तेवतिया नाबाद	11	03	1	1

अतिरिक्त : 10, कुल : 19.2 ओवर में 204/3
गेंदबाजी : स्टार्क 3.2-0-49-0, मुकेश 4-0-40-1, अक्षर 2-0-18-0, निगम 4-0-34-0, कुलदीप 4-0-30-1, मोहित 2-0-28-0.

आवेश ने जाइंट्स को रॉयल्स पर दो रन की जीत दिलाई

एजेंसी ▶▶| जयपुर

तेज गेंदबाज आवेश खान की डेथ ओवरों में शानदार गेंदबाजी से लखनऊ सुपर जाइंट्स ने इंडियन प्रीमियर लीग में शनिवार को यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए दो रन से जीत दर्ज की। सुपर जाइंट्स के 181 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल की 52 गेंद में चार छक्कों और पांच चौकों से 74 रन की पारी की बदौलत रॉयल्स की टीम एक समय दो विकेट पर 156 रन बनाकर बेहद मजबूत स्थिति में थी लेकिन आवेश (37 रन पर तीन विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने पांच विकेट पर 178 रन ही बना सकी। जायसवाल ने वैभव सूर्यवंशी (34) के साथ पहले विकेट के लिए 85 और कप्तान रियान पराग (39 रन, 26 गेंद, तीन चौके, दो छक्के) के साथ तीसरे विकेट के लिए 62 रन जोड़े लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। आवेश ने 18वें ओवर में जायसवाल और पराग दोनों को आउट करके मैच का रुख सुपर जाइंट्स के पक्ष में मोड़ा। लखनऊ सुपर जाइंट्स ने इससे पहले एडेन मारक्रम की 45 गेंद में तीन छक्कों और पांच चौकों से 66 रन की पारी और आयुष बडोनी (50 रन, 34 गेंद, पांच चौके, एक छक्का) के साथ चौथे विकेट की उनकी 76 रन की साझेदारी से पांच विकेट पर 180 रन बनाए। अब्दुल समद (नाबाद 30, 10 गेंद) ने पारी के अंतिम ओवर में संदीप शर्मा (51 रन पर एक विकेट) पर चार छक्कों से 27 रन जोड़े। रॉयल्स की ओर से वानिंदु हसरंगा सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 31 रन देकर दो विकेट चटकाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरे रॉयल्स ने सूर्यवंशी को इंपेक्ट प्लेयर के रूप में जायसवाल के साथ पारी का आगाज करने भेजा। सूर्यवंशी 14 साल और 23 दिन की उम्र में आईपीएल में पदार्पण करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने।

खबर संक्षेप

छेत्री ने किया 39 संभावित खिलाड़ियों का चयन

नई दिल्ली। भारत की सीनियर महिला फुटबॉल टीम के मुख्य कोच क्रिस्पिन छेत्री ने जून-जुलाई में होने वाले एएफसी एशियाई कप 2026 क्वालीफायर से पहले राष्ट्रीय शिविर के लिए शनिवार को 39 संभावित खिलाड़ियों की घोषणा की। भारतीय महिला टीम 23 जून से पांच जुलाई तक थाईलैंड के चियांग माई में एएफसी महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर खेलने के लिए तैयार हैं। टीम को ग्रुप बी में रखा गया है जहां उनका सामना मेजबान थाईलैंड, मंगोलिया, तिमोर-लेस्ते और इराक से होगा। सीनियर महिला टीम का शिविर एक मई को बेंगलुरु के 'पादुकोण-द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस' में शुरू होगा।

सौरभ उम्मीदों और लक्ष्यों को लेकर चिंतित नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दो साल के अंतराल के बाद वापसी कर रहे भारतीय पिस्टल निशानेबाज सौरभ चौधरी ने कहा कि वह पदक जीतने, लक्ष्य निर्धारित करने और उम्मीदों को पूरा करने के लिए अपनी नींद गंवाने की जगह कदम दर कदम आगे बढ़ना चाहेंगे। उन्होंने कहा कि वह अतीत में भी इन चीजों को लेकर परेशान नहीं थे। भारतीय निशानेबाजी में सबसे तेजी से उभरते युवा से लेकर खराब फॉर्म के कारण गुमनामी में जाने तक इस 22 साल के निशानेबाज ने कम समय में करियर में बड़ा उतार चढ़ाव देखा है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

कैथल के एडीसी ने 8 तैराकों की टीम के साथ हासिल की उपलब्धि

रामसेतु के साथ-साथ 28 किलोमीटर रिले तैराकी सफलतापूर्वक की पूरी

कैथल। तैराकी टीम के साथ कैथल के एडीसी दीपक बाबू लाल करवा।

- प्रशासनिक व्यस्तताओं के बावजूद हासिल की उपलब्धि
- प्रदेश व जिले का नाम किया रोशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कैथल

देश भर से आठ तैराकों की एक टीम ने श्रीलंका और भारत को जोड़ने वाली पाक जलडमरूमध्य में रामसेतु के साथ-साथ 28 किलोमीटर रिले तैराकी सफलतापूर्वक पूरी की। जिले के लिए गर्व की बात है कि कैथल जिला के एडीसी दीपक बाबूलाल करवा भी इस टीम का हिस्सा रहे। अर्जुन अवार्डी एवं पैरालिंपियन प्रशांत करमाकर की अगुवाई में इस टीम ने 18 अप्रैल को तलाईमन्नार (श्रीलंका) से धनुष्कोडी (भारत) तक की दूरी आठ घंटे 30 मिनट में तैरकर पूरी की। तैराकी सुबह 5:50 बजे शुरू हुई और दोपहर 2:20 बजे समाप्त हुई। इस तैराकी का आधिकारिक निरीक्षण भारतीय तैराकी महासंघ के विजय कुमार के माध्यम से किया गया। जिससे खुले पानी में तैराकी के मानकों का पालन सुनिश्चित हुआ। युवा तैराकों में प्रशांत करमाकर (पैरालिंपियन और अर्जुन पुरस्कार विजेता), आईएएस अभिनव गोपाल (उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में मुख्य विकास अधिकारी), आईएएस दीपक बाबूलाल करवा (हरियाणा के कैथल जिले के एडीसी), मुरीगेप्पा चन्ननवर (कर्नाटक पुलिस अधिकारी), राबिन (प्रमुख टीटी रेलवे पश्चिम बंगाल), अमन शानबाग (कर्नाटक के एक एमबीबीएस छात्र), राजवीर सिंह (महेंद्रगढ़ के एक पैरा-खिलाड़ी), चरखी दादरी के रहने वाले राष्ट्रीय एथलीट इशांत सिंह शामिल हैं। एडीसी दीपक बाबू लाल करवा ने कहा कि पौराणिक राम सेतु के किनारे तैरते हुए, इस तैराकी से उन्होंने फिट इंडिया मूवमेंट का समर्थन, साहसिक पर्यटन को बढ़ावा देना, भगवान राम में धार्मिक और सांस्कृतिक आस्था का सम्मान करना, तैराकी को प्रोत्साहित करना और भारत की विविधता में एकता का जश्न मनाना आदि शक्तिशाली संदेश दिए हैं।

पाक जलडमरूमध्य को पार करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य

अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल करवा ने कहा कि पाक जलडमरूमध्य को पार करना एक चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस रिले तैराकी में आठ तैराकों ने बारी-बारी से दूरी तय की। उन्होंने कहा कि इस तैराकी ने न केवल तैराकों की शारीरिक क्षमता का पता लगा, बल्कि सहयोग और साझा राष्ट्रीय भावना की ताकत को भी दिखाया। इस सफलता के बाद यह टीम अब जून 2025 में रिले प्रारूप में इंग्लिश चैनल पार करने की तैयारी कर रही है।

सुपर कप के पहले मैच में ईस्ट बंगाल का सामना केरल से आज

भुवनेश्वर। गत चैंपियन ईस्ट बंगाल की टीम रविवार को यहां कलिंगा सुपर कप के उद्घाटन मैच में केरल ब्लास्टर्स एफसी के खिलाफ मैदान में उतरेगी। उसकी कोशिश 15 टीम वाले इस टूर्नामेंट में अपनी ट्रॉफी बरकरार रखने के साथ अगले सत्र के एएफसी चैंपियंस लीग 2 के लिए एकमात्र उपलब्ध स्थान को हासिल करने की होगी। इस टूर्नामेंट के पिछले दो सत्र में ग्रुप चरण के बाद सेमीफाइनल हुआ था लेकिन इस सत्र में 2018 और 2019 की तरह नॉकआउट प्रारूप होगा। इसका मतलब यह है कि हर मैच 'करो या मरो' होगा। ईस्ट बंगाल ने पिछले साल अतिरिक्त समय तक चले फाइनल में ओडिशा एफसी को 3-2 से हराकर खिताब जीता था। टीम ने इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर पर 12 साल के खिताबी सूखे को खत्म किया था। केरल ब्लास्टर्स राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहली ट्रॉफी जीतने की कोशिश में है। दोनों टीमों का इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था, वे क्रमश: नौवें और आठवें स्थान पर रहे थे। इस मुकाबले के विजेता का सामना 26 अप्रैल को पहले क्वार्टर फाइनल में मोहन बागान सुपरजायंट से होगा।

शर्मनाक! टी20 मैच में खेले पूरे 20 ओवर, बनाए सिर्फ 33 रन

कराची। टी20 क्रिकेट में कोई बल्लेबाज ओपनिंग करने उतरता है तो उससे क्या उम्मीद होती है? वह टीम को तेज शुरुआत देगा। गेंदबाजों पर अटैक करके अपनी टीम का दबदबा कायम करेगा। अगर ओपनर पूरे 20 ओवर तक खेलता है और अंत में नाबाद लौटता है तो सभी सोचेंगे कि उसने शतक बनाया होगा। ताबड़तोड़ी बैटिंग से गेंदबाजों का जीना मुश्किल कर दिया होगा लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग में इसका उल्टा देखने को मिला है।

साउद शकील पाकिस्तान क्रिकेट टीम के प्रमुख खिलाड़ी हैं। वह पीएसएल में क्वेटा ग्लेडिएटर्स की कप्तानी कर रहे हैं। कराची किंग्स के खिलाफ वह सलामी बल्लेबाजी करने उतरे। शकील ने पारी की पहली गेंद खेली। 20 ओवर खत्म होने के बाद वह नाबाद पवेलियन लौटे। इस दौरान शकील के बल्ले से सिर्फ और सिर्फ 33 रन निकले। यानी पूरे 20 ओवर बैटिंग करने के बाद सिर्फ 33 रन। साउद शकील ने दूसरे ओवर में एक चौका लगाया। तीसरे ओवर में उनके बल्ले से एक चौका निकला। इसके बाद उन्होंने अगले 17 ओवर में सिर्फ एक चौका लगाया। 33 रन बनाने के लिए उन्होंने 40 गेंदों का सामना किया।

भारतीय टीमों ने की ब्रिज विश्व चैंपियनशिप में एंट्री

नई दिल्ली। भारत ने दुबई में एशिया एवं पश्चिम एशिया ब्रिज महासंघ के टूर्नामेंट में तीन स्वर्ण पदक और एक रजत पदक हासिल किया तथा पदक जीतने वाली टीमों ने अगली विश्व चैंपियनशिप के लिए क्वालिफिकेशन प्राप्त कर ली। विश्व ब्रिज महासंघ के तत्वावधान में 10 से 18 अप्रैल के बीच आयोजित टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष, महिला और सीनियर टीमों ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि मिश्रित टीम ने रजत पदक जीता। चारों भारतीय टीमों ने 20 से 31 अगस्त तक डेनमार्क के हर्निंग में होने वाली 47वीं विश्व ब्रिज चैंपियनशिप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। चैंपियनशिप में हिस्सा लेने वाली 35 देशों की 66 टीमों में भारत भी शामिल होगा। खेल मंत्रालय 2017 से ही भारतीय ब्रिज महासंघ को सहायता दे रहा है।

मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' वाली टीम बनाने के लिए अगले 18 महीने महत्वपूर्ण

भारतीय घरेलू हॉकी में है अच्छी गहराई और गुणवत्ता

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

राष्ट्रीय चैंपियनशिप में युवा खिलाड़ियों के प्रदर्शन से प्रभावित भारतीय पुरुष हॉकी टीम के मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने शनिवार को कहा कि देश की हॉकी में काफी गहराई है और मजबूत 'बेंच स्ट्रेंथ' वाली टीम बनाने के लिए अगले 18 महीने महत्वपूर्ण होंगे। फुल्टन को हाल में समाप्त हुई राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान भारत की क्षेत्रीय प्रतिभा को जानने और समझने का मौका मिला।

फुल्टन ने कहा, 'जब हमने अपनी मजबूती पर जोर दिया तो मैच काफी करीबी रहे। भारतीय हॉकी में काफी गहराई है विशेषकर गोलकीपिंग और कुछ अन्य क्षेत्रों में जिसे देखना बहुत अच्छा था। उन खिलाड़ियों को पहचानना भी उत्साहजनक था, जिन्होंने पहले लीग में भाग नहीं लिया था।' मुख्य कोच ने क्षेत्रीय टीमों के प्रदर्शन पर प्रतिक्रिया करते हुए कहा कि जहां विजेता पंजाब का मजबूत पक्ष अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों की मौजूदगी था, वहीं शीर्ष चार टीमों ने कुल मिलाकर अच्छे संतुलन और गुणवत्ता का प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा, 'कुछ क्षेत्र निश्चित रूप से दूसरों की तुलना में मजबूत थे। उदाहरण के लिए, पंजाब सबसे अधिक संख्या में अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ उतरा था जिसका उसे फायदा मिला। इसके अलावा शीर्ष चार टीमों में प्रतिभा का अच्छा संतुलन था।'

सही खिलाड़ियों को खोजने पर ध्यान

फुल्टन ने एशिया कप चक्र के लिए एक नए कोर ग्रुप के गठन के संदर्भ में कहा कि उनका ध्यान खिलाड़ियों की उम्र पर नहीं बल्कि विशिष्ट भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों को खोजने पर है। उन्होंने कहा, 'यह अधिक युवा खिलाड़ियों को लाने के बारे में नहीं है। यह उचित भूमिकाओं के लिए सही खिलाड़ियों की पहचान करने से जुड़ा है। हम जल्द ही एक अभ्यास शिविर आयोजित करने जा रहे हैं जिसमें 54 खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें से 40 खिलाड़ियों का एक कोर ग्रुप तैयार किया जाएगा। हम खेल के प्रत्येक विभाग में मजबूती चाहते हैं। अगले 18 महीने मजबूत बेंच स्ट्रेंथ वाली टीम बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं।'

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

खबर संक्षेप

'द ताज स्टोरी' को 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार

लंदन। बॉलीवुड अभिनेता परेश रावल की फिल्म 'द ताज स्टोरी' ने हाल ही में लंदन के हाउस ऑफ कॉमन में आयोजित ग्लोबल बिजनेस अवार्ड 2025, अंतरराष्ट्रीय श्रेणी में 'बेस्ट फिल्म' का पुरस्कार जीता। 'द ताज स्टोरी' को ब्रिटिश दर्शकों और लंदन निवासियों के साथ-साथ वहां के फौजियों द्वारा भी बेहद पसंद किया गया। फिल्म की मुख्य भूमिका में परेश रावल हैं।

यूक्रेन युद्ध के विरोध में युवती को जेल की सजा

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस की अदालत ने यूक्रेन युद्ध का विरोध करने वाली दरिया कोजीरेवा को दो वर्ष आठ महीने की जेल की सजा सुनाई है। वे 19वीं सदी की कविता और भित्तिचित्रों के माध्यम से युद्ध का विरोध कर रही थी। 19 वर्षीय कोजीरेवा को रूसी सेना को बदनाम करने का दोषी पाया गया, उसने चौराहे पर यूक्रेनी कविता की पंक्तियों वाला पोस्टर लगाया था।

इटली में ऑनर किलिंग उम्रकैद सजा बरकरार

रोम। इटली में पाकिस्तानी मूल की लड़की के ऑनर किलिंग में एक अपील अदालत ने अहम फैसला सुनाया है। जहां अपील अदालत ने 18 साल की पाकिस्तानी मूल की लड़की समन अब्बास की हत्या के मामले में उसके माता-पिता और रिश्तेदारों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। यह मामला इटली में ऑनर किलिंग यानी 'इज्जत के नाम पर हत्या' का बेहद चर्चित केस बन गया था। पाकिस्तान से आकर इटली में रह रही समन अब्बास ने अपने माता-पिता द्वारा तय की गई शादी को मानने से इनकार कर दिया था।

छात्रों के निर्वासन मामले में ट्रंप को चुनौती

एसीएलयू ने कोर्ट में की कानूनी स्थिति बहाल करने की मांग

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के फैसलों से प्रभावित अंतर्राष्ट्रीय छात्रों की मदद के लिए शुक्रवार को एक बड़ा मुकदमा दायर किया गया है। इस मुकदमे में अदालत से अनुरोध किया गया है कि इन छात्रों की कानूनी स्थिति फिर से बहाल की जाए। इस फैसले से करीब 1100 से ज्यादा विदेशी छात्र प्रभावित हुए हैं, जिन्हें अमेरिका से निकाले जाने का डर सता रहा है। बता दें कि यह मुकदमा अमेरिकन सिविल लिबर्टीज यूनियन (एसीएलयू) और उससे जुड़े कई संगठनों ने मिलकर दायर किया है। ये न्यू इंग्लैंड और प्यूर्टो रिको के 100 से अधिक छात्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। मामले में एसीएलयू न्यू हैम्पशायर के कानूनी निदेशक गिल्स बिस्नोनेट ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय छात्र हमारे कॉलेजों और विश्वविद्यालयों का एक अहम हिस्सा हैं। किसी भी सरकार को यह अधिकार नहीं है कि वो छात्रों की स्थिति अचानक खत्म कर दे और उन्हें उनकी पढ़ाई पूरी किए बिना देश से निकालने की कोशिश करे। एसीएलयू का कहना है कि सरकार ने छात्रों की कानूनी स्थिति को बिना किसी चेतावनी या उचित प्रक्रिया के खत्म कर दिया, जो कि न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है।

■ भारतीयों समेत 1100 से अधिक छात्रों को यूएस से निकाले जाने का डर

वेनेजुएला के लोगों के निर्वासन पर रोक

अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को एक अहम फैसला लेते हुए टेक्सास के डिटेंशन सेंटर में बंद वेनेजुएला के लोगों को फिलहाल उनके देश वापस भेजने पर रोक लगा दी है। यह फैसला 18वीं सदी के पुराने कानून एलियन एनिमीज़ एक्ट (1798) के तहत किए जा रहे निर्वासन के खिलाफ दायर याचिका पर आया है। यह मामला एसीएलयू द्वारा सुप्रीम कोर्ट में की गई आपात अपील से जुड़ा है, जिसमें एसीएलयू का कहना था कि ट्रंप प्रशासन इस युद्धकालीन कानून का इस्तेमाल करके वेनेजुएला के लोगों को अवैध तरीके से वापस भेजने की कोशिश कर रहा है। मामले में एसीएलयू की अपील पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने फिलहाल यह आदेश दिया है कि इन लोगों को अगले आदेश तक डिपोर्ट न किया जाए। हालांकि, जस्टिस क्लेरेंस थॉमस और सैमुअल एलिटो ने इस फैसले से असहमति जताई।

छात्रों को पक्ष रखने का मौका तक नहीं

बता दें, मार्च के अंत से अब तक 170 से ज़्यादा यूनिवर्सिटी और कॉलेजों में पढ़ रहे करीब 1,100 छात्रों के वीज़ा या कानूनी स्थिति को खत्म कर दिया गया। ये सब बिना किसी उचित सूचना के हुआ। अभी और भी छात्रों के ट्रंप के इस फैसले से प्रभावित होने की संभावना है। वहीं छात्रों का कहना है कि उन्हें न तो कोई चेतावनी दी गई, न ही सफाई का मौका मिला। कुछ मामलों में तो बहुत पुराने और मामूली ट्रैफिक उल्लंघन को भी बहाना बना लिया गया।

यूएस के प्रतिस्पर्धी बाजारों में पसंदीदा विकल्प बन रहे भारतीय ताजे फल

जांच में पास होकर पहली बार समुद्र के रास्ते अमेरिका जा पहुंची 12.5 टन अनार की खेप

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

> पहली परीक्षण वाणिज्यिक खेप पांच सप्ताह के भीतर अमेरिका पहुंच गई

> साल 2023 में अमेरिका को हवाई मार्ग से पहली बार अनार भेजा था, इससे पहले आम भी भेज चुके

भारतीय अनार की पहुंच अब बढ़ चुकी है। दूर-दराज के बाजारों में अनार को पहुंचाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के तहत पहली बार अनार की एक वाणिज्यिक खेप समुद्र के रास्ते अमेरिका के न्यूयॉर्क पहुंची है। कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने शनिवार को बताया कि अमेरिका को बहुमूल्य भारतीय भगवा अनार का निर्यात किया गया है।

यह ताजे फलों के निर्यात में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस खेप के आने से भारतीय अनार के प्रतिस्पर्धी अमेरिकी बाजार में पसंदीदा विकल्प बनने की संभावना का संकेत मिलता है।

आईएफसी के सहयोग से 4200 बक्से भेजे

भारत को अनार के लिए अमेरिका द्वारा बाजार पहुंच प्रदान किए जाने के बाद, 2023 में अमेरिका को हवाई मार्ग से अनार की परीक्षण खेप सफलतापूर्वक भेजी गई थी। इसके बाद भारत ने फरवरी 2024 में नवी मुंबई स्थित विकिरण सुविधा केंद्र (आईएफसी) और आईएनआई फार्म्स के सहयोग से 4,200 बक्से यानी 12.6 टन अनार की अपनी पहली परीक्षण वाणिज्यिक समुद्री खेप को सफलतापूर्वक अमेरिका के लिए रवाना किया था।

दिसंबर 2024 में यूएसडीए से मिला अनापत्ति प्रमाणपत्र

भारतीय अनार के लिए अमेरिकी नियामक यूएसडीए से दिसंबर 2024 में अनापत्ति मिली जिसने भारतीय कृषि निर्यातकों के लिए लॉजिस्टिक्स और विनियामक बाधाओं को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उनकी अमेरिकी बाजार तक पहुंच बनी। भारतीय अनार के 4,620 बक्सों की पहली समुद्री खेप, जिसका वजन लगभग 14 टन था, मार्च के दूसरे सप्ताह में अमेरिका के पूर्वी तट पर पहुंच गई। यह खेप प्रस्थान के पांच सप्ताह के भीतर ही अमेरिका पहुंच गई। न्यूयॉर्क में इस खेप का असाधारण स्वागत किया गया। आगमन की गुणवत्ता को 'उत्कृष्ट' बताया गया और ग्राहक भारतीय भगवा किस्म के अनारों की उल्लेखनीय अपील और खाने की बेहतरीन गुणवत्ता से मंत्रमुग्ध हो गए।

आमों का वार्षिक निर्यात 3500 टन पहुंचा, अमेरिका में आम और अनार लोकप्रिय

एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने कहा कि भारत सरकार वैश्विक बाजार के लिए भारतीय ताजे फलों को बढ़ावा देने में अग्रणी रही है। एपीडा पहले से ही अनापत्ति कार्यक्रम के लिए वित्त व्यवस्था करके अमेरिका में आम और अनार जैसे भारतीय फलों के निर्यात में सहायता कर रहा है। भारतीय किसानों को बेहतर लाभ तब मिलेगा जब उनके फल अमेरिका जैसे बड़े अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निर्यात किए जाएंगे। भारतीय आमों का वार्षिक निर्यात पहले ही लगभग 3,500 टन तक पहुंच चुका है और हमें उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में अनार का निर्यात भी इतना हो जाएगा।

भारत बागवानी फसलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक

भारतीय निर्यात संघ के एक प्रतिनिधि ने कहा कि भारतीय अनार हमेशा से अपने स्वाद के लिए जाने जाते रहे हैं, इस खेप ने साबित कर दिया है कि सही गुणवत्ता और स्थिरता के साथ, भारतीय ताजे फल अमेरिकी उपभोक्ता के समझदार स्वाद को पूरा कर सकते हैं। भारत बागवानी फसलों का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है। महाराष्ट्र, गुजरात, कर्नाटक, राजस्थान और आंध्र प्रदेश जैसे राज्य अनार के प्रमुख उत्पादक हैं। एपीडा ने अनार के लिए विशेष रूप से निर्यात संवर्धन मंच (ईपीएफ) की स्थापना की है जिसका उद्देश्य निर्यात को बढ़ावा देना और आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं को दूर करना है।

72,011 टन अनार का निर्यात किया

भारत ने वित्त वर्ष 2023-24 में 690.8 लाख डॉलर मूल्य के 72,011 टन अनार का निर्यात किया था। वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल-जनवरी के दौरान 597.6 लाख डॉलर मूल्य के साथ निर्यात में 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। प्रमुख निर्यात गंतव्यों में यूएई, बांग्लादेश, नेपाल, नीदरलैंड, सऊदी अरब, श्रीलंका, थाईलैंड, बहरीन, ओमान और अमेरिका शामिल हैं। बता दें, भारतीय अनार, विशेष रूप से भगवा किस्म, अपने स्वाद, गहरे लाल रंग और उच्च पोषण मूल्य के लिए प्रसिद्ध हैं। ये एंटीऑक्सीडेंट पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं।

एयरपोर्ट पर बिछाया जाएगा रेड कारपेट

अब जयपुर में 4 दिन रुकेंगे अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस

एजेंसी नई दिल्ली। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस शुक्रवार को परिवार के साथ इटली पहुंच गए। इसके बाद 21 अप्रैल को भारत पहुंचेंगे। वेंस का दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर स्वागत करेंगे। 21 अप्रैल को ही पीएम नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात होगी। इस दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल भी मौजूद रहेंगे। वेंस 21 अप्रैल की रात को जयपुर पहुंच जाएंगे।

वेंस 24 अप्रैल तक जयपुर में रहेंगे। इस दौरान 22 अप्रैल को राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में बिजनेस समिट को भी संबोधित करेंगे। 23 अप्रैल की सुबह अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिकी एयर फोर्स के विशेष विमान से आगरा के लिए रवाना होंगे। लगभग तीन घंटे तक ताजमहल देखने के बाद दोपहर को वेंस एक बार फिर जयपुर पहुंचेंगे। 23 अप्रैल की दोपहर को वे जयपुर सिटी पैलेस जाएंगे।

इसके बाद 24 अप्रैल की सुबह 6 बजकर 30 मिनट पर वाशिंगटन रवाना हो जाएंगे। जयपुर में जेम्स के स्वागत के लिए एयरपोर्ट पर रेड कारपेट बिछाने की तैयारी की जा रही है। राज्य सरकार ने सभी विभागों के अधिकारियों को तैनात किया है। डेविड के दौरे के दौरान उनकी सुरक्षा टीम के साथ राजस्थान पुलिस भी सादी वर्दी में रहेगी।

Terms and Conditions apply. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. **The interest rates, down payment, and tenure options are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. #Cashback Offer available on selected models for EMI transactions made using IDFC FIRST Bank credit cards through Pine Labs machines only. #Customers can avail 5% Instant cashback, up to a maximum of ₹ 5000. #Valid on one transaction per card/order during the offer period. #The scheme is available in selected outlets only. *3 Years Free Service Maintenance Package is available only on Deluxe variant of Activa 110 and Activa 125. *For detailed Terms and Conditions of the 3-Year Free Service Maintenance Package worth ₹ 5500, kindly contact authorised main dealers and associate dealers. *Above scheme can be withdrawn at any time without prior intimation. All offers are valid until 30th April 2025. ^The price shared above is of Activa 110 Std OBD2B variant for Delhi. ^For more information contact nearest dealers. The features shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1, Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122050, India; **Website:** www.honda2wheelersindia.com; **Customer Care:** customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: **DELHI: SOUTH DELHI:** Malwa Honda (Lajpat Nagar) - 011-29840621/22, 9266802219; (Adchini) - 011-43073681, 8527996772/73; (Khanpur) - 011-40446391, 011-40446392, 9266802221; (Saheen Bagh Jamia) - 011-26950016/17, 9266802220; (Dakshinpuri) - 9266802215; (Sangam Vihar) - 9311227401, 9311227402; Pragnya Honda (Okhla) - 011-40581600, 9818856993; (Pul Pehladpur Badarpur) - 011-26366952, 9650028777; (Jaitpur) - 9818556993; Absolute Honda (Mahipalpur, NH-8) - 07947216270, 011-40470000, 9871600730, 9811625338, 9152462887; (RK Puram Sector 1) - 9871600734, 9871500735, 9069145268; (Chattarpur) - 9821814222, 9821813222; Uday Honda (Adchini) - 9212355514, 9212355515; (Aya Nagar) - 9266135550; **WEST DELHI:** Excel Honda (Raja Garden) - 9811096676, 01145528400 / 8500; (West Patel Nagar) - 9667530598; Shuban Sai Honda (Najafgarh) - 011-69651212, 9212385581/82; (Vikaspuri) - 8447527677, 8506999938/39, 8130988396; (Kakrola Mod) - 9212385537, 9212389007, 8506999936/37; (Vikas Nagar) - 9818826775; (Ranhola) - 9212385592; Dhingra Honda - (Peeragarhi) - 011-41400000, 9871200045, 9717455880; (Uttam Nagar) - 9717455884/85, 9717394588; (Nangloi) - 9871400045, 9717455883; (Kirari) - 9870200152; Excel Honda (Moti Nagar) - 011-47025801/02, 9999903295; (Mayapuri) - 011-49093930, 9811025879; (Raja Garden) - 011- 45528400/500, 9811096676; (West Patel Nagar) - 9667530598; (Amanpuri) - 9289739970; V.D. Honda (Mahavir Enclave) - 9650415522, 7042294777, 7042294776, 9212670292, 7291998261; (Dabri) - 9212670291; (Bijwasan) - 9599442118, 7290068240; (Rajapuri) 9212670215, 9910364903, 7290068239; (Kapashera) 7290068238, 9910014183; **CENTRAL DELHI:** J.B. Honda (Jhande Walan) - 01143724442, 9555007307; (Shastri Nagar) - 8882719494, 9999786767; (Naraina) - 9310059001; (Tri Nagar) - 9355719494; **EAST DELHI:** Rajindra Honda (Shahdara) - 9310457400, 9310008240; (Dilshad Garden) - 011-22131205/06, 9818372386; (Bhajanpura) - 7042024650; (Karawal Nagar) - 9810839361; (Ill Pusta) - 9560734814; Johripur (Shiv Vihar Metro Station) - 7840080191; Swarup Honda (Vikas Marg) - 011-41015710/11/12, 9810806600, 9810268204; (Mayur Vihar Ph-III) - 9717099729; (Kondli) - 9717099726; (Pandav Nagar) - 9717099723; Celebrate Honda (Jagatpuri) - 011-45644444, 9821398522; (Jheel) - 9821398526, 8448131114; (Khichripur) - 9871481114; **NORTH DELHI:** Globus Honda (Azadpur) - 011-45561871, 8826993152, 8826993150; (Rani Bagh) - 8130093649, 8826993157; (Pitampura) - 8130093651, 8826993162; (Zakira) - 8130093650; (Burari) - 8130093648, 8826993156; (Jahangirpuri) - 8130093655; ; (Libaspur) - 8130093656; Rohini Honda (Sector 3) - 8882201000; (Rithala) - 8527479000; (Budh Vihar) - 8527724000; Santoshi Honda (Narela) - 8467085731/2/7, 8882493100/2; **BALLABGARH:** Kabir Honda - 9312655454; **GAUNCHI BALLABGARH:** Kabir Honda - 9599396896; **FARIDABAD:** Pick Up Honda - 9873875500; Regent Honda - 0129-4006142, 9899913146; Faridabad Honda - 9953547023, 8130515558; **GREATER FARIDABAD:** Pick up Honda - 9873820000; **GURUGRAM:** Big Swing Honda - 9212168811, 9355990083, 9773548811; Ganpati Honda - 0124-4630500, 9910894235; Yume Honda - 0124-4577444, 9818250011, 9560380444; Malwa Gurugram Honda - 8595521151, 9311980996; **KHANDSA ROAD GURUGRAM:** Malwa Gurugram Honda - 9289223507, 9289223502; **BADSHAHPUR GURUGRAM:** 9773548811; **PALAM VIHAR GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9910894234; **GURUGRAM RAILWAY ROAD:** Ganpati Honda - 0124-4423500, 9910894233; Yume Honda - 0124-4566999, 9650186777; **SEC- 52 GURUGRAM:** Yume Honda - 8130364222, 9266668820; **MANESAR:** Ganpati Honda - 9910894239; **SEC - 82 GURUGRAM:** Ganpati Honda - 9220309621, 9220309622; **PATAUDI:** Yume Honda - 8222840011; **HAYATPUR:** JSS Honda - 9992539657; **NUH:** Sri Madhav Honda - 9050276139; **HODAL:** Mukund Honda - 8814003484, 8053339555; **PALWAL:** Parashar Honda - 7056573100, 7056574100; **SOHNA:** Sohna Honda - 9812872333, 9813156539; **GAUTAM BUDDHA NAGAR:** Parkash Honda - 0120-4796600, 9999806883; Pioneer One Honda - 4313333, 8130788666; Pioneer One Honda (Sec-58) - 8130968666; Pioneer One Honda (Noida City Center) - 0120-2480666, 8178506905; Parkash Honda (Bhangel) - 9971713314; P.S. Honda (Dadri) - 9811669969; Bhagat Honda (Jewar) - 9711716890; National Honda (Chapraula) - 9899828711; The Rainbow Honda (Shyam Nagar Mandi) - 8178274694; **GHAZIABAD:** JKM Leela Honda - 9999767614, 9311322400; Hindon Honda - 9910110017, 9910030484; Sangam Honda (Sahibabad) - 9311051166, 9911591166; Om Honda (Loni) - 9312254126; Hindon Honda (Modinagar) - 08449790925; Chauhan Honda (Muradnagar) - 9897088340; Sangam Honda (Khoda Colony) - 9540651166; **GREATER NOIDA:** Parkash Honda - 9971992604; Shanti Honda (Kulesra) - 8510000845; Khanna Honda (Surajpur) - 9810203519, 9717207234; **BULANDSHAHR:** Shri Masha Honda - 09568519999; Sri Ganga Honda (Anoopshahr) - 9719524751, 8433276224; KLA Honda (Khurja) - 7078677972, 9720088882; Agarwal Honda (Dibai) - 9412563721, 8273083331; Veer Honda (Shikarpur) - 9758097121; Shri Bhagirathi Honda (Jahagirabad) - 9927544326; Al Uzair Honda (Gulaothi) - 9997729105; **BAHADURGARH:** Shri Balaji Honda - 9896297567, 7404533495; **JHAJJAR:** Shree Shyam Honda - 9466511837, 8607200651; **ROHTAK:** Lohchab Honda - 8684888803, 8684888804; Shri Krishna Honda - 8930303243, 9896655630; **SAMPLA:** Rama Honda - 8684840808, 8684840505; **GOHANA:** Shirin Honda - 8222999406, 8222999408; **SONEPAT:** Triumph Honda - 0130-2237002, 9254015907; **CHOTU RAM CHOWK(SONEPAT):** Triumph Honda - 9254015901; **GANNAUR:** Triumph Honda - 9254015908; **KHARKHODA:** Ashirwad Honda - 9017190979; **KUNDLI:** Triumph Honda - 9254015904; **BAHALGARH:** Triumph Honda - 9034015921.

For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in